केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- नक्सलियों के खात्मे तक चैन से नहीं बैठेंगे - 12

भेदिया कारोबार नियमों के अनुपालन के लिए बैंकों का आंतरिक नियंत्रण जरूरी: पांडेय - 12

भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश, खुद कर रहा जीरो टैरिफ की मांग - 13

टेस्ट क्रिकेट में किसी भी समय नई गेंद लेने की अनुमति मिलनी चाहिए : कुक - 14

आज का मौसम

32.0° अधिकतम तापमान

26.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.47

सूर्यास्त 06.23

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वादशी 04:08 उपरांत त्रयोदशी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 4 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 217, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

जीएसटी में अब 5 और 18 % के दो स्लैब

जीएसटी परिषद ने दरों में व्यापक बदलाव को दी मंजूरी, रोटी, टीवी, छोटी कार होंगी सस्ती | तंबाकू उत्पाद और बीड़ी को छोड़कर सभी के लिए नई दरें 22 सितंबर से होंगी प्रभावी

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी परिषद ने बुधवार को आम सहमति से माल एवं सेवा कर में व्यापक सुधारों को मंजूरी दे दी। इस निर्णय से रोटी, पराठा से लेकर हेयर ऑयल, आइसक्रीम और टीवी तक आम उपयोग की वस्तुएं सस्ती होंगी। वहीं व्यक्तिगत स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर से पूरी तरह से राहत मिलेगी। जीएसटी में पांच प्रतिशत और 18 प्रतिशत की दो-स्तरीय कर संरचना को मंजूरी दी गई है। नई दरें 22 सितंबर, यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू होंगी। व्यक्तिगत उपयोग की लगभग सभी वस्तुओं पर दरों में कटौती की गई है। दरअसल, सरकार घरेलू खर्च को बढ़ावा देने और अमेरिकी शुल्क के आर्थिक प्रभाव को कम करने की कोशिश कर रही है। यह उसी दिशा में उठाया गया कदम है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिन भर चली जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि सभी फैसले सर्वसम्मति से किए गए और किसी भी राज्य से कोई असहमति नहीं थी।

परिषद ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) को मौजूदा चार स्लैब... पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत से दो दरों... पांच और 18 प्रतिशत करने को मंजूरी दे दी। महंगी कारों, तंबाकू और सिगरेट जैसी कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40 प्रतिशत के विशेष स्लैब का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि पान मसाला, गुटखा, सिगरेट, जर्दा जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पाद और बीड़ी को छोड़कर सभी उत्पादों के लिए नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। दैनिक उपयोग की खाद्य वस्तुओं पर कर की दर शून्य होगी। वहीं दूध (अत्यधिक तापमान वाले), छेना, पनीर, पिज्जा ब्रेड, खाखरा, सादी चपाती या रोटी पर कर की दर पांच प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दी गई है। पराठे पर भी कर शून्य होगा जबकि अभी यह 18 प्रतिशत है। आम उपयोग के खाद्य और पेय पदार्थों... मक्खन और घी से लेकर सूखे मेवे, कंडेंस्ड दूध, पनीर, अंजीर, खजूर, एवोकाडो, खट्टे फल, सॉसेज और मांस, चीनी से बनी कन्फेशनरी, जैम और फलों की जेली, नारियल पानी, नमकीन, 20 लीटर की बोतल में पैक पेयजल, फलों का गूदा या रस, दूध, आइसक्रीम, पेस्ट्री और बिस्कुट, कॉर्न फ्लेक्स और अनाज युक्त पेय पदार्थ और चीनी से बनी मिठाइयों पर कर की दर को मौजूदा के 12 प्रतिशत या 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत किया जाएगा। रबड़, मानचित्र, पेंसिल, शार्पनर और अभ्यास पुस्तिकाओं पर पांच शून्य शुल्क लगेगा। 'टूथ पाउडर', दूध की बोतलें, रसोई के बर्तन, छाते, बर्तन, साइकिल, बांस के फर्नीचर और कंघी जैसी उपभोक्ता वस्तुओं पर कर की दर 12 प्रतिशत से घटकर पांच प्रतिशत किया गया है। शैम्पू, टैल्कम पाउडर, टूथपेस्ट, टूथब्रश, फेस पाउडर, साबुन और हेयर ऑयल पर कर की दरें 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दी गई हैं। सीतारमण ने कहा कि जीएसटी परिषद ने व्यक्तिगत जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम भुगतान पर जीएसटी को हटाने का फैसला किया है। इससे लोगों के लिए बीमा पॉलिसी लेना सस्ता हो जाएगा।

जीएसटी परिषद ने सीमेंट पर कर की दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। 1,200 सीसी से कम और 4,000 मिमी से अधिक लंबाई वाले पेट्रोल, एलपीजी और सीएनजी वाहनों तथा 1,500 सीसी और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले डीजल वाहनों पर कर की दर मौजूदा 28 प्रतिशत से घटकर 18 प्रतिशत हो जाएगी। सीतारमण ने कहा कि 350 सीसी तक की मोटरसाइकिलें और एयर कंडीशनर, डिशवॉशर एवं टीवी जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर भी कर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है। 1,200 सीसी से ज्यादा और 4,000 मिमी से ज्यादा लंबी सभी गाड़ियों, 350 सीसी से ज्यादा क्षमता वाली मोटरसाइकिल और विमानों, और रेसिंग कारों पर 40 प्रतिशत कर लगेगा। अतिरिक्त चीनी वाले शीतल पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत कर लगेगा। इलेक्ट्रिक वाहनों पर पांच प्रतिशत कर लगता रहेगा।

नई दिल्ली में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में शामिल केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव व अन्य।

बदलाव से 48 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय प्रभाव

राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि जीएसटी दरों में बदलाव से पड़ने वाला वित्तीय प्रभाव करीब 48,000 करोड़ रुपये का होगा लेकिन राजकोषीय नजरिये से इसका कोई खास असर नहीं होगा। जीएसटी परिषद के इस फैसले से कुल प्रीमियम में कमी आएगी क्योंकि कर अब काफी कम हो गया है। कर व्यवस्था को सरल बनाने का यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका को भारत के निर्यात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया जा रहा है। यह किसी देश पर लगाया गया सबसे ज्यादा शुल्क है।

आम जनता का जीवन होगा आसान, अर्थव्यवस्था मजबूत होगी : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों के पुनर्गठन और प्रणाली में सुधार के लिए जीएसटी परिषद के बुधवार के फैसले पर प्रसन्नता जाहिर की है और कहा है कि इससे आम आदमी का जीवन आसान होगा और अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा। जीएसटी की चार मुख्य दरों को दो स्लैबों में सीमित करने और अन्य निर्णय के बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद के निर्णय की घोषणा के बाद मोदी ने एक बयान में कहा कि अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान मैंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने के हमारे इरादे के बारे में बात की थी। प्रधानमंत्री ने कहा किकेंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था, जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मज़बूत करना है। मोदी ने कहा कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद ने सामूहिक रूप से केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में कटौती और सुधारों पर प्रस्तुत प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की है, जिससे आम आदमी, किसानों, एमएसएमई, मध्यम वर्ग, महिलाओं और युवाओं को लाभ होगा।

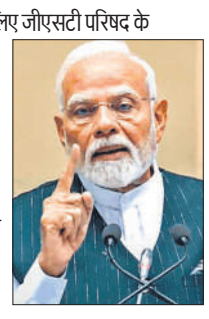

अर्थव्यवस्था में 0.5 % तक की वृद्धि संभव

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि जीएसटी सुधारों से इसके कार्यान्वयन के दूसरे वर्ष तक अर्थव्यवस्था में 0.5 प्रतिशत तक की अतिरिक्त वृद्धि होने की संभावना है। इससे अमेरिकी शुल्क का पूरा प्रभाव बेअसर हो जाएगा। सीतारमण ने कहा कि राज्यों को राजस्व हानि की भरपाई को लिए गए ऋणों का पूरा भुगतान होने तक तंबाकू, गुटखा, तंबाकू उत्पादों और सिगरेट पर वर्तमान 28 प्रतिशत कर और क्षतिपूर्ति उपकर लागू रहेगा। रेस क्लब, पट्टा या किराये की सेवाओं, और कैसीनो/जुआ/घुड़दौड़/लॉटरी/ऑनलाइन मनी गेमिंग पर भी 40 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। माल ढुलाई के तृतीय-पक्ष बीमा की सेवा की आपूर्ति पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ अब 12 प्रतिशत के बजाय पांच प्रतिशत कर लगेगा।

अब किस पर कितना कर

शून्य कर स्लैब में ये वस्तुएं होंगी

- सभी व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसियां, चाहे वे टर्म लाइफ, यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसियां हों और उनके पुनर्बीमा। ● सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों (फैमिली फ्लोटर पॉलिसियों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पॉलिसियों सहित) और उनके पुनर्बीमा। ● अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, पहले से पैक और लेबल लगे छेना या पनीर पर जीएसटी 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया है। ● सभी भारतीय रोटियों (चपाती, पराठा, रोटी आदि) पर जीएसटी दर शून्य होगी। ● तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया। कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक रोगों के उपचार में प्रयुक्त तीन जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों पर जीएसटी 5 प्रतिशत से घटाकर शून्य कर दिया गया।

पांच प्रतिशत कर स्लैब

- शून्य कर स्लैब में शामिल दवाओं को छोड़कर अन्य सभी दवाएं
- हेयर ऑयल, साबुन, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर और अन्य घरेलू सामान
- पैकेज्ड नमकीन, भुजिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी
- कृषि वस्तुओं, जैसे ट्रैक्टर, मिट्टी तैयार करने या खेती के लिए कृषि, बागवानी या वानिकी मशीनरी, कटाई या थ्रेसिंग मशीनरी
- चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, दंत चिकित्सा या पशु चिकित्सा या भौतिक या रासायनिक विश्लेषण के लिए उपयोग किये जाने वाले विभिन्न चिकित्सा उपकरण।
- विभिन्न चिकित्सा उपकरणों और आपूर्ति उपकरणों जैसे कि वैंडिंग गॉज, पट्टियां, डायग्नोस्टिक किट और अभिकर्मक, रक्त शर्करा निगरानी प्रणाली (ग्लूकोमीटर), चिकित्सा उपकरण
- मानव निर्मित रेशे और मानव निर्मित धागे।
- हस्तशिल्प, संगमरमर और ट्रैवर्टीन ब्लॉक, ग्रेनाइट ब्लॉक और मध्यवर्ती चमड़े के सामान
- उर्वरक क्षेत्र में सल्फ्यूरिक अम्ल, नाइट्रिक अम्ल और अमोनिया।
- नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों और उनके निर्माण के पुर्जे
- प्रति इकाई 7,500 रुपये प्रतिदिन या उसके बराबर मूल्य वाली होटल आवास सेवा
- आम आदमी द्वारा उपयोग की जाने वाली सौंदर्य और शारीरिक स्वास्थ्य सेवाओं जैसे जिम, सैलून, नाई, योग केंद्र आदि

18 प्रतिशत कर स्लैब में निम्न वस्तुएं होंगी

- एयर कंडीशनिंग मशीन, 32 इंच के टीवी एवं एलईडी, डिशवॉशिंग मशीन ● सीमेंट पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है। ● छोटी कारों और 350 सीसी या उससे कम क्षमता वाली बाइक ● बसों, ट्रकों, एम्बुलेंस ● तिपहिया वाहन ● सभी ऑटो पार्ट्स पर 18 प्रतिशत की एक समान दर

40 प्रतिशत जीएसटी स्लैब

- एडेड शुगर या दूसरे स्वीटनर या फ्लेवर मिश्रित उत्पाद।
- कैफीनेटेड पेय। ● सिगार, तंबाकू, सिगरेट, बीड़ी तथा दूसरे तंबाकू उत्पाद। ● व्यक्तिगत इस्तेमाल की विमान सेवा। ● 350 सीसी से अधिक के दुपहिया वाहन।
- 1,200 सीसी से अधिक की पेट्रोल कारें और 1,500 सीसी से कम की डीजल कारें।

ब्रीफ न्यूज

कविता ने पार्टी और एमएलसी पद छोड़ा

हैदराबाद। तेलंगाना में एक नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम में बुधवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता ने पार्टी और विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। सुश्री कविता ने यहां तेलंगाना जागृति कार्यालय में कहा कि उन्होंने बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव द्वारा पार्टी से निलंबन के बाद अपने आत्मसम्मान की रक्षा और अपनी ईमानदारी साबित करने के लिए यह फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर दो 'गिरोह' उनके खिलाफ दुष्प्रचार कर रहे हैं और इसमें वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सिंचाई मंत्री टी हरीश राव तथा पूर्व सांसद संतोष राव का हाथ है, जो बीआरएस पर नियंत्रण करने की साजिश रच रहे हैं।

केरल में देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने बुजुर्गों के अधिकारों की रक्षा और उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार जैसे मुद्दों के समाधान के लिए देश का पहला वरिष्ठ नागरिक आयोग बनाया है। राज्य की उच्च शिक्षा एवं सामाजिक न्याय मंत्री आर. बिंदु ने बुधवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा कि के. सोमप्रसाद को तिरुवनंतपुरम स्थित केरल राज्य वरिष्ठ नागरिक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अमरविला रामकृष्णन, ई एम राधा, के एन के नंबूथिरी और लोप्स मैथ्यू को आयोग का सदस्य बनाया गया है।

विजन डॉक्यूमेंट : हर परिवार से फीडबैक लेगी राज्य सरकार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सार्वजनिक स्थल, स्कूल-कॉलेजों में लगेंगे क्यूआर कोड
- लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी ने जारी किया क्यूआर कोड

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश को 2047 तक विकसित राज्य बनाने के 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047' अभियान के तहत अब आम नागरिक सीधे अपनी राय सरकार तक पहुंचा सकेंगे। उपयोगी और सार्थक सुझावों का विषय विशेषज्ञ और नीति आयोग द्वारा चयन किया जाएगा।

चयनित सुझावों को जिलों और प्रदेश स्तर पर सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य जनता के सुझावों को नीति निर्माण में शामिल कर वास्तविक विकास को सुनिश्चित करना है। एक माह तक चलने वाले इस महाभियान के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राजधानी लखनऊ स्थित लोक भवन में विशेष क्यूआर कोड और ऑनलाइन समर्थ उत्तर प्रदेश पोर्टल का उद्घाटन किया। इनके जरिए सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सुझाव देने की प्रक्रिया को आसान और सुलभ बनाने के लिए सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों और कॉलेजों में क्यूआर कोड लगाए जाएंगे। नागरिक इन क्यूआर कोड को स्कैन करके अपने सुझाव सीधे पोर्टल पर दर्ज कर सकेंगे। कार्यक्रम में 400 से अधिक प्रबुद्धजन शामिल हुए, जिन्होंने अभियान की कार्ययोजना पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल प्रशासनिक प्रयास नहीं, बल्कि जनता की भागीदारी से प्रदेश को समृद्ध और विकसित बनाने का एक बड़ा कदम है। समर्थ उत्तर प्रदेश पोर्टल (https://samarthuttarpradesh.up.gov.in) पर प्रदेशवासी अपने सुझाव दे सकते हैं। जो 12 प्रमुख सेक्टरों- कृषि, पशुधन संरक्षण, औद्योगिक विकास, आईटी-टेक्नोलॉजी, पर्यटन, नगर व ग्राम्य विकास, आधारभूत संरचना, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा व सुशासन- पर केंद्रित विजन डॉक्यूमेंट का हिस्सा बनेंगे। विजन डॉक्यूमेंट अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति थीम पर आधारित है।

श्री राम स्वरूप मेमोरियल विवि पर रिपोर्ट दर्ज

- अपर सचिव ने शहर कोतवाली में दर्ज करायी रिपोर्ट

अमृत विचार, लखनऊ : बाराबंकी स्थित श्री राम स्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय के खिलाफ बुधवार देर रात शहर कोतवाली में जाली दस्तावेज के आधार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

मामले में उच्च शिक्षा परिषद के अपर सचिव डा. दिनेश कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय ने सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन प्राप्त किए बिना शैक्षणिक सत्र 2023-24 और 2024-25 के दौरान अपने विधि कार्यक्रम में छात्रों को दाखिला लेकर परीक्षाएं भी आयोजित करायी। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु विधि पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राओं का पंजीकरण वर्तमान में किया जाना छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। अयोध्या संभागीय आयुक्त की जांच रिपोर्ट के बाद पुलिस ने तहरीर के आधार पर कार्रवाई की है।

डीप टेक का प्रमुख केंद्र बनेगा यूपी : मुख्यमंत्री

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- समन्वय से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में बोले योगी

अमृत विचार : आईआईटी कानपुर में बुधवार को समन्वय से उद्योग-अकादमिक जुड़ाव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश को 'भारत डीप टेक 2025' का केंद्र बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

प्रदेश को डीपटेक के क्षेत्र में अगुवा बनाने का संकल्प जताते हुए डीप टेक पर एक प्रभावशाली समिट आयोजित करने पर जोर दिया जिससे रिसर्च और नवाचार को नई दिशा मिल सके। कहा कि आईआईटी कानपुर में डीप टेक इनोवेशन का केंद्र बनना चाहिए। मुख्यमंत्री ने तकनीक पर संस्थानों को अधिक जोर देने की बात कही। कहा कि आईआईटी कानपुर को डीप टेक इनोवेशन का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और युवाओं को वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने पर जोर दिया जाएगा, ताकि उत्तर प्रदेश आने वाले समय में तकनीकी क्रांति का अग्रदूत बन सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम लोग भारत का पहला 'डीप टेक भारत 2025' बनने की ओर आगे बढ़ें, इसके लिए एक अच्छा शिखर सम्मेलन (समिट) होना चाहिए।

राष्ट्रपति संदर्भ

सुप्रीम कोर्ट में राज्यों की ओर से पेश की गई दलील- संप्रभुता की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते गवर्नर

विधेयकों पर राज्यपालों की मनमर्जी नहीं चल सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल सरकार ने बुधवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि विधेयक के रूप में जनता की आकांक्षाओं को राज्यपालों और राष्ट्रपति की मनमर्जी और इच्छाओं के अधीन नहीं किया जा सकता, क्योंकि कार्यपालिका को विधायी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से रोका गया है।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित राज्य सरकार ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ से कहा कि राज्यपाल संप्रभु की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पारित विधेयक की विधायी क्षमता की जांच करने के लिए आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जो न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बारे में राष्ट्रपति संदर्भ पर सातवें दिन सुनवाई हुई कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर राज्यपालों और राष्ट्रपति के विचार करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

अनुच्छेद 200 कानूनों को अवरुद्ध करने का विवेकाधिकार नहीं देता

सिब्बल ने अनुच्छेद 200 में जितनी जल्दी हो सके वाक्यांश पर जोर देते हुए कहा कि राज्यपालों और राष्ट्रपति को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। कहा कि अनुच्छेद 200 राज्यपालों को कानूनों को अवरुद्ध करने का कोई व्यक्तिगत विवेकाधिकार नहीं देता है। वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यन ने भी कांग्रेस शासित कर्नाटक की ओर से इस संदर्भ के खिलाफ दलील दी। हिमाचल प्रदेश की ओर से अधिवक्ता आनंद शर्मा पेश हुए और उन्होंने 'प्रेसीडेंशियल रेफरेंस' का विरोध किया। सुनवाई नौ सितंबर को फिर से शुरू होगी।

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि जनता की आकांक्षा कार्यपालिका (राज्यपाल और राष्ट्रपति) की मनमर्जी और इच्छाओं के अधीन नहीं हो सकती। कार्यपालिका को कानून बनाने की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने से प्रतिबंधित किया गया है। संप्रभु की इच्छा सर्वोच्च है। पीठ ने पूछा कि क्या आपका यह कहना है कि विधेयकों को मंजूरी देनी होगी, भले ही वे विधायी क्षेत्राधिकार के अनुरूप न हों और उनकी वैधता का परीक्षण अदालतों में किया जा सकता है? सिब्बल ने कहा कि कार्यपालिका संप्रभु की इच्छा में बाधा नहीं बन सकती और किसी कानून की संवैधानिकता का परीक्षण न्यायालय द्वारा किया जाना चाहिए, न कि कार्यपालिका द्वारा। उन्होंने कहा कि राज्यपालों को विधेयकों पर तत्काल निर्णय लेना होगा, न कि तीन या छह महीने की अवधि में। सिब्बल ने कहा कि किसी कानून को नागरिकों या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अदालत में चुनौती दी जा सकती है। यह दुर्लभ से दुर्लभतम मामला है कि राज्यपाल यह कहें कि मैं विधेयकों को मंजूरी नहीं दे सकता और इसे रोक सकता हूं।

यमुना उफान पर, जिलों में बिगड़ रहे हालात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लोगों को सुरक्षित निकलने की दी गई चेतावनी

अमृत विचार : यमुना नदी उफान पर है, ऐसे में आसपास के जिलों के हालात बिगड़ रहे हैं। बाढ़ क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित निकलने की चेतावनी जारी की गई है। यमुना समेत अन्य नदियों की बाढ़ से प्रदेश के तमाम जिलों के सैकड़ों गांव जलमग्न हैं। इस बीच राज्य में बीते तीन दिनों से मानसूनी बारिश का दायरा सिमटने के बाद अगले चार-पांच दिनों के लिए उमस भरी गर्मी का दौर फिर शुरू होना संभव है।

दरअसल, बीते दिनों भारी बारिश के कारण यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया है। निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है। यमुना नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण आसपास के इलाकों के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है। ऐसे इलाकों में एनडीआरएफ की टीम तैनात है। निचले इलाकों के घरों से लोगों को निकाल लिया गया है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि गुरुवार को उप्र. के दक्षिणी जिलों में हल्की बारिश की स्थितियां बन सकती हैं। गुरुवार के लिए प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश की चेतावनी नहीं है।

किसानों को समय से मिले बीमा का लाभ

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने बाढ़ प्रभावित किसानों को समय से बीमा का लाभ देने और 25 अक्टूबर तक रबी फसलों के बीज उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। बुधवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कृषि निदेशालय में बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों की भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा की। यहां कृषि मंत्री ने कहा कि रबी फसलों (गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी आदि) के सभी बीज 25 अक्तूबर तक सभी राजकीय बीज भंडारों पर उपलब्ध करा दिये जाएं। सभी अनुदानित बीजों का वितरण बुआई से पूर्व 25 नवंबर तक अनिवार्य रूप से पूरा कर लिया जाए।

माननीयों की 'रुचि' में फंसीं मोटराइज्ड साइकिलें

2 अक्टूबर को दिव्यांगों में वितरण की तैयारी, बिना सहयोग के 27 जिलों में नहीं पड़ी बिड

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : माननीयों के सहयोग से दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग 2 अक्टूबर को सभी जिलों में भव्य कार्यक्रम करके दिव्यांगों को मोटराइज्ड साइकिलें बांटने की तैयारी में लगा है। लेकिन, ज्यादातर सांसदों और विधायकों ने अपनी निधि से 20 हजार रुपये देने में रुचि नहीं दिखाई है। इन्हीं कारणों से 2 सितंबर तक 27 जिलों में खरीद करने के लिए बिड नहीं पड़ पाई और सम्बंधित अधिकारी माननीयों के चक्कर लगा रहे हैं।

दरअसल, एक मोटराइज्ड साइकिल की कीमत 45 हजार रुपये है। नई व्यवस्था के तहत खरीद में सांसद या विधायक अपनी निधि से 20 हजार रुपये देकर सहयोग करेंगे। शेष 25 हजार रुपये विभाग खर्च करके साइकिलें खरीदेगा। हर जिले में 10-10 मोटराइज्ड साइकिलें बांटने का लक्ष्य है। लेकिन, माननीयों में रुचि नहीं है। इनके अलावा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड से भी सहयोग लिया जा सकता है, पर यह भी आसान नहीं है। इसके अलावा 20 हजार रुपये लाभार्थी स्वयं भी मिला सकते हैं, पर वे सक्षम नहीं हैं।

अयोध्या, जालौन, कानपुर नगर समेत 33 जिले तैयार

कई सांसद और विधायक मदद के लिए आगे बढ़े हैं। इनकी स्वीकृति से जालौन, अयोध्या, कुशीनगर, कानपुर नगर व बागपत ने बिड पूर्ण कर ली है। इसके अलावा माननीयों की स्वीकृति पर बरेली, बाराबंकी, भदोही, एटा, आगरा, अंबेडकरनगर, अमरोहा, बलरामपुर, मैनपुरी, मेरठ, प्रयागराज, सहारनपुर, शामली, श्रवास्ती, इटावा, गाजीपुर, हापुड़, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कानपुर देहात, सीतापुर, सोनभद्र, उन्नाव, रामपुर, संभल, गाजियाबाद ने बिड डाल दी।

15 जिलों ने निधि लेने के बाद नहीं डाली बिड

2 सितंबर को निदेशालय ने समीक्षा की तो पता चला लखनऊ, वाराणसी, मऊ, रायबरेली, ललितपुर, आजमगढ़, बलिया, बिजनौर, चंदौली, देवरिया, फिरोजाबाद, गौतमबुद्ध नगर, हाथरस, शाजहांपुर, सिद्धार्थनगर में माननीय से निधि (अतिरिक्त धनराशि) लेने के बाद 2 सितंबर तक मोटराइज्ड साइकिलें खरीदने के लिए बिड नहीं डाली गई।

> मोटराइज्ड साइकिलें मार्च तक वितरण करनी हैं। लेकिन, 2 अक्टूबर को बांटने की तैयारी कर रहे हैं। ज्यादातर जिलों ने बिड की प्रक्रिया कर ली है। किसी तरह की समस्या नहीं है। अभी एक माह का समय बाकी है।
>
> -अमित राय, उपनिदेशक, दिव्यांगजन सशक्तीकरण निदेशालय, लखनऊ

न्यूज ब्रीफ

रामपुर में मुक्त कराई 6 करोड़ की जमीन

अमृत विचार, लखनऊ : आवास विकास ने रामपुर में 6 करोड़ मूल्य की लगभग 1390 वर्गमीटर जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई है। इस भूमि पर 40 वर्षों से लोगों ने कब्जा किया था। यह भूमि खसरा संख्या-71 शादीनगर हरदोपट्टी, तहसील सदर रामपुर की आवास विकास परिषद की है।

पंचायत चुनाव को लेकर रालोद ने बनाई रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : पंचायत चुनाव को लेकर रालोद गांव-गांव, बूथ-बूथ तक संगठन को सक्रिय करेगा। यह बात बुधवार को रालोद के प्रदेश कार्यालय में पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में पंचायत चुनाव संचालन समिति के संयोजक एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ.कुलदीप उज्जवल ने कही। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर जिले में पांच सदस्यीय कमेटी गठित होंगी। राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने बताया कि बाढ़ को देखते हुए रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने रालोद के सभी सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य से अपना एक माह का वेतन बाढ़ राहत के लिए देने के निर्देश दिए हैं।

रिक्त होने वाले पदों के लिए भेजें अधियाचन

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार के विभागों में अगले एक साल में (30 जून 2026 तक) रिक्त होने वाले पदों पर भर्ती के लिए 15 सितंबर तक उप्र. लोक सेवा आयोग, प्रयागराज को अधियाचन भेजे जाएंगे। यह निर्देश बुधवार को प्रमुख सचिव कार्मिक एम देवराज ने, सभी विभाग अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव व सचिवों को दिए हैं। साथ ही स्पष्ट किया है कि समयान्तर्गत अनुपालन न होने की दशा में संबन्धित जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध, उनके नियंत्रक अधिकारी स्तर पर कार्रवाई की जाए।

ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : स्थानीय कौशल विकास मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में प्रशिक्षण प्रदाताओं के लिए ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में कौशल विकास कार्यक्रमों के सुचारू, पारदर्शी और प्रभावी क्रियान्वयन के मद्देनजर प्रशिक्षण प्रदाताओं को मार्गदर्शन और आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान करना था।

देश व प्रदेश का भविष्य हमें तय करना है : योगी

मुख्यमंत्री ने कहा- हमें अपने युवाओं को तैयार करना है, हम जिस मनोदशा में जिएंगे, उसी दिशा में बढ़ेंगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी, मंच पर उपस्थित अन्य कैबिनेट मंत्री।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता का आह्वान करते हुए कहा कि भारत और यूपी का भविष्य कैसा हो, यह हमें तय करना है। हमें अपने युवाओं को तैयार करना है, क्योंकि हम जिस मनोदशा में जिएंगे, उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। हमें कैसा भारत और उत्तर प्रदेश चाहिए, यह हमारे विजन में होना चाहिए। योगी लोकभवन सभागार में बुधवार को समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 अभियान के शुरुआत के अवसर पर कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

योगी ने यहां बजुर्गों को उत्साहित करते हुए कहा कि रिटायर्ड होने का मतलब टायर्ड होना नहीं है। आपका अनुभव इस अभियान को गति देगा। यह अभियान शताब्दी संकल्प अभियान के क्रम में है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार निरंतर प्रयत्नशील है और इसमें 25 करोड़ जनता को भागीदार बनाना है। आप सभी प्रबुद्धजनों का सहयोग युवाओं को जागरूक करने और आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सूर्य प्रताप शाही, प्रभारी मुख्य सचिव दीपक कुमार, प्रमुख सचिव आलोक कुमार, संजय प्रसाद समेत अधिक संख्या में प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

धिक्कारा तो मुरझा गया

मुख्यमंत्री ने प्रख्यात वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का जिक्र करते हुए कहा कि जैसी मनोदशा होगी, वैसा विकास होगा। बसु ने दो पौधों पर प्रयोग किया, एक को प्रेरित किया तो वह बड़ा वृक्ष बना, जबकि दूसरे को धिक्कारा, तो वह मुरझा गया। उन्होंने कहा कि यह जीव मात्र पर लागू होता है। मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। यूपी और भारत की स्थिति भी यही थी। नकारात्मकता से निराशा बढ़ी, लेकिन अब उत्साह का माहौल है।

यूपी बना देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

उत्तर प्रदेश के संदर्भ में योगी ने कहा कि 1947 और 1960 तक यूपी का राष्ट्रीय जीडीपी में योगदान 14 प्रतिशत था, लेकिन 2016-17 तक यह 8 प्रतिशत हो गया और यूपी आठवीं अर्थव्यवस्था बन गया। बीते आठ वर्षों में हमने निराशा को उत्साह में बदला। आज उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, यूपी के पास सब कुछ है, बस संकल्प की जरूरत है।

वो खाली डिब्बा

एक भावुक किस्सा साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बिहार चुनाव के दौरान एक गरीब व्यक्ति ने खाली डिब्बा दिखाकर उन्हें धन्यवाद दिया, जो कोविड के समय में यूपी में मिले भोजन का था। उन्होंने कहा कि यह सेवा का भाव है, जो लोगों के मन में विश्वास जगाता है।

200 से ज्यादा कंपनियों से निवेश कराने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चीन 1 स्ट्रैटेजी के तहत विदेशी निवेशकों से की जा रही बात

अमृत विचार : राज्य सरकार ने उत्तर प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत की है। सरकार का फोकस विदेश से पूंजी लाना और राज्य को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करना है। इसके लिए योगी सरकार चीन 1 स्ट्रैटेजी पर काम कर रही है और अब तक करीब 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से बातचीत की जा चुकी है। चीन 1 लीड्स को वास्तविक निवेश में बदलने के लिए राज्य सरकार विदेशों में भारत की एंबेसीज और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर प्रयास कर रही है।

चीन 1 लीड्स के तहत जिन देशों पर सबसे ज्यादा फोकस है, उनमें अमेरिका, जापान, चीन, फ्रांस, डेनमार्क की कंपनियां शामिल हैं। इनमें अमेरिका से 30 से ज्यादा, जर्मनी से 30 के करीब, जापान से 20, चीन से 14, स्विट्जरलैंड और फ्रांस से 7-7, डेनमार्क से 6 और स्पेन से 5 कंपनियां शामिल हैं। इन देशों की कंपनियां भी उत्तर प्रदेश में निवेश की इच्छुक हैं। उनकी इच्छा को धरातल पर उतारने के लिए यूपी सरकार विशेष टीम और कंट्री-स्पेसिफिक डेस्क बनाने पर भी विचार कर रही है।

एक ग्लोबल बिजनेस स्ट्रैटेजी है चीन 1

चीन 1 स्ट्रैटेजी एक ग्लोबल बिज़नेस स्ट्रैटेजी है, जिसे दुनिया भर की मल्टीनेशनल कंपनियां अपनाती हैं और अब प्रदेश सरकार भी इस पर आगे बढ़ रही है। इसका उद्देश्य यह है कि कंपनियां अपना मैन्युफैक्चरिंग और सप्लाई चेन सिर्फ चीन पर निर्भर न रखकर, एक या अधिक अतिरिक्त देशों में भी सेटअप करती हैं।

नायब तहसीलदार ने गोली मारकर की खुदकुशी

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

अमृत विचार: नायब तहसीलदार ने सरकारी आवास में लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बागपत जिले के बड़ौत के गांव कुरड़ी नांगल निवासी राजकुमार चौधरी (42) बिजनौर सदर तहसील में नायब तहसीलदार थे। वह आफिसर कालोनी में पत्नी, दो बेटियों और मां-पिता के साथ रह रहे थे। वह मंगलवार को आधिकारिक कार्य से इलाहाबाद हाईकोर्ट गए थे और बुधवार सुबह लौटे थे। सुबह करीब साढ़े 10 बजे वह कमरे में थे। गोली की आवाज सुनकर परिजन दौड़े, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। 15 से 20 मिनट तक कोई जवाब नहीं मिला तो अधिकारियों की मौजूदगी में दरवाजा तोड़ा गया। खून से लथपथ राजकुमार को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां उनकी मौत हो गई। जानकारी मिलते ही डीएम जसजीत कौर, एसपी समेत कई अधिकारी पहुंचे। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने रिवाल्वर सील कर दिया है।

अयोध्या के दीपोत्सव में 1,000 से अधिक ड्रोन होंगे आकर्षण का केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : इस वर्ष भी अयोध्या में दीपावली के अवसर पर 'दीपोत्सव 2025' का आयोजन होगा। इस बार दीपोत्सव में एरियल ड्रोन शो शामिल किया गया है, एक हजार से अधिक रंग-बिरंगे ड्रोन एक साथ उड़ान भरकर भक्ति, अध्यात्म और आधुनिकता का मनोरम झलक सरयू घाट पर प्रस्तुत करेंगे। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ड्रोन शो दीपोत्सव की आध्यात्मिक भव्यता को और भी आकर्षक बनाएगा। पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि अयोध्या में 19 अक्टूबर 2025 को भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया जाएगा। पूरी अयोध्या को रोशनी से सजाया जाएगा।

प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद ही मिलेगी 1288 स्टाफ नर्सेस को तैनाती

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- एमबीबीएस दाखिले में फर्जी प्रमाणपत्रों के खुलासे के बाद विभाग हुआ सतर्क
- लोकसेवा आयोग परीक्षा में चयनित 1307 में मात्र 19 स्टाफ नर्स को ही तुरंत मिलेगी तैनाती

अमृत विचार : एमबीबीएस दाखिले में प्रमाणपत्रों में फर्जीवाड़े के खुलासे के बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग सतर्क हो गया है। फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। जालसाजों से बचने के लिए चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक (डीजीएमई) ने लोकसेवा आयोग द्वारा नवचयनित 1307 में 1288 स्टाफ नर्सेस के प्रमाण-पत्रों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रमाण पत्रों के सत्यापन के बाद ही नियुक्त पत्र (तैनाती) दिया जाएगा।

डीजीएमई किंजल सिंह ने बुधवार को विभागीय वेबसाइट पर दी गई सूचना के संबन्ध में बताया कि उप्र. लोक सेवा अयोग, प्रयागराज द्वारा 1162 महिला स्टाफ नर्स और 145 पुरुष स्टाफ नर्स यानी कुल 1307 अभ्यर्थी चयनित हुए हैं। इनमें 18 महिला स्टाफ नर्स और एक पुरुष स्टाफ नर्स यानी कुल 19 अभ्यर्थियों के चयन की संस्तुति आयोग ने दी है। इन्हें तैनाती मिल जाएगी, जबकि अन्य के लिए आयोग ने लिखा है कि अभ्यर्थियों के मूल प्रमाण पत्रों का सत्यापन, संबन्धित संस्थाओं से नहीं कराया गया है, इसलिए प्रमाण पत्रों का सत्यापन संबन्धित संस्थाओं से कराने के बाद ही नियुक्ति संबन्धी कार्रवाई की जाए। किंजल सिंह ने बताया कि नवचयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक, जाति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र आदि का सत्यापन, निर्गतकर्ता संस्थाओं से कराया जाएगा, सत्यापन के बाद ही नियुक्ति पत्र निर्गत किए जाएंगे।

पॉलिटेक्निक : 7वें चरण की काउंसिलिंग आज से

अमृत विचार, लखनऊ : पॉलिटेक्निक-2025 के अभ्यर्थियों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद सातवें चरण की विशेष काउन्सिलिंग आयोजित करने की जा रही है। यह अवसर उन अभ्यर्थियों को दिया जा रहा है, जो 27 जून से 2 सितम्बर तक आयोजित मुख्य एवं विशेष काउन्सिलिंग में सम्मिलित नहीं हो पाए थे। अथवा जिन्हें पूर्व के छह चरणों में सीट आवंटित नहीं हो सकी थी। इसके अतिरिक्त, छठवें चरण की विशेष काउन्सिलिंग में निर्धारित तिथियों पर अभिलेख सत्यापन न करा पाने वाले अभ्यर्थी भी इस चरण में सम्मिलित हो सकेंगे। सातवें चरण की विशेष काउन्सिलिंग का कार्यक्रम 4 सितम्बर से 14 सितम्बर तक निर्धारित किया गया है। इस अवधि में ऑनलाइन विकल्प भर सकेंगे। सीट आवंटन की प्रक्रिया 9 सितम्बर को पूरी की जाएगी।

जीएसटी सहायक आयुक्त रिश्वत लेते गिरफ्तार

अमृत विचार, बरेली/रामपुर : स्क्रैप कारोबारी की शिकायत पर सतर्कता अधिष्ठान (विजिलेंस) बरेली की टीम ने बुधवार को रामपुर स्थित राज्य कर विभाग कार्यालय से जीएसटी सहायक आयुक्त सतीश कुमार को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है।

रिपोर्ट दर्ज कर विजिलेंस आरोपी को बरेली लाकर पूछताछ कर रही है। रामपुर जिले के भोट थाना क्षेत्र निवासी आले नवी ने पत्नी नाजिमा के नाम से स्क्रैप का काम करने के लिए फर्म बनाई थी। जीएसटी पंजीकरण के लिए उसने राज्य कर के सहायक आयुक्त सतीश कुमार से संपर्क किया तो 25 हजार रुपये रिश्वत मांगे। कई दिन बाद पीड़ित रुपये देने पर तैयार हुआ। उसने बरेली में विजिलेंस से शिकायत भी कर दी। विजिलेंस टीम बुधवार दोपहर रामपुर पहुंची। व्यापारी ने जैसे ही सहायक आयुक्त को 15 हजार रुपये दिए, टीम ने उसे दबोच लिया।

परीक्षार्थियों के लिए बस अड्डों पर होगी हेल्प डेस्क

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षा विभाग में नौकरी के लिए आगामी 6 एवं 7 सितम्बर, 2025 को आयोजित होने वाली प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा (पीईटी-2025) में अभ्यर्थियों को आवागमन में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए परिवहन राज्यमंत्री दयाशंकर के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 5 से 7 सितंबर तक पुख्ता इंतजाम कर लिए हैं। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए हर बस अड्डे पर हेल्प डेस्क होगी, साथ ही महिला अभ्यर्थियों के लिए 'दामिनी हेल्प लाइन' का फ्री नंबर 8114277777 भी जारी रहेगा, जिस पर 24 घंटे अभ्यर्थियों की सुनवाई होगी, इसके लिए राजधानी में सप्रुमार्ग स्थित परिवहन कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा।

परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों को समुचित परिवहन बस सेवा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

नवचयनित अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री सौंपेंगे नियुक्ति पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : स्वास्थ्य विभाग में नवचयनित एक्स-रे टेक्नीशियन एवं कनिष्ठ लिपिकों को नियुक्तिपत्र मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 6 सितंबर 2025 शनिवार को सौपेंगे। प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने बताया कि लोकभवन में 6 सितंबर सुबह 11 बजे, मुख्यमंत्री द्वारा नवचयनित स्थानीय अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किया जाएगा, शेष अभ्यर्थियों को संबन्धित जिले में जनप्रतिनिधियों द्वारा नियुक्ति-पत्र प्रदान किए जाएंगे।

आयोजन | मुख्यमंत्री योगी ने सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यशाला में भाजपा कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

देश का पैसा बाहर जाएगा तो आतंकवाद में होगा प्रयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में कार्यशाला के दौरान मुख्यमंत्री योगी, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व अन्य।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यशाला को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने एक तरफ पार्टी कार्यकर्ताओं की हौसलाअफजाई की, तो उनका मार्गदर्शन भी किया। मुख्यमंत्री ने सेवा पखवाड़ा अभियान (17 सितंबर से दो अक्टूबर) के तहत होने वाले कार्यक्रमों की चर्चा करते हुए अपील की कि दो अक्टूबर को विजयादशमी भी है। यह सभी कार्यक्रम भी अच्छे से हों और पर्व-त्योहार भी आसानी से मनाए जाएं।

योगी ने सेवा पखवाड़े के आयोजन और उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने वोकल फॉर लोकल को हस्तशिल्पियों का सम्मान बताया। कहा कि इसने यूपी के एक्सपोर्ट को कई गुना बढ़ाया है। यह आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। सीएम ने सभी से इसे बढ़ावा देने की अपील की और कहा कि देश का पैसा यहां के कारीगरों को ही मिले, बाहर जाएगा तो भारत के खिलाफ आतंकवाद में प्रयोग होगा।

मुख्यमंत्री ने स्वच्छता कार्यक्रम का जिक्र करते हुए इसे जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर की टीम मलिन बस्तियों में होने वाले कार्यक्रमों का हिस्सा बने।

मेहनत करेंगे तो बीमारियों से लड़ने का रखेंगे सामर्थ्य

मुख्यमंत्री योगी ने भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या से मुखातिब होते हुए कहा कि यूपी में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की लंबी फौज है। हर अभियान में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता जीजान से लगे रहते हैं। योगी ने रक्तदान शिविर को लेकर भाजयुमो कार्यकर्ताओं की हौसला अफजाई की। उन्होंने युवा कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि जितनी मेहनत करेंगे, बीमारियों से उतना ही लड़ने का सामर्थ्य रखेंगे। योगी ने कोविड के दौरान भारत के बेहतरीन प्रबंधन का जिक्र करते हुए कहा कि देश में जितनी मौतें हुईं, उसकी तुलना में सुपर पॉवर अमेरिका में चार गुना अधिक मौतें हुईं।

छात्रों को पिटवाकर मरहम लगाने का नाटक कर रही भाजपा

अमृत विचार : बराबंकी में रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी से एलएलबी कोर्स की मान्यता रद्द होने के विरोध में प्रदर्शन कर रहे एबीवीपी कार्यकर्ताओं और छात्रों पर पुलिस के लाठीचार्ज से सियासत तेज हो गई है। सपा प्रमुख अखिलेश ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को आपसी झगड़ों में पिटवाया जा रहा है और फिर दिखावटी माफी मांगकर मरहम लगाने का नाटक किया जा रहा है। सपा प्रमुख ने मांग की कि सरकार घायलों का इलाज करवाए और एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दे।

उपकरण प्रदेश में बनने से सस्ते होंगे मोबाइल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

> यूपी में कंपोनेंट तैयार होने से निवेश व रोजगार को बढ़ावा मिलेगा ही उत्पाद भी सस्ते होंगे। प्रमुख सचिव ने बताया कि देश में अगले 5 वर्षों में इस सेक्टर में 500 मिलियन डॉलर के निवेश का लक्ष्य रखा गया है, हमारी कोशिश यह है कि इसमें 50 प्रतिशत हिस्सेदारी उप्र. की हो।
>
> - अनुराग यादव, प्रमुख सचिव, आईटी

अमृत विचार : राज्य सरकार ने उप्र. में इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट की यूनिट लगाने के साथ भविष्य में मोबाइल और लैपटॉप सस्ते होने के भी संकेत दिए हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि तमाम इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का आयात न करने के कारण उत्पाद की लागत में कमी आएगी। निकट भविष्य में आई-फोन को भी होम-मेड करने की है योजना है।

दरअसल, पॉलिसी के तहत 11 प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस व उसके कंपोनेंट राज्य में ही तैयार किए जाएंगे। इसमें डिस्प्ले माड्यूल सब-असेंबली, कैमरा माड्यूल सब-असेंबली, मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, हाई-डेंसिटी इंटरकनेक्ट, फ्लेक्सिबल पीसीबी और लिथियम-आयन सेल्स जैसे नान-सरफेस माउंट डिवाइस (नान-एसएमडी), पैसिव कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रो-मैकेनिकल पार्ट्स और आईटी हार्डवेयर उत्पादों के एनक्लोजर शामिल हैं।

नेशनल ब्रीफ

गैंगस्टर अरुण गवली 17 साल बाद जेल से रिहा

मुंबई। गैंगस्टर अरुण गवली को 2007 के हत्या मामले में 17 साल से ज्यादा समय जेल में रहने के बाद उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने पर बुधवार को नागपुर जेल से रिहा कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। शीर्ष अदालत ने मुंबई में शिवसेना के पार्षद कमलाकर जामसांडेकर की हत्या के जुर्म में आजीवन कारावास की सजा काट रहे गवली (76) को जमानत दी है। 28 अगस्त को पारित आदेश में न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि गवली 17 साल से अधिक समय से जेल में है और अपील उसके समक्ष लंबित है।

सीईओ पर हमला, तीन भाजपा नेताओं पर केस

महू। मध्यप्रदेश के महू जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) पंकज दरोतिया की उनके कार्यालय में पिटाई के आरोप में बुधवार देर शाम भाजपा के तीन स्थानीय नेताओं और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना दोपहर में हुई और अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। महू पुलिस थाने के प्रभारी राहुल शर्मा ने बताया कि कालाकुंड के सरपंच शिव दुबे, जनपद पंचायत सदस्य उमेश ओसारी और स्थानीय दुकानदार और भाजपा नेता दीपक तिवारी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मतुआ समुदाय ने राहुल गांधी से मांगा समर्थन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मतुआ समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले हफ्ते बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और नागरिकता की अपनी अरसे से लंबित मांग के लिए पार्टी से समर्थन मांगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। चौधरी ने कहा कि बिहार में 'वोटर अधिकार यात्रा' का नेतृत्व कर रहे गांधी ने उनसे दिल्ली आने को कहा, जहां इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सकती है। मतुआ समुदाय हिंदुओं का एक कमजोर वर्ग है।

दिल्ली : यमुना की बाढ़ से घिरे इलाके से सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करते लोग।

जम्मू में लगातार बारिश की वजह से उफनाई तवी नदी घनी आबादी तक पहुंच गई है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने बाढ़ प्रभावित गांव मरार का दौरा किया।

पहाड़ों से मैदानों तक बारिश, बाढ़, भूस्खलन का कहर

लगातार भारी बारिश से पंजाब, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों में बढ़ा संकट, लोगों का जान बचाना मुश्किल

नई दिल्ली,एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी सहित देश के अन्य हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश और नदियों के आए उफान से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। एक ओर दिल्ली में यमुना खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं तो दूसरी ओर पहाड़ी क्षेत्रों में तेज बारिश से भूस्खलन से कई लोगों की जान चली गई है।

दिल्ली में पुराने रेलवे पुल पर बुधवार अपराह्न एक बजे यमुना नदी का जलस्तर 207 मीटर तक बढ़ने से निचले बाढ़ग्रस्त इलाकों से 7,500 से अधिक लोगों को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। लोगों को 25 स्थानों पर बने राहत शिविर में पहुंचाया गया। जलस्तर बढ़ने से, जिला प्रशासन निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहा है और ओआरबी को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अधिकारी ने बताया, हथिनीकुंड बैराज से 1.62 लाख क्यूसेक और वजीराबाद बैराज से 1.38 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से यमुना का जलस्तर बढ़ा है।

वहीं, दिल्ली के झारोदा कलां इलाके में मंगेशपुर नाले का 50 फुट किनारा टूटने के बाद जलमग्न हुए निचले इलाकों से कई लोगों को रातभर चले अभियान में सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। डीसीपी अंकित सिंह ने कहा, बचाव कार्य जारी है। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और दिल्ली सरकार के आपदा प्रबंधन दलों जैसी एजेंसियों के समन्वय से निकासी कार्य अब भी जारी है।

जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में बुधवार को एक और पुल का बड़ा हिस्सा अचानक आई बाढ़ में बह गया।

छत्तीसगढ़ में चार लोगों की मौत, तीन लापता

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में एक छोटे बांध का एक हिस्सा टूट जाने से अचानक आई बाढ़ से चार लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हो गए। बलरामपुर के जिलाधिकारी राजेंद्र कटारा ने बताया कि भारी बारिश के बाद धनेशपुर गांव में स्थित लुटी बांध में मंगलवार देर रात दरार आ गई। 1980 के दशक के प्रारंभ में निर्मित इस जलाशय में आई दरार के जरिये निकला पानी आसपास के घरों और खेतों में घुस गया। यहां अचानक बाढ़ आ गई। एक महिला और उसकी सास समेत चार लोगों की उस समय मौत हो गई जब वेअपने घरों में सो रहे थे। तीन लोग अब भी लापता हैं और तलाश अभियान जारी है।

हरियाणा : तीन लड़कियों समेत में 6 की जान गई

चंडीगढ़। राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश से नदियां उफान पर हैं। अलग-अलग हादसों में तीन लड़कियों समेत कम से कम छह लोग मारे गए। भिवानी जिले के कालिंगा गांव में घर की छत गिरने से 7 से 15 साल की तीन लड़कियों की मौत हो गई और उनके माता-पिता तथा एक छोटा भाई घायल हो गया, जब उनके घर की छत गिर गई। शाहबाद मर्कंडा की अमर विहार कॉलोनी में एक घर की छत ढहने से दो की मौत हो गई और तीन गंभीर घायल हो गए। यमुनानगर जिले के बांडी गांव में एक पुरुष की मौत हुई।

पंजाब: लगातार बारिश से और बिगड़े हालात, साढ़े तीन लाख लोगों तक मदद पहुंचाने की चुनौती

चंडीगढ़। पंजाब में एक बार फिर हुई भारी बारिश ने बाढ़ की स्थिति को और बदतर बना दिया है। राज्य 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। राज्य के सभी 23 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं और अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है। बचाव और राहत कार्य युद्ध स्तर पर जारी हैं और विभिन्न स्थानों से 3.50 लाख से अधिक लोग मदद की तलाश में हैं। भारी बारिश के बाद रूपनगर और पटियाला जिलों में अलर्ट जारी कर दिया गया है और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया गया है, जबकि सभी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय सात सितंबर तक के लिए बंद कर दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में भी बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही है। हिमालय से निकलने वाली सतलुज, व्यास और रावी नदियां तथा छोटी नदियां पहले से ही उफान पर हैं, जिससे शहर, गांव और कृषि भूमि जलमग्न हो गई है और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पंजाब में बारिश से बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है। सुबह छह बजे भाखड़ा बांध का जलस्तर 1,677.84 फुट था, जबकि इसकी अधिकतम क्षमता 1,680 फुट है। बांध में 86,822 क्यूसेक पानी का प्रवाह हुआ, जबकि 65,042 क्यूसेक पानी छोड़ा गया।

- **स्कूल-कॉलेज सात सितंबर तक बंद करने का आदेश**

दिल्ली के हालात : कई इलाकों में कमर से ऊपर पानी।

जम्मू-कश्मीर में बारिश से दो लोगों की मौत, सड़कें बंद

जम्मू/श्रीनगर। समूचे जम्मू कश्मीर में बुधवार को भारी बारिश से एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई, जबकि बाढ़ग्रस्त अखनूर के गांव में 40 लोग फंस गए। अनंतनाग जिले में पुलिस ने भारी बारिश से जलस्तर बढ़ने से एक पुल के नीचे फंसे 25 बंजारा परिवारों को बचाया। बारिश से नदियों, नालों और छोटी नदियों में जलस्तर बढ़ा है जो पहले से ही खतरे के निशान से ऊपर हैं, जबकि उधमपुर और बनिहाल के बीच कई जगह भूस्खलन होने से श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग सहित प्रमुख सड़कें दूसरे दिन भी बंद रहीं। घाटी और जम्मू क्षेत्र में शिक्षण संस्थान बंद रहे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला प्रशासन से बचाव कार्य तेज करने और संवेदनशील इलाकों से समय पर लोगों की निकासी के निर्देश दिए।

बाढ़ प्रभावित राज्यों के लिए राहुल ने की विशेष पैकेज की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया है कि बाढ़ प्रभावित पंजाब और प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे अन्य राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज जारी किए जाएं।

राहुल ने पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की स्थिति को लेकर चिंता जताई और कहा कि इनके लिए तत्काल राहत पैकेज तैयार करने की ज़रूरत है। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर वीडियो पोस्ट कर कहा, मोदी जी, पंजाब में बाढ़ ने भयंकर तबाही मचाई है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी स्थिति बेहद चिंताजनक है। हज़ारों परिवार अपने घर, जीवन और अपनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

शाहरुख समेत कई सितारों ने की पंजाब की मदद की अपील

नई दिल्ली। शाहरुख खान, करण जौहर, आलिया भट्ट और रणदीप हुड्डा ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लोगों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया तथा अपने प्रशंसकों, अनुयायियों और आम लोगों से राहत प्रयासों में शामिल होने का आग्रह किया है। शाहरुख ने 'एक्स' पर कहा, पंजाब का हौसला और जज्बा कभी नहीं टूटेगा। करण जौहर ने 'इंस्टाग्राम' पर कहा, मेरी दुआएं और ताकत उन सभी के साथ हैं जो इस कठिन समय से गुज़र रहे हैं। आलिया भट्ट ने कहा कि बाढ़ प्रभावित सभी लोगों के प्रति उनकी संवेदना है। गुरदासपुर में लोगों की मदद कर रहे रणदीप हुड्डा ने कहा, पानी आज फिर बढ़ गया है... नुकसान बेहद दुखद है। अभिनेता सोनू सूद ने आश्वासन दिया कि जरूरतमंद लोग उनसे संपर्क कर सकते हैं और वह उन्हें सहायता देने की पूरी कोशिश करेंगे।

सशस्त्र बलों के जवानों के दुरुपयोग पर दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) समेत केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के जवानों का व्यापक दुरुपयोग किए जाने का आरोप लगाया गया है।

याचिका में कहा गया है कि इन जवानों से उच्च पदस्थ पुलिस और सीएपीएफ अधिकारियों के निजी आवासों में घरेलू सहायकों की तरह काम कराया जा रहा है। बीएसएफ के डीआईजी संजय यादव द्वारा दायर जनहित याचिका में कहा गया, हमारे देश के सैनिकों को विशेष रूप से उच्च पदस्थ अधिकारी के कुत्ते की देखभाल के लिए तैनात किया जाता है।

- **बीएसएफ के डीआईजी ने दायर की है जनहित याचिका, घरों में निजी काम कराने का आरोप**

मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने जनहित याचिका पर गृह मंत्रालय को नोटिस जारी किया, जिसमें दावा किया गया था कि यह वस्तुतः एक प्रचलित प्रथा है, जिसमें बीएसएफ के विभिन्न कार्मिकों को सीमा पर या कानून-व्यवस्था संबंधी कर्तव्यों के निर्वहन से हटाकर उच्च पदस्थ अधिकारियों के निजी घरों में घरेलू कार्यों के निष्पादन के लिये तैनात कर दिया जाता है। याचिका में दावा किया गया कि मानवशक्ति का घोर दुरुपयोग हुआ है, विशेषकर ऐसे समय में जब केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में 83,000 से अधिक रिक्तियां हैं। याचिका में कहा गया है कि इस स्थिति से कानून-व्यवस्था के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा हो रहा है।

नकली आभूषणों के निर्यात में मदद के आरोप में सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों पर केस

नई दिल्ली। सीबीआई ने सीमा शुल्क विभाग के चार अधिकारियों के खिलाफ चेन्नई हवाई अड्डे से 487 करोड़ रुपये मूल्य के सोने के नकली आभूषण निर्यात करने में मदद करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। इसके बदले में उन्हें 6.99 करोड़ रुपये की रिश्वत मिली थी।

सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि जांच से पता चला कि संदिग्ध निर्यातकों ने 'एयर कार्गो कॉम्प्लेक्स' में तैनात सीमा शुल्क अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके नामित एजेंसियों के माध्यम से आयातित सोने के बदले नकली आभूषणों का धोखाधड़ी से निर्यात किया। इसमें कहा गया है कि सीमा शुल्क अधिकारियों ने कथित तौर पर रिश्वत लेकर नकली आभूषणों को असली सोने के रूप में प्रमाणित कर दिया। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि आयातित सोने पर सीमा शुल्क वापसी का लाभ लेने के लिए संदिग्ध जौहरियों ने नकली आभूषणों का निर्यात किया। घोटाले का भंडाफोड़ 2022 में हुआ, जब राजस्व खुफिया निदेशालय ने ऐसी ही एक खेप को पकड़ा।

- **सीबीआई ने पकड़ा मामला, करीब सात करोड़ की मिली थी रिश्वत**

मराठा आरक्षण पर जरांगे खुश, नाराज छगन भुजबल मंत्रिमंडल की बैठक में नहीं पहुंचे

छत्रपति संभाजीनगर, एजेंसी

महाराष्ट्र के मंत्री और प्रमुख ओबीसी नेता छगन भुजबल बुधवार को कैबिनेट की बैठक में शामिल नहीं हुए और बाद में उन्होंने आरक्षण के लिए पात्र मराठों को कुनबी का दर्जा देने संबंधी सरकारी आदेश पर नाराजगी जताई।

उन्होंने संकेत दिया कि वह इसे कानूनी चुनौती देंगे। मुंबई में अपना अनशन समाप्त करने और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी के तहत मराठों के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग की अपनी लड़ाई में जीत का दावा करने के एक दिन बाद, कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मंगलवार को कुनबी (ओबीसी) जाति प्रमाण पत्र जारी करने के सरकारी प्रस्ताव (जीआर) के बाद अपने समुदाय के सदस्यों को आरक्षण का लाभ मिलने का विश्वास व्यक्त किया।

जरांगे की अधिकांश मांगों को स्वीकार करके उनके साथ शांति स्थापित करने के बाद, भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को संतुष्ट करने के लिए कदम उठाया है, जिनके सदस्य उनके लिए मौजूदा आरक्षण में किसी भी तरह की छेड़छाड़ के विरोध में हैं। इसके लिए सरकार ने ओबीसी के लिए कल्याणकारी उपायों में तेजी लाने और आरक्षण से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए नौ सदस्यीय मंत्रिमंडलीय उप-समिति का गठन किया है। हालांकि मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझता नहीं दिख रहा है, क्योंकि भुजबल ने पात्र मराठों को कुनबी जाति प्रमाण पत्र देने के सरकारी आदेश पर खुले तौर पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

- **मराठों को कुनबी का दर्जा देने को दे सकते हैं कानूनी चुनौती**

बीएसएफ ने शुरू किया ड्रोन युद्ध कौशल स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ लगती भारत की सीमाओं की रक्षा का दायित्व संभाल रहा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) आधुनिक युद्ध कौशल के लिए अपनी विशेष यूनिट ड्रोन कमांडो और ड्रोन योद्धाओं को रिमोट संचालित एरियल प्लेटफार्म सहित विभिन्न प्रशिक्षण दे रहा है ताकि उन्हें ऑपरेशन सिंदूर जैसे मिशनों में तैनात किया जा सके।

सीमा सुरक्षा बल के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी ने मंगलवार को मध्यप्रदेश के टेकनपुर में बल की अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में ड्रोन युद्ध स्कूल का उद्घाटन किया। करीब 2.65 लाख कर्मियों वाला बीएसएफ ऑपरेशन सिंदूर से सीख लेकर अपना पहला ड्रोन स्क्वाड्रन स्थापित कर रहा है। बल के एक प्रवक्ता ने कहा कि ड्रोन युद्ध स्कूल, बल के सीमा प्रहरियों को आधुनिक सामरिक चुनौतियों से निपटने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान पांच विशेष पाठ्यक्रमों के माध्यम से ड्रोन कमांडो और ड्रोन योद्धाओं को तैयार करेगा, जिनमें मानव रहित यान (यूएवी) संचालन, ड्रोन-विरोधी युद्ध और निगरानी एवं खुफिया जानकारी एकत्र करना शामिल है। इस स्कूल में सिमुलेटर और लाइव ड्रोन फ्लाइंग ज़ोन, यूएवी और पेलोड एकीकरण की सुविधाएं, रात्रि संचालन की सुविधाएं, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) जैमर और काइनेटिक इंटरसेप्टर के लिए उपकरण, लिंक्ड हार्डवेयर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरण होंगे।

- **जवानों को दिया जाएगा आधुनिक युद्ध का प्रशिक्षण**
- **तैयार किए जाएंगे ड्रोन कमांडो और ड्रोन योद्धा**

ऑपरेशन सिंदूर से ली रणनीतिक सीख

बीएसएफ महानिदेशक ने तीन साल से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के बारे में बात की, जिसमें ड्रोन ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान के खिलाफ भारत द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर से रणनीतिक सीख ली है। यह बल पाकिस्तानी ड्रोनों से भी निपटता है जिनसे सीमा पार से भारत में मादक पदार्थों, हथियार और गोला-बारूद की तस्करी की जाती है।

खेड़ा की पत्नी के पास भी दो वोटर आईडी: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की पत्नी के पास भी दो वोटर आईडी हैं। इन आरोप पर कांग्रेस, खेड़ा या तेलंगाना में पार्टी की नेता उनकी पत्नी कोटा नीलिमा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। भाजपा आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर लिखा, तेलंगाना के खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार और पवन खेड़ा की पत्नी कोटा नीलिमा के पास भी दो सक्रिय ईपीआईसी हैं। एक खैरताबाद में पंजीकृत है और दूसरा नई दिल्ली में। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ऐसे आपराधिक कृत्यों से खुद को अलग नहीं कर सकते।

द्विपक्षीय व्यापार दोगुना करेंगे जर्मनी और भारत

अन्य क्षेत्रों में भी साझेदारी बढ़ाने की सहमति, आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया में आर्थिक अस्थिरता तथा राजनीतिक अनिश्चितता की चुनौती के बीच भारत और जर्मनी ने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ बनाने, द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने और हिन्द प्रशांत क्षेत्र सहित विश्व में नियम आधारित व्यवस्था बनाने पर जोर दिया है। जर्मनी ने यूरोपीय संघ के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते का भी पुरजोर समर्थन करने के साथ-साथ आतंकवाद पर भी भारत के दृष्टिकोण को साझा करते हुए कहा है कि आत्मरक्षा के अधिकार के मामले में वह भारत के साथ खड़ा है।

जर्मन समकक्ष वेडफुल के साथ विदेश मंत्री जयशंकर।

जर्मनी ने भारत को तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा है कि भारत का दुनिया में विशेष और रणनीतिक महत्व है। दोनों देशों ने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को मजबूत बनाने तथा इसके विस्तार पर सहमति व्यक्ति की। उन्होंने यूक्रेन-रूस संघर्ष के बातचीत से समाधान की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। विदेश मंत्री डॉ.एस जयशंकर ने भारत यात्रा पर आए जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ वार्ता के बाद बुधवार को यहां कहा कि भारत दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के लिए जर्मनी के विदेश मंत्री के अत्यंत खुले, रचनात्मक और सकारात्मक दृष्टिकोण का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक अस्थिरता और राजनीतिक अनिश्चितता की दोहरी चुनौतियों के बीच परामर्श और परस्पर सहयोग पर आधारित रणनीतिक स्वायत्तता वाला बहुध्रुवीय विश्व समय की जरूरत है।

आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के साथ : जोहान वाडेफुल ने कहा कि जहां तक आतंकवाद का मुद्दा है तो आत्मरक्षा से जुड़े इस मामले में जर्मनी दृढ़ता से भारत के पक्ष में खड़ा है। कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नियम आधारित व्यवस्था के मामले में भी जर्मनी, भारत और अन्य देशों से सहमत है।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीदारों को वादे के अनुसार सब्सिडी वितरित करे सरकार

- **हाईकोर्ट ने कहा- वादा करने के बाद बहाना नहीं बना सकते**

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को नगर की सरकार को आदेश दिया कि वह इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर ग्राहकों को दी जाने वाली सब्सिडी वितरित करने के लिए तत्काल कदम उठाए। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि भुगतान में देरी के लिए प्रक्रियागत बाधाओं का बहाना नहीं बनाया जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि सरकार इस तथ्य की आड़ में नहीं छिप सकती कि दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2020 में राशि वितरित करने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है। पीठ ने कहा, सरकार इस तथ्य का सहारा ले रही है कि दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति में सब्सिडी वितरण के लिए कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं है। हमारी राय में, सरकार के पास ऐसा कोई आधार उपलब्ध नहीं है।

पीठ ने कहा कि सरकार के पास धनराशि है लेकिन वह देरी कर रही है। इसने दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग को निर्देश दिया कि वह सब्सिडी राशि के वितरण के लिए शीघ्र एक विशेष बैंक खाता खोला जाए और यह सुनिश्चित करे कि बिना किसी और देरी के पात्र लाभार्थियों को सब्सिडी जारी की जाए।

प्रतिबद्धता | शाह ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट को अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस के जवानों को बधाई दी

नक्सलियों का पूरी तरह सफाया होने तक चैन से नहीं बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं हो जाता। छत्तीसगढ़ के करेंगुट्टा पहाड़ी पर 'ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' को अंजाम देने वाले सीआरपीएफ, छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड और 'कोबरा' बल के जवानों को बधाई देते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारत को नक्सल मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

शाह ने कहा, ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के दौरान जवानों द्वारा दिखाई बहादुरी और पराक्रम को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किया जाएगा। गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर आईईडी के खतरे के बावजूद, सुरक्षा बलों ने अभियान चलाया और प्रमुख नक्सल बेस कैंप को नष्ट किया। गृह मंत्री ने कहा कि करेंगुट्टा पहाड़ी पर से नक्सलियों के सामग्री भंडार और आपूर्ति श्रृंखला को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने बहादुरी से नष्ट कर दिया। निपशुपतिनाथ से तिरुपति तक फैले पूरे क्षेत्र में 6.5 करोड़ लोगों के जीवन में नया सूर्योदय हुआ है। सरकार अभियानों के दौरान घायल हुए सुरक्षाकर्मियों की सहायता के लिए सभी जरूरी कदम उठा रही है।

गृहमंत्री ने ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में शामिल जवानों-अफसरों को किया सम्मानित।

सुकमा में 20 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में बुधवार को 20 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें से 11 पर कुल 33 लाख का इनाम था। पुलिस ने बताया कि 20 नक्सलियों में से नौ महिलाएं हैं, जिनमें पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन नंबर 1 की एक सदस्य भी है। एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि उन्होंने खोखली माओवादी विचारधारा, निर्दोष आदिवासियों पर नक्सलियों के अत्याचारों और प्रतिबंधित संगठन में बढ़ते आंतरिक मतभेदों से निराशा का हवाला देते हुए वरिष्ठ पुलिस और सीआरपीएफ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले लोग राज्य सरकार की नियाद नेल्लनार (आपका गांव) योजना से भी प्रभावित थे।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 4 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

महिला अधिवक्ता से अभद्रता का आरोप

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज एक एफआईआर की जानकारी करने पहुंची महिला अधिवक्ता ने इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी, महिला दरोगा व सिपाही पर अभद्रता करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि लाइसेंस निरस्त करने की धमकी दी गयी। पीड़िता ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल, बार काउंसिल और लखनऊ पुलिस कमिश्नर से भी की है। अधिवक्ता ने बताया कि 1 सितंबर को दर्ज रिपोर्ट के मामले में पुलिस पीड़िता निशा को लगातार बुला रही थी। इसपर वह पीड़िता संग जानकारी लेने के लिए थाने गयी थी।

तालाब में डूबने से किसान की मौत

अमृत विचार, काकोरी : थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर को शराब के नशे में धुत किसान सरोज गौतम (40) निवासी बेहटा की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सरोज दोपहर में जानवर चराने गए गया था। इसी दौरान पैर फिसल गया और वह तालाब में चला गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से सरोज को निकालकर निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिवार में पत्नी शांति, दो बेटे गोलू और आर्यन और एक बेटी प्राची हैं।

आरोपियों ने पिता व भाई को पीटा

अमृत विचार, मोहनलालगंज : थाना क्षेत्र में स्कूल पढ़ने जा रही छात्रा को मऊ निवासी शीबू बाइक पर बैठाकर निकल गया। दूसरी बहन ने घर जाकर परिजन को जानकारी दी। पिता ने भतीजे संग बेटी को खोजते हुए मऊ नहर के पास पहुंचा। इसी बीच शीबू के सगे भाई फजल, राजू, कलाम, रेशू, अब्दुल हासिम ने साथी साहिल के साथ मिलकर पीड़िता के पिता व भाई पर डंडे और चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो आरोपी भाग निकले। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया पीड़ित पिता की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर छात्रा को सकुशल बरामद कर लिया गया है। आरोपी शीबू, फजल, इस्तियाक, अब्दुल हासिम, साहिल को गिरफ्तार लिया गया है।

बाग में लटका मिला युवक का शव

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद के ग्राम महिमाखेड़ा मुड़ियारा गांव के बाहर आम के बाग में हरदोई अतरौली के ग्राम ढिकुन्नी निवासी अशोक कुमार (25) का शव रस्सी से लटका मिला। बुधवार सुबह शौच के लिए बाग की ओर गए ग्रामीणों ने शव को लटका देख रहीमाबाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस को घटनास्थल से कुछ दूरी पर एक बाइक भी मिली है।

साइबर सिक्योरिटी जागरूकता कार्यक्रम

अमृत विचार, सरोजनीनगर : सरोजनी नगर ब्लॉक कार्यालय में बुधवार को साईनव फाउंडेशन द्वारा साइबर सिक्योरिटी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के चेयरमैन विकास कुमार ने साइबर फ्रॉड के अलग-अलग तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) रीता सिंह ने साईनव फाउंडेशन की इस पहल को सराहनीय बताया। सहायक विकास अधिकारी अमित कुमार सिंह, एडीओ (आईएसबी) दीपक चौधरी ने भी विचार व्यक्त किए।

धमाकों से फिर दहला बेहटा गांव, लोग सहमे

जिस गड्ढे में निष्क्रिय किया था बमों का जखीरा उसी में हुआ धमाका, पुलिस, दमकल व बीडीएस ने की घटनास्थल की जांच

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नामजद आरोपियों की तलाश में बाराबंकी समेत तीन जिलों में दबिशें

अमृत विचार : गुडंबा के बेहटा गांव में धमाकों की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। बुधवार सुबह एक बार फिर ताबड़तोड़ धमाके हुए। धमाके से गांव के बाहर खेतों में धुएं का गुबार दिखा। गांव में अफरा-तफरी मच गई। घरों के बाहर लोग निकले तो पता चला कि धमाका गांव के बाहर उसी 20 फीट गहरे गड्ढे में हुआ, जिसमें विस्फोटक निष्क्रिय किए गए थे।

जानकारी मिलते ही गुडंबा पुलिस, दमकल और बम स्क्वॉयड दस्ते ने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं, गुडंबा थाने में दर्ज विस्फोटक अधिनियम के मामले में पुलिस अभी तक नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर पायी है। बाराबंकी, उन्नाव, सीतापुर समेत कई जनपदों में पुलिस डेरा डाले हुए है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि धमाके सुबह करीब 6:30 बजे के आसपास हुए। धमाकों से बेहटा गांव दहल गया। लोग घरों के बाहर आ गए। घटना की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही इंस्पेक्टर गुडंबा प्रभातेष कुमार श्रीवास्तव व चौकी प्रभारी बेहटा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि गांव के बाहर करीब 20 फीट गहरे गड्ढे में सोमवार और मंगलवार को भारी मात्रा में बम और विस्फोटक दबाए गए थे।

उसी में विस्फोट हुए थे। पुलिस बचे हुए विस्फोटक वहां से हटाए जाने की कार्रवाई पुलिस कर रही है। सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस बल भी तैनात कर दिया गया था। रविवार को हुए धमाकों में अवैध पटाखा कारोबारी आलम और उसकी पत्नी की मौत हो गई थी। बेटे समेत पांच लोग घायल हो गए थे। पुलिस ने इस मामले में अबतक दो मामले दर्ज किए हैं। हादसे के बाद चली छापेमारी में पुलिस करीब 2000 किलो विस्फोटक बरामद किया था। पुलिस आरोपी शेरू उर्फ वशीर, नसीम, अली अकबर, टीनू की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

धमाके की जगह पर मौजूद पुलिसकर्मी।

ग्रामीण बोले विस्फोटक निष्क्रिय कराने में की गई लापरवाही

- ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस ने विस्फोटक को निष्क्रिय कराने की प्रक्रिया में लापरवाही बरती। भारी मात्रा में विस्फोटक एक ही जगह पर दबा दिए। इसके कारण विस्फोट हुआ है। पुलिस को इतने अधिक विस्फोटक होने के बाद दो-तीन जगह गड्ढे खोदकर निष्क्रिय करना चाहिए था।

झील किनारे मिला युवक का शव, हत्या का आरोप

संवाददाता, निगोहा

मृतक अमृतलाल

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की हुई पुष्टि

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के रामदासपुर गांव स्थित झील किनारे मंगलवार देर शाम को एक युवक का शव औंधे मुंह पड़ा मिला। युवक की नाक से खून निकल रहा था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजन ने गांव के ही एक परिवार के लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डूबने से मौत की पुष्टि हुई है।

एसओ निगोहां अनुज तिवारी ने बताया कि मृतक की पहचान लालता खेड़ा निवासी अमृतलाल (21) के रूप में हुई। अमृतलाल पेशे से ट्रैक्टर चालक था। परिजन ने बताया कि अमृतलाल मंगलवार को खेत गया था। वहां से जाल लेकर रामदासपुर स्थित झील पर मछली पकड़ने के लिए गांव के चार लोगों के साथ गया था। सभी लोग शाम को वापस लौट आए।

अमृतलाल के देर शाम तक वापस न आने पर परिजन खोजबीन करते हुए झील किनारे पहुंचे तो वहां उसका शव पानी में औंधे मुंह पड़ा मिला। अमृतलाल अविवाहित था और चार भाइयों में सबसे छोटा था। परिवार में मां राजकुमारी व तीन भाई धर्मेंद्र, महेंद्र और अरविंद हैं। पिता गुरुप्रसाद ने बताया कि कि करीब 20 वर्ष पहले उनके भाई भगौती का शव झील में मिला था।

दुष्कर्म के बाद हत्या कर फेंका गया था शव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पोस्टमार्टम में नाजुक अंगों में मिले चोट के निशान
- शरीर में मिली नुकीले हथियार से वार की चोटें

अमृत विचार : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में दुष्कर्म के बाद 45 वर्षीय महिला की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में महिला के नाजुक अंगों में चोट की पुष्टि हुई है। साथ ही शरीर पर नुकीले धारदार हथियार से वार के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस की दो टीमें केस में लगायी गयी हैं। पुलिस घटनास्थल के आसपास के सभी मार्ग पर लगे सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि सौनई कंजेहरा में झाड़ियों में 45 वर्षीय महिला का शव मिला था। शिनाख्त न हो पाने के कारण पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मंगलवार को शव की शिनाख्त के बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अत्यधिक रक्तस्राव से महिला की मौत की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही महिला के नाजुक अंगों में गंभीर चोट मिली है। पुलिस कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

बताया जा रहा है कि महिला का पति शराब का आदी है। परिवार में चार बेटियां और एक बेटी है। डीसीपी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर विशेषज्ञों से राय ली जा रही है। उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। आरोपियों की तलाश में पुलिस की दो टीमें दबिश दे रही हैं। गुरुवार को मृतका के परिजन से बात कर और जानकारी की जाएगी। रंजिश समेत सभी बिंदुओं पर जांच की रही है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने नशीला पदार्थ खिलाकर किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी हिमांशु तिवारी मोहनलालगंज के ग्राम सोहावां का रहने वाला है। आरोपी टाइटन कंपनी में काम करता है। 31 अगस्त को किशोरी की मां ने दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट, धमकी समेत गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करायी थी। आरोप था कि आरोपी ने किशोरी को नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म किया। उसके बाद ब्लैकमेल कर रुपये ऐंठे थे।

टिंबर मजदूर का हत्यारोपी पकड़ से दूर

अमृत विचार, गोसाईगंज : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में रविवार को टिंबर स्टोर में मजदूर अमित कुमार शर्मा (31) की पीटकर हत्या के मामले में पुलिस अभी तक नामजद आरोपी को पकड़ नहीं सकी है।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि आरोपी विकेश की तलाश में तीन टीमें लगायी गयी हैं। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा। मूल रूप से सीतापुर निवासी अमित कुमार शर्मा अहिमामऊ गांव के पास स्थित एएस टिंबर स्टोर में पिछले छह से मजदूरी करता था।

रविवार को वहीं काम करने वाले विकेश कुमार ने रुपये न देने पर पटरे से ताबड़तोड़ वारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने पत्नी मनोरमा की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की थी।

शोरूम में लाखों की चोरी, डीवीआर गायब

छत पर लगा लोहे का जाल काटकर घुसे चोर

संवाददाता, मलिहाबाद

चोरी के बाद बिखरा सामान।

अमृत विचारः थाना क्षेत्र में चोरों ने बाइक शोरुम को मंगलवार रात निशाना बनाया। चोरों ने शोरूम में घुसकर करीब दो लाख रुपये नकद, करीब डेढ़ लाख के पार्ट्स व बैटरी पर हाथ साफ कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद चोर सीसी कैमरे का डीवीआर लेकर फरार हो गए।

कारोबारी सतेंद्र सिंह का ग्राम कसमंडीकला के निकट माही मोटर्स के नाम से बाइक शोरूम है। मंगलवार रात चोरों ने दुकान को निशाना बनाया। छत के ऊपर लगे लोहे के जाल को काट अंदर घुस चोरों ने सर्विस सेंटर के कैश काउंटर से 17,955 रुपये, करीब सवा लाख के पार्ट्स व सेल्स एरिया में गाड़ियों की बिक्री के रखे 1,45,300 रुपये, केबिन काउंटर से 35 हजार रुपये, सीसीटीवी कैमरे का डीवीआर, 36 हजार रुपयों की 30 बैट्री उठा ले गए। सुबह जानकारी होने पर शोरूम मालिक सतेंद्र सिंह ने डॉयल-112 पर सूचना दी। पीड़ित ने कोतवाली पर तहरीर दी है। पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

चोरी की दो कार बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

- **अमृत विचार, लखनऊ :** विभूतिखंड पुलिस ने चोरी की दो कार के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में सैफवान सिद्दीकी उर्फ सैफू निवासी सतरिख रोड चिनहट, सरफराज अहमद निवासी तालगांव सीतापुर व मोहम्मद नियाज निवासी चिनहट हैं। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि 30 अगस्त को राशिद के गैराज का ताला तोड़कर आरोपियों ने कार चोरी की थी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि रुपयों के विवाद में कार चोरी की थी।

जिम का लोकार्पण करते ब्लॉक प्रमुख।

ब्लाक प्रमुख ने किया ओपन जिम का लोकार्पण

- **अमृत विचार, निगोहा :** क्षेत्र की ग्राम पंचायत दयालपुर में स्थित जागेश्वर महादेव मंदिर परिसर में ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला ने ओपन जिम का उद्घाटन किया। प्रमुख ने बखतौरीखेड़ा गांव के दुर्गा माता मंदिर परिसर में वाटर कूलर का लोकार्पण किया। बखतौरीखेड़ा और बद्रीखेड़ा गांव की जर्जर व उखड़ी सड़कों का निरीक्षण कर अधिकारियों को मरम्मत कराने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान प्रधान प्रतिनिधि, क्षेत्र पंचायत सदस्य, भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यलो फीवर की वैक्सीन के लिए 17 दिन का इंतजार

प्रदेश में सिर्फ केजीएमयू में लगती है वैक्सीन, विदेश यात्रा करने वालों की बढ़ी परेशानी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : केजीएमयू में यलो फीवर (पीला बुखार) वैक्सीन की शॉर्टेज हो गई है। वैक्सीन के लिए लोगों को 17 दिन तक इंतजार करवाया जा रहा है। समय से वैक्सीनेशन न होने से बहुत से लोगों की विदेश यात्रा अटक गई है।

अफ्रीका व साउथ अमेरिका की यात्रा के लिए यलो फीवर की वैक्सीन (टीका) लगवाने और प्रमाण-पत्र की जरूरत पड़ती है। यह वैक्सीन प्रदेश में सिर्फ किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में ही लगती है। टीका कम्युनिटी मेडिसिन विभाग में सोमवार, गुरुवार और शनिवार को सुबह 10 से 1 बजे तक लगाया जाता है। प्रत्येक दिवस में 30 लोगों को ही टीका लगता है। टीका लगवाने के लिए लगभग 17 दिन की वेटिंग है। 200 से अधिक लोग टीके का इंतजार कर रहे हैं। समय पर वैक्सीन न लगने से लोग परेशान हैं। बहुत से लोग तो समय पर वैक्सीन लगवाने के लिए दिल्ली तक दौड़ लगाने को मजबूर हैं।

लखीमपुर के विनय कश्यप ने बताया कि वैक्सीनेशन के लिए 1 सितंबर को स्लॉट बुक कराने के लिए केजीएमयू की वेबसाइड पर जारी नंबर पर फोन किया था।

20 सितंबर से पहले स्लॉट खाली न होना बताया गया। ये भी कहा गया कि जल्दी है तो दिल्ली जाकर वैक्सीन लगवा सकते हैं। राजाजीपुरम के नितिन ने बताया कि बुधवार को वैक्सीनेशन के लिए सुबह 10 बजे से 12:30 बजे तक कई बार स्लॉट बुकिंग नंबर पर कॉल की, लेकिन नंबर स्विच ऑफ बताता रहा।

केजीएमयू का वैक्सीनेशन सेंटर।

> सप्ताह में तीन दिन वैक्सीन लगाई जा रही है। किसी भी यात्री को वैक्सीनेशन के लिए दिक्कत नहीं उठानी पड़ रही है। यदि किसी को दिक्कत आ रही है तो वह संस्थान प्रशासन से संपर्क कर सकता है।
>
> **-डॉ. केके सिंह प्रवक्ता, केजीएमयू**

यात्रा से 10 दिन पहले वैक्सीन लगवाना जरूरी

- जानकारों का कहना है कि यलो फीवर का टीका यात्रा करने से कम से कम 10 दिन पहले लगवाना चाहिए। क्योंकि शरीर को वायरस के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने में 10 दिन का समय लगता है। यह टीका आमतौर पर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में उन क्षेत्रों में यात्रा करने के लिए लगवाना जरूरी होता है जहां पीला बुखार का प्रकोप है। कुछ देशों में प्रवेश के लिए भी इस टीके का प्रमाण पत्र आवश्यक होता है। लोगों का जरूरी दस्तावेज तैयार हैं, लेकिन फिर भी इन्हें लौटाया जा रहा है। बिना प्रमाण पत्र दिखाए अफ्रीका के देशों की यात्रा नहीं कर सकते हैं।

झील में मिला अज्ञात महिला का शव

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार : लंगरपुर गांव में करीब 32 वर्षीय महिला का शव झील में जमा जलकुंभी में फंसा मिलने से सनसनी फैल गई।

पुलिस के प्रयास के बावजूद शिनाख्त न होने पर शव मोर्चरी में रखवाया गया है। लंगरपुर गांव निवासी लक्ष्य रावत पुत्र राम प्रसाद के मुताबिक वह गांव की बड़ैला बकनई झील का ठेकेदार है। जिसमें वह मछली पालन करता है। बुधवार दोपहर कोतवाली क्षेत्र के कासूखेड़ा गांव निवासी मजदूर राकेश व मोती खेड़ा स्थित बृजपाल झील में जमा जलकुंभी की सफाई करने गए तो वहां एक महिला का शव जलकुंभी में फंसा देख उनके होश उड़ गए। इसकी जानकारी पर झील के किनारे लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

करंट की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार : अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मलाव गांव निवासी विनीत (35) पुत्र स्व. हरिशंकर दीक्षित की गिनती गांव के बड़े किसानों में थी।

घर पर वह अपनी मां, पत्नी व चार साल की बेटी के साथ रहता था। इस समय पत्नी खुशबु बेटी पूजा के साथ सीतापुर जिला के बिराहिम बाग गांव अपने मायके में थी। मंगलवार शाम वह घर में खाना बना रहा था तभी पास के लोहे के बक्से से कोई सामान उठाने गया। इसी दौरान वह बक्से के पास से निकला विद्युत तार के चपेट में आ गया और मौत हो गई।

अमृत विचार
अवध बाज़ार

GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA

Hotel EKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,

Residential/
Investment
Plots available
CIVILIAN GREEN
CIVILIAN'S DREAM
CIVILEA
GREEN CITY
Kanpur Road, Lucknow
Mob: 9616826300
OFFICE :- CIVILEA CONSTRUCTION
Near Kaiserbagh Kotwali Lucknow

GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA

महिला की मौत मामले में वांछित सास गिरफ्तार

अमृत विचार, उन्नाव: गांव ककरारी में सौम्या पत्नी रिशु की संदिग्ध परिस्थिति में फांसी लगाकर हुई मौत के मामले में पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। बुधवार को पुलिस ने वांछित सास कुंवारा पत्नी राजू को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इससे पहले पुलिस मृतका के पति रिशु को जेल भेज चुकी है। सौम्या की मौत के बाद मायके पक्ष ने दहेज उत्पीड़न का आरोप लगाया था। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। एसओ राहुल सिंह ने बताया कि मामले में पति रिशु पुत्र राजू, सास कुंवारा पत्नी राजू, हिमांशु पुत्र राजू व ससुर राजू पुत्र स्व. सुखदीन निवासी गांव ककरारी थाना बिहार उन्नाव के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। शेष आरोपियों की भूमिका की जांच चल रही है।

हादसा

आंख के ऊपर कटने से खून से लथपथ होकर स्कूटी से गिरे, स्कूटी गिरने से दोनों बेटियां भी मामूली रूप से चोटिल

बिल्लौचपुरा ओवरब्रिज पर चाइनीज मांझे से व्यापारी नेता घायल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : बेटियों को स्कूल से लेकर लौट रहे स्कूटी सवार व्यापारी नेता हैदरगंज-बिल्लौचपुरा ओवरब्रिज पर चाइनीज मांझे की चपेट में आकर घायल हो गए। स्कूटी पलटने से बेटियां भी चोटिल हो गईं। उधर से गुजर रहे थानाध्यक्ष ने घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने टांके लगाने के बाद छुट्टी दे दी।

इंस्पेक्टर बाजारखाला बृजेश सिंह ने बताया कि हुसैनाबाद निवासी व्यापारी आसिम मार्शल उप्र. सर्वसमाज उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष हैं। बुधवार दोपहर करीब 2:15 बजे वह स्कूटी से दो बेटियों को स्कूल से लेकर घर जा रहे थे। हैदरगंज-बिल्लौचपुरा ओवरब्रिज पर मांझा आंख के ऊपर लगने से स्कूटी असंतुलित होकर पलट गई। आसिम के चहरे से खून की तेज धार बहने लगी। उधर से गुजर रहे इंस्पेक्टर ने बच्चियों और आसिम को अपनी गाड़ी से ट्रामा सेंटर पहुंचाया। सूचना पर परिवारवाले भी अस्पताल पहुंच गए। इलाज के बाद डॉक्टर ने घर भेज दिया। डॉक्टर ने बताया कि हादसे में आसिम की आंख साफ बची।

आसिम मार्शल।

2017 से प्रतिबंधित है चीनी मांझा

- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने चीनी मांझे के निर्माण व इस्तेमाल पर 11 जुलाई 2017 को ही प्रतिबंध लगा दिया था। साथ ही आदेश में कहा था कि चीनी मांझे की बिक्री व उसका प्रयोग कानूनन अपराध है। इससे आसमान में पक्षियों और जमीन पर लोगों की जान का खतरा है। प्रतिबंध के बावजूद अवैध रूप से इसकी बिक्री और इस्तेमाल जारी है। सूत्रों की माने तो अकबरी गेट, वजीरबाग, हुसैनगंज और बाबूगंज समेत कई पुराने इलाकों में चाइनीज मांझे की बिक्री चोरी-छिपे हो रही है। नायलॉन के धागे पर कांच की कोटिंग के बाद यह मांझा तैयार होता है। इसे काटने के लिए कैंची का इस्तेमाल करना पड़ता है। जबकि सामान्य मांझा आसानी से टूट जाता है। सामान्य मांझा चाइनीज मांझे से महंगा भी होता है।

पहले भी हुए हैं चीनी मांझे से हादसे

- 04 अप्रैल : विधानभवन के सामने चाइनीज मांझे से सिपाही आरती कुमारी घायल।
- 23 फरवरी : बीबीडी में मांझे से शुभम घायल।
- 02 अक्टूबर 2024 : पकरी पुल पर मांझे से दरोगा आसिफ अली घायल।
- 25 अगस्त : नाका फ्लाईओवर पर मांझा फंसने से सैफ हुआ घायल।
- 28 जुलाई : विधानभवन के पास लांड्री संचालक दिलीप कनौजिया की मांझे से कटी गर्दन।
- 16 जून : चौक में चीनी मांझे से गर्दन कटने से सुधाकर की मौत।
- 14 नवंबर 2023 : अलीगंज में अभिषेक मांझे से घायल।
- जून 2023 : खुर्रमनगर में कार की सनरूफ पर खड़े रियान सिंह (08) और गौरी (11) मांझे से घायल।
- 15 मई : पिता संग जा रही मर्सिया हुसैन मांझे की चपेट में आई।

फेसबुक पर की जनप्रतिनिधियों से चाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग

- पीड़ित ने फेसबुक पर अपनी फोटो लगाकर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक व राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा से चाइनीज मांझे पर रोक लगाने की मांग की है।

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार, 4 सितंबर 2025

सुविचार

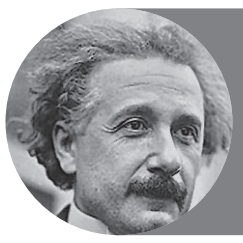

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर पर रह कर नहीं हल की जा सकती है जिसपर वह उत्पन्न हुई है। - अल्बर्ट आइंस्टीन

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- अतिक्रमण और सड़क के गड्ढों ने ले ली युवक की जान II
- सपाइयों ने घेरा भाजपा विधायक का आवास III
- काशी रुद्रास ने मेरठ मावेरिक्स को हराया VI

शहर में आज

- गोमतीनगर स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह -10 :30 बजे
- गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका में गणेश प्राकट्य कमेटी की ओर पाशांकुश पूजन -12 :00 बजे।

सिटी ब्रीफ

जानकीपुरम में डायरिया से राहत

अमृत विचार,लखनऊ : जानकीपुरम विस्तार में बुधवार को डायरिया का कोई नया रोगी नहीं मिला है। जानकीपुरम विस्तार में कई दिनों से डायरिया और बुखार का प्रकोप है। अब तक 150 से अधिक मरीज बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। तीन मरीजों की मौत भी हुई है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग ने मौत की वजह अन्य बीमारी से होने का दावा किया है। सीएमओ डॉ .एनबी सिंह ने बताया कि क्षेत्र में अभी भी स्वास्थ्य शिविर लगा हुआ है। बुधवार को टीम ने सेक्टर-3 के 50 घरों का भ्रमण किया। डायरिया का कोई नया रोगी नही मिला। क्षेत्र की स्थिति नियंत्रण में है। नगर मलेरिया इकाई की टीम ने क्षेत्र में एण्टी लार्वा रसायन का छिडकाव भी किया है। टीम लोगों को बीमारी से बचाव को लेकर जागरूक भी कर रही है।

रियल एस्टेट एजेंटों को किया प्रशिक्षित

अमृत विचार, लखनऊ : रेरा ने बुधवार को इंडियन लिटरेसी बोर्ड में चार दिवसीय 19वां रियल एस्टेट एजेंट प्रशिक्षण सत्र शुरू किया। कार्यक्रम का उद्घाटन चेयरमैन संजय भूसरेड्डी ने किया। कहा कि प्रमोटर, एजेंट और रेरा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पहले कुछ प्रमोटरों और एजेंटों की अनियमितताओं से इस क्षेत्र की छवि खराब हुई, इसलिए पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रशिक्षण की जरूरत पड़ी है। नियमित प्रशिक्षण से एजेंटों की प्रोफेशनल क्षमता बढ़ेगी। अंत में परीक्षा पास करना अनिवार्य है। सफल उम्मीदवारों को 15 में रेरा मुख्यालय में प्रमाणपत्र दिया जाएगा।

वेबसाइट पर डाटा सुरक्षित , अफवाह से बचें

अमृत विचार,लखनऊ : प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थी अफवाह पर ध्यान न दें। पात्र लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। उनका विवरण पूरी तरह से सुरक्षित और ऑनलाइन दर्ज है। यह अपील मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन से लाभार्थियों से की है। बताया कि अप्रैल 2025 तक 32,096 परिवारों का सर्वे किया गया। इसमें 10,540 परिवारों ने सेल्फ सर्वे जबकि 21,556 परिवारों का कर्मियों ने सर्वे करके ऑनलाइन नाम दर्ज किए। सभी लाभार्थियों का ऑनलाइन डेटा लेकर सत्यापन कराया गया। इसके बाद चेकर द्वारा केंद्र से रैंडम डाटा प्राप्त करके लाभार्थियों का सत्यापन किया गया। इस संबंध में कुछ भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई कि चेकर को जिन लाभार्थियों का डाटा नहीं मिला है, उन्हें सर्वेक्षण से बाहर कर दिया है, जबकि यह सही नहीं है। समस्त डाटा के की वेबसाइट पर सुरक्षित है।

काशी रुद्रास क्रिकेट टीम के मैनेजर से इंस्टा पर सट्टेबाजों ने किया संपर्क

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सट्टेबाज ने मैनेजर को दिया 50 लाख रुपये का ऑफर, रिपोर्ट दर्ज
- एंटी करप्शन, पुलिस, सर्विलांस व साइबर पुलिस जांच में जुटी

अमृत विचारः इकाना में चल रही टी-20 क्रिकेट लीग पर फिक्सिंग का साया मंडरा रहा हैं। इंस्टाग्राम पर सट्टेबाजों ने काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन को 50 लाख रुपये का ऑफर देकर मैच फिक्सिंग के लिए संपर्क किया। सट्टेबाजों ने उन्हें टीम के खिलाड़ियों की मदद से सट्टा खेलने के लिए प्रेरित किया।

मैनेजर अर्जुन ने इसकी सूचना क्षेत्रीय भ्रष्टाचार निरोधक प्रबंधक को दी। जिसके बाद टीम मैनेजर ने ट्रैप कर इंस्टा व व्हाट्सएप पर चैट कर सट्टेबाज से काफी जानकारियां निकालकर बीसीसीआई की एसीयू (एंटी करप्शन यूनिट) को सौंप दी। जयपुर राजस्थान के क्षेत्रीय प्रबंधक भ्रष्टाचार निरोधक इकाई व टी-20 लीग लखनऊ के प्रबंधक हरदयाल सिंह ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रबंधक हरदयाल सिंह ने बताया कि 19 अगस्त को रात करीब 11:12 बजे काशी रुद्रास टीम के मैनेजर अर्जुन चौहान ने उन्हें जानकारी दी कि उनसे एक व्यक्ति ने इंस्टाग्राम पर संपर्क किया। पेड प्रमोशन की बात कहते हुए नंबर मांगा तो अर्जुन का माथा ठनका। जानकारी देने के साथ ही सट्टेबाज से चैटिंग शुरू की। साथ ही अपना मोबाइल नंबर भी शेयर कर दिया। उसने टीम के साथ मिलकर सट्टा खिलवाने के लिए उकसाया और 50 लाख रुपये का लालच दिया। बोला कि टिप सौ प्रतिशत सही होनी चाहिए। कहा कि अगर मेरे निर्देशों पर खेलते हैं तो अच्छा होगा। भुगतान ऑनलाइन अमेरिकी डॉलर से करुंगा। टीम को सट्टे के लिए तैयार करो। मैनेजर से मिली जानकारी के बाद ट्रैप टीम ने सट्टेबाज के बारे में और जानकारी जुटाने के लिए कहा।

मैनेजर ने सट्टेबाज से मोबाइल पर संपर्क करने को कहा। इसके बाद उसने व्हाट्सएप पर ऑडियो काल की। उसे रिकार्ड कर लिया गया। कुछ अन्य जानकारियां भी जुटाई गईं। 21 अगस्त रात करीब 8:30 बजे तक की रिकार्डिंग व इनपुट जुटाने के बाद मामले की शिकायत सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दी गई।।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात सट्टेबाज के खिलाफ अपराध के लिए उकसाना, आपराधिक साजिश, सट्टा खेलना, धोखाधड़ी, जुआ अधिनियम व आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि इंस्टाग्राम आईडी व सट्टेबाज का नंबर शिकायत में दिया गया है। सर्विलांस व साइबर क्राइम थाने की मदद से जांच की जा रही है।

सट्टेबाज को पता है कि रेनेसा में रुकी टीम

- एसीयू का मानना है कि सट्टेबाज काशी रुद्रास टीम के मैनेजर का पीछा कर रहा था। उसने बातचीत में मैनेजर अर्जुन से कहा था कि टीम रेनेसा होटल में रुकी है। मैच के दौरान मेरा आदमी ग्राउंड में पहुंच जाएगा। सट्टेबाज ने बताया कि एक करोड़ रुपये लेकर वह ग्राउंड में बैठा रहेगा। आप मेरे मुताबिक चलेंगे तो वहीं पर वह 50 लाख रुपये आपको देगा। यह तो सबसे कम राशि है। अगर फिक्सिंग में साथ दिया तो इतने रुपये कमा लोगे कि कई पीढ़ियों को काम करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

गंदगी पर किया 8 हजार का चालान

अमृत विचार,लखनऊ : नगर निगम ने गुरुवार को अभियान चलाकर मुख्य मार्गों, सार्वजनिक स्थलों और फुटपाथों से अतिक्रमण हटाया।

जोन 2 में जोनल सेनेटरी अधिकारी राम सकल यादव के नेतृत्व में वार्ड मोतीनगर, पान दरीबा और चारबाग क्षेत्र में गंदगी, अतिक्रमण और प्रतिबंधित प्लास्टिक पर संयुक्त कार्रवाई की गई। गंदगी व अतिक्रमण पर 6 चालान कर 8,000 रुपये तथा प्रतिबंधित प्लास्टिक पर 3 चालान कर 12,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

संपत्तियां कब्जेदारों के नाम करने पर हंगामे के आसार

जर्जर सड़कों, सीवर, और पेयजल के मुद्दों पर भी घेरेंगे पार्षद

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- महापौर की अध्यक्षता में आज होगी सदन की बैठक
- कार्यकारिणी बैठक में पास प्रस्तावों पर भी लगेगी मुहर

अमृत विचार : नगर निगम की संपत्तियां को अवैध कब्जेदारों के नाम करने पर गुरुवार को सदन की बैठक में हंगामा हो सकता है। लगभग 2400 आवासीय एवं व्यावसायिक संपत्ति को अवैध कब्जेदारों के नाम कर दिए गए हैं। पार्षदों का कहना है कि कार्यकारिणी में चर्चा के बिना लाया जा रहा यह प्रस्ताव गलत और नगर निगम अधिनियम के खिलाफ है। सड़क, सीवर, और पेयजल के मुद्दों पर भी पार्षद अधिकारियों को घेरेंगे। बैठक सुबह 11 बजे महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में त्रिलोकनाथ सभागार में शुरू होनी है।

नगर निगम की ज्यादातर संपत्तियां किराएदारों ने या तो दूसरे को किराये पर दे दी हैं या मूल किराएदार का निधन हो चुका है। इन ज्यादातर संपत्तियों पर अवैध कब्जेदार काबिज हैं। गुरुनानक मार्केट सहित लालबाग स्थित कई संपत्तियां में लोगों ने अवैध तरीके से निर्माण कर लिया है। आवासीय भवनों में रेस्टोरेंट, होटल आदि संचालित हैं।

नगर निगम को इनसे नाम मात्र का किराया मिल रहा है जबकि इन संपत्तियों को दूसरे को उठाकर प्रतिमाह लाखों रुपये किराया वसूल रहे हैं। नगर निगम नियमावली के अनुसार मूल किरायेदार की मृत्यु होने पर नगर निगम को संपत्तियां पर कब्जा लेना चाहिए। कोई भी किराएदार नगर निगम की संपत्ति दूसरे को किराए पर दे सकता है न बेच सकता है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार नगर निगम के रेंट विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से अवैध कब्जे का खेल चल रहा है। इसके अलावा सदन में कार्यकारिणी बैठक में पास किये गए प्रस्तावों पर मुहर लगाई जाएगी।

स्ट्रीट लाइटें बनाने को हर वार्ड में बने टीम

- ईईएसएल कंपनी के हटने के बाद शहर के कई इलाकों में स्ट्रीट लाइटें खराब पड़ी हैं, जिससे शहर में अंधेरा है। पार्षद खराब स्ट्रीट लाइटें सही कराने के लिए नगर निगम द्वारा किये गए इंतजाम पर जवाब मांगेंगे। यही नहीं प्रत्येक वार्ड में स्ट्रीट लाइट सही कराने के लिए एक टीम बनाने की मांग का प्रस्ताव रखेंगे।

पार्षदों के सवाल और 47 प्रस्तावों पर होगी चर्चा

- सदन की बैठक में पहले पार्षदों के सवालों के अधिकारी जवाब देंगे। इसके बाद 47 पार्षदों द्वारा दिये गए प्रस्तावों पर चर्चा की जाएगी। पार्षदों ने तालाबों पर अतिक्रमण, पार्कों के रखरखाव, बिना अनुमति रोड कटिंग, अवैध डेयरी, जलभराव, खराब स्ट्रीट लाइटें और सबमर्सिबल पम्प आदि प्रश्नों के जवाब मांगे हैं।

अधिनियम के खिलाफ हर प्रस्ताव का विरोध करेंगे

- कार्यकारिणी सदस्य एवं चौक काली जी वार्ड से पार्षद अनुराग मिश्रा अन्नू ने कहा कि नगर निगम अधिनियम के खिलाफ कोई भी प्रस्ताव सदन में आएगा तो उसका पार्षद विरोध करेंगे। किराये की सम्पत्तियों को अवैध कब्जेदारों से खाली कराया जाए। अवैध कब्जेदारों को वैध किये जाने से नगर निगम को नुकसान होगा। नियमानुसार जिन मूल किरायेदारों की मृत्यु हो चुकी है उनसे नगर निगम कब्जा अपने हाथ में ले।

जानकीपुरम में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करतीं अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह।

सफाई का जाएजा लेने उतरे नोडल अधिकारी

- शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार के लिए नगर निगम ने गुरुवार को नोडल अधिकारियों की निगरानी में दो घंटे का रात्रिकालीन सफाई अभियान चलाया। जोन दो में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्त ने मालवीय नगर वार्ड के निरीक्षण में नाइट स्वीपिंग और पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। जोन 3 में अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह ने जानकीपुरम तृतीय वार्ड का निरीक्षण करके नालियों की सफाई और स्ट्रीट लाइट में सुधार पर जोर दिया। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी अशोक सिंह ने फैजुल्लागंज तृतीय वार्ड में सीवर की सफाई का जाएजा लिया। जोन- 4 में मुख्य अभियंता (सिविल) महेश वर्मा ने भरवारा-मल्हौर वार्ड के निरीक्षण में जल निकासी व्यवस्था देखी।

पौधारोपण कर दिया संदेश

अमृत विचार, लखनऊः नेताजी सुभाष चंद्र बोस महिला कॉलेज अलीगंज के सहयोग से ग्रीन पल्स पर्यावरण संरक्षण का कार्यक्रम किया। इसमें 500 छात्राओं, शिक्षिकाओं को पर्यावरण से संबंधित जानकारी दी गई।

मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना एवं विशिष्ट अतिथि डॉ बी पी राम रहे। पर्यावरण पर अच्छा काम करने वाले शिवांग वर्मा, कृष्णानंद राय,मानव सिंह,भास्कर शर्मा के अलावा युवा टीम की दीक्षा वर्मा, अनन्या सिंह,प्रियम राज,श्वेता शर्मा,फ्लोरेंस पाठक, मुस्कान मिश्रा, वर्षा शर्मा,पलक पाण्डेय, आस्था चौरसिया, राजकुमार यादव, इलियास को सम्मानित किया गया। श्रीकृष्ण चौधरी, अनुज कुमार चौबे, डॉ अमिता कनौजिया अतिथि रहीं। प्राचार्या डॉ रश्मि बिश्नोई भी मौजूद रहीं।

संगीत नाटक अकादमी में रंगी आवारगी महोत्सव में नाटक का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

25 सेक्टर का होगा वरुण विहार, बस टर्मिनल बनेंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण काकोरी स्थित आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के पास प्रस्तावित वरुण विहार में 25 सेक्टर विकसित करेगा। योजना अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत ग्रिड सड़कें, भूमिगत केबल समेत अन्य हाईटेक सुविधाओं से लैस की जाएगी। सुगम यातायात के लिए इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) बनेगा।

उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बुधवार को योजना स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि 5610 एकड़ में योजना विकसित करेंगे। इसमें सदर व सरोजनीनगर तहसील के ग्राम भलिया, आदमपुर इन्दवारा, बहरू, जलियामऊ एवं मदारपुर, इब्राहिमगंज, नकटौरा, गहलवारा, तेजकृष्ण खेड़ा, रेवरी, सकरा व दोना गांव की भूमि चिन्हित की गई है। इस योजना में तीन लाख से अधिक लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी। उपाध्यक्ष ने दोना गांव में बने साइट ऑफिस में अधिकारियों व अभियंताओं के साथ बैठक की। किसानों से सीधा संवाद भी किया। किसानों ने सहमति के आधार पर भूमि देने पर सहमति जताई है।

वरुण विहार योजना का निरीक्षण करते उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार।

800 एकड़ में ग्रीन बेल्ट व गोल्फ कोर्स बनेगा

- वरुण विहार में 15 हजार से अधिक आवासीय, व्यावसायिक व ग्रुप हाउसिंग के भूखंड नियोजित किए जाएंगे। करीब 800 एकड़ में ग्रीन बेल्ट, पार्क व वॉटर बॉडी विकसित की जाएगी। इसके अलावा एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स व सेंट्रल पार्क बनेगा। इसके अलावा 300 एकड़ के विशाल क्षेत्रफल में लॉजिस्टिक पार्क/ट्रांसपोर्ट नगर विकसित किया जाएगा। योजना आगरा एक्सप्रेस-वे व किसान पथ से सीधे कनेक्ट होने की वजह से लॉजिस्टिक पार्क बनने से बड़ी आबादी को आवासीय सुविधा के साथ रोजगार मिलेगा। शहर के उद्योग, स्वास्थ्य, शिक्षा व लॉजिस्टिक क्षेत्र का अभूतपूर्व विकास होगा और राजधानी में बड़ा निवेश आएगा।

कानपुर रोड से अनंत नगर तक चौड़ी होगी सड़क

- कानपुर रोड से अनंत नगर योजना को जाने वाली सड़क चौड़ी होगी। लगभग 35 करोड़ से सड़क चौड़ीकरण, डिवाइडर, आरसीसी ड्रेन व ट्रेंच का निर्माण कराया जाएगा। बुधवार को एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने निरीक्षण करके यूपीसीडा व लोक निर्माण विभाग से एनओसी लेकर शीघ्र कार्य कराने के निर्देश दिए। बताया कि नादरगंज में औद्योगिक इकाइयां होने की वजह से ट्रक-ट्रेलर आदि भारी वाहनों का काफी लोड रहता है। इससे सड़कों में गड्ढे हो जाते हैं और खासकर बारिश के मौसम में दिक्कत बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए जिन जगहों पर अधिक जलभराव होता है वहां आरसीसी रोड का निर्माण करवाया जाएगा। कानपुर रोड से नादरगंज इंडस्ट्रियल एरिया के अंतर्गत 24 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी।

बदलाव स्लैप में बदलाव करने पर राजधानी के व्यापारी संगठनों ने जताया केंद्र सरकार का आभार

दीवाली से पहले जीएसटी दरों में कटौती से उड़ान भरेगा व्यापार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः काउंसिल द्वारा जीएसटी के दो स्लैब कम करते हुए नई गाइडलाइन जारी कर दी गई हैं। परिषद ने इसमें बड़ा बदलाव किया है। अब 5 और 18 प्रतिशत के दो स्लैब ही रखे गए हैं। वहीं पहले से चल रहे 12 और 28 फीसदी के स्लैब को खत्म कर दिया गया है। पान मसाला, तंबाकू समेत सिन गुड्स के कई आइटम पर 40 फीसदी जीएसटी का स्लैब निर्धारित किया गया है। दरों के घटने पर प्रदेश के विभिन्न व्यापारिक संगठनों ने खुशी जताते हुए प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री का आभार जताया है।

इस फैसले से व्यापारी, कारोबार, उद्यम और आमजन समेत सभी को बड़ी राहत देने का प्रयास सरकार की ओर से किया गया है। स्वागत योग्य फैसला है। इससे लंबे समय से कारोबार पर मंडरा रहे संकट से व्यापार को रफ्तार मिलेगी। सरकार के इस निर्णय का स्वागत है।

-बनवारी लाल कंछल, प्रांतीय अध्यक्ष, उप्र उ. व्या. प्रतिनिधिमंडल

खाद्य पदार्थ पर जीरो प्रतिशत जीएसटी स्वागत योग्य है। पाउडर, दूध, ब्रेड आदि पर राहत दी गई है। इंश्योरेंस में लाभ दिया गया है। आम आदमियों के प्रयोग और खानपान की चीजों पर 5 प्रतिशत कर स्वागत योग्य है। लाइफ सेविंग मेडिसिन में भी बड़ी राहत दी गई है।

-अमरनाथ मिश्र, अध्यक्ष लखनऊ व्यापार मंडल

दो स्लैब घटाकर सरकार ने कारोबार को गति देने का काम किया है। निश्चित तौर पर इससे बड़ा लाभ व्यवसाय जगत को होगा। आमजनों के खानपान से जुड़ी चीजों पर बड़ी राहत दी गई है। दवाओं और चश्मा भी कर की राहत पेटी में लाया गया है। सरकार ने बड़ी राहत दी है। स्वागत करते हैं।

-प्रभु जालान, महामंत्री स्वदेशी व्यापार मंडल

खानपान और दवाओं पर राहत दी गई है। इससे उपभोक्ता को लाभ होगा। जीएसटी के दो स्लैब खत्म किए जाने से व्यापारी जगत खुश है। सरकार का यह फैसला बेहतरीन है। जीएसटी की दो दरें लागू होने से कई आइटम अब आमजन की सीधी पहुंच में आ गए हैं।

-राजेंद्र अग्रवाल, आढ़ती अध्यक्ष पांडेयगंज गल्ला मंडी

जीएसटी की दरों को कम किए जाने का स्वागत किया जाता है। निश्चित रूप से इससे जनता को सस्ते उत्पाद मिलेंगे। खपत बढ़ेगी जिससे व्यापार बढ़ेगा तथा मांग के अनुसार निर्माताओं का उत्पादन भी बढ़ेगा। सिन गुड्स को 40 प्रतिशत के दायरे में रखना भी स्वागतयोग्य है।

-संजय गुप्ता, अध्यक्ष उप्र. आदर्श व्यापार मंडल

केंद्र सरकार का यह अच्छा फैसला है। आमजनों की जेब पर असर डालने वाली कई चीजों पर काउंसिल ने कर की दरें कम कर दी हैं। यह फैसला लोगों को बहुत राहत देगा। सरकार ने दो स्लैब घटाए हैं। बधाई की पात्र है। उपभोक्ताओं को काउंसिल ने बड़ी राहत दी है।

-अनुराग रस्तोगी, स्टेट हेड, इब्जा

दो स्लैब घटाकर सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देने की कोशिश की गई है। यह फैसला अच्छा है। दो बड़ी दरों को जीएसटी सिस्टम से बाहर किया गया है। इससे आमजन को लाभ मिलेगा। हर वर्ग इसका लाभ उठा सकेगा।

-संदीप बंसल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल

जीएसटी दरों में बदलाव के फैसले से व्यापारियों में खुशी है। दो बड़े स्लैब हटाकर सरकार ने व्यापार को लेकर अपनी मंशा साफ कर दी है। इसे व्यापारी बड़ी राहत के तौर पर देख रहे हैं। काउंसिल का यह निर्णय उपभोक्ताओं और व्यापार को बढ़ाने वाला है।

-अशोक मोतियानी, अध्यक्ष उप्र. कपड़ा व्यापार मंडल

क्वीनमेरी में एक बेड पर दो प्रसूताएं

निरीक्षण करने गईं महिला आयोग अध्यक्ष ने जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बुधवार को वीरांगना अवंतीबाई और केजीएमयू के स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग (क्वीनमेरी) का निरीक्षण किया। क्वीनमेरी में एक बेड पर दो प्रसूताओं को भर्ती देख नाराजगी जताई।

आयोग अध्यक्ष ने विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल से एक बेड पर दो प्रसूताओं को भर्ती करने का कारण पूछा। उन्होंने कहा कि, कि क्वीनमेरी में प्रदेश भर से मरीज आ रहे हैं। बेड कम हैं। जान बचाने के लिए कई बार एक बेड पर दो मरीज भर्ती किए जा रहे हैं। डॉ. अंजू अग्रवाल ने बताया कि डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टाफ की संख्या पूरी है। 200 बेड बढ़ाने का प्रस्ताव शासन को भेजा है। बेड बढ़ने से मरीजों को राहत मिलेगी। इसके बाद उन्होंने आईवीएफ सेन्टर, लेबर रूम, इमरजेन्सी, पोस्ट ऑपरेटिव रूम, वेन्टीलेटर यूनिट, रजिस्ट्रेशन काउन्टर, ओपीडी, किचन एवं टॉयलेट का निरीक्षण किया। मरीज व तीमारदारों से जानकारी हासिल की। दिक्कतों के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान 40 नवजात कन्याओं को बेबी किट बांटी। उन्होंने क्वीनमेरी में साफ-सफाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

इससे पहले डॉ. बबीता सिंह चौहान ने वीरांगना अवंतीबाई (डफरिन) अस्पताल का जायजा लिया। शासन की तरफ से मुहैया कराई जा रही सुविधाओं का हाल लिया। इलाज की व्यवस्था तथा टीकाकरण की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। डफरिन की इमरजेंसी ओपीडी, लेबर रूम, किचन, ओटी, एसएनसी वार्ड, एचडीयू व पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड का निरीक्षण किया गया।

वार्डों में भर्ती महिलाओं एवं शिशुओं से मिलकर उनकी सेहत का हाल लिया। नवजात कन्याओं का जन्मोत्सव भी मनाया गया। अध्यक्ष ने अस्पताल परिसर में जनसुविधा केन्द्र खोलने के निर्देश दिए।

क्वीनमेरी में प्रसूता को किट देतीं महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान।

सिटी ब्रीफ

चाकू के बल पर दो बहनों से छेड़छाड़, धमकाया

अमृत विचार, लखनऊ : थाना क्षेत्र में रहने वाली विधवा दवा कंपनी में काम करती है। बड़ी बेटी कक्षा-6 व छोटी कक्षा-4 में पढ़ती हैं। महिला ने बताया कि मंगलवार को वह ड्यूटी पर गई थी। दो बेटियां घर में अकेली थी। इसी बीच गणेश घर में घुस आया और चाकू के बल पर डरा धमकाकर बेटियों के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर चाकू दिखाकर धमकाया और कहा कि यदि कहीं शिकायत की तो जान से मार देंगे। रात में जब महिला घर पहुंची तो दोनों बेटियों ने घटना बताई। महिला ने पारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

फ्लैट बेचने का झांसा देकर युवक से ऐंठे 11.50 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : सआदतगंज के सद्भावना क्लीनिक स्थित मातादीन रोड निवासी योगेश वर्मा फ्लैट खरीदने के लिए दिसंबर 2024 में ओमेक्स रेजीडेंसी अर्जुनगंज निवासी समीर कुमार श्रीवास्तव से मिले। योगेश ने ओमेक्स न्यू हजरतगंज में अपने व बहन अंजली के नाम पर दो फ्लैट बुक करा कर कई बार में नकद व खाते में 11.50 लाख रुपये दिए। प्लैट न मिलने पर रुपये मांगे, लेकिन चेक बाउंस हो गए। योगेश बहन के साथ समीर के फ्लैट पर पहुंचे। वहां पता चला कि फ्लैट किसी कमलेश द्विवेदी का है। इसके बाद योगेश ने डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल से शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर समीर कुमार श्रीवास्तव के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस चौकी के पास शराब पीते हैं नशेड़ी

अमृत विचार, लखनऊ : पारा थाना क्षेत्र के बुद्धेश्वर चौकी के पास शराब की दुकान के बाहर लोग बैठकर शराब पीते हैं। नशेड़ी आने जाने वाली महिलाओं पर फब्तियां कसते हैं। इससे उन्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। पुलिस चौकी के पास इस तरह की घटनाएं होने से स्थानी लोगों में नाराजगी है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बुद्धेश्वर से दुबग्गा रोड के बीच स्थित शराब की दुकान के सामने लोग खुले में शराब पीते हैं।लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग के अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। इस संबंध में उप आबकारी आयुक्त राजेश कुमार सिंह ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है। आबकारी निरीक्षकों को आदेशित किया गया है कि कहीं भी नियमों का उल्लघंन न किया जाये और नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्लॉट के नाम पर सैन्यकर्मी से हड़पे 11.31 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : आवासीय योजना के नाम पर फर्जीवाड़ा करने वाली एचके इंफ्राविजन कंपनी के बिल्डर भाइयों के खिलाफ धोखाधड़ी की एक और रिपोर्ट मोहनलालगंज कोतवाली में दर्ज की गई है। बिहार के छपरा निवासी सैन्यकर्मी अमित कुमार ने बताया कि सितंबर 2019 में जमीन खरीदने के लिए एचके इंफ्राविजन कंपनी में संपर्क किया। निदेशक भाइयों प्रमोद कुमार उपाध्याय व विनोद उपाध्याय से मोहनलालगंज के मऊ गांव स्थित कान्हा उपवन वैली में 1250 वर्ग फीट का प्लॉट खरीदा था। जिसके एवज में 11.31 लाख रुपये दिए थे। बैनामे में बिल्डर भाइयों ने 9.31 लाख रुपये ही दिखाया। विरोध पर जमीन देने की बात कही। कब्जे की बात पर छह साल टालमटोल की। दबाव डालने पर मार्च 2025 तक का समय मांगा। उसके बाद फोन उठाना बंद कर दिया।अमित की तहरीर पर पुलिस ने प्रमोद और विनोद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी प्रमोद, उसकी पत्नी व भाई विनोद ठगी के मामले में जेल में बंद हैं।

जीप का असली पार्ट निकालकर लगाया नकली

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर कोतवाली में जीप मालिक ने मिस्त्री पर सर्विस के दौरान गाड़ी के असली पार्ट बदलकर नकली कलपुर्जे लगा देने और तीन लाख रुपए ऑनलाइन लेने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है। कानपुर रोड ट्रांसपोर्ट नगर सुलभ आवास योजना आश्रम निवासी अमन राज पाल ने अपनी जीप कंपास सर्विस और डेंटिंग पेंटिंग के लिए ओल्ड सरदारी खेड़ा बस स्टैंड के पास मैकेनिक फैसल खान को 25 जुलाई को दिया था। आरोप है कि मिस्त्री ने गाड़ी के असली और सही पार्ट्स निकालकर दूसरी गाड़ियों के पार्ट्स लगा दिए। जिससे गाड़ी में करीब दो लाख रुपये का नुकसान हुआ। यही नहीं आरोपी ने गाड़ी सर्विस और डेंटपेंट के नाम पर ऑनलाइन तीन लाख रुपए ट्रांसफर भी करा लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अतिक्रमण और सड़क के गड्ढों ने ले ली युवक की जान

सरोजनीनगर में हुआ हादसा, आक्रोशित स्थानीय लोगों ने जाम लगाकर किया हंगामा, एसीपी ने आश्वासन दे कराया शांत

संवाददाता, सरोजनीनगर

- जर्जर सड़क पर बेकाबू हुए टैंकर ने स्कूटी सवार को रौंद दिया

अमृत विचार : कानपुर रोड स्थित कान्हा उपवन के पास बुधवार को अतिक्रमण और सड़क के गड्ढों के कारण स्कूटी सवार अस्पताल कर्मी की जान चली गई। पानी से भरे सड़क के गड्ढों में असंतुलित होकर टैंकर ने उसे रौंद दिया। हादसे से आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंचे एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने सड़क निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी को पत्र भेजने, सड़क किनारे खड़े होने वाले वाहनों पर कार्रवाई और ट्रैफिक पुलिस की दिनभर गश्त लगाने का आश्वासन देकर लोगों को शांत कराया। इसके सरोजनीनगर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मूल रूप से गोंडा के बनगांव निवासी अंकित कुमार (30) टीएस मिश्रा अस्पताल में टीपीए एग्जीक्यूटिव थे। वह पत्नी और दो बच्चों के साथ सरोजनीनगर में अमौसी रेलवे स्टेशन के पास किराए पर रह रहे थे। बुधवार दोपहर करीब 3 बजे अंकित स्कूटी से नादरगंज तिराहे से अमौसी रेलवे स्टेशन जाने वाली रोड होते हुए घर जा रहे थे। कान्हा उपवन के पास एलपीजी गैस टैंकर (कैप्सूल) ने स्कूटी में टक्कर मार दी। सड़क पर गिरे अंकित को कुचलता हुआ टैंकर निकल गया। इससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक टैंकर छोड़कर भाग गया। हादसे से आक्रोशित लोगों ने लोगों ने सड़क पर हंगामा शुरु कर दिया। उनका कहना था कि क्षतिग्रस्त पर बड़े गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों में जलभराव के बाद भी भारी वाहन तेजी से निकलते हैं। फैक्ट्री और वेयर हाउसों के भारी वाहन सड़क पर दोनों तरफ खड़े रहते हैं। सड़क संकरी और जर्जर होने के कारण हादसे होते हैं।

मृतक अंकित

हादसे में युवक की मौत के बाद सड़क पर प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

महिला की मौत, दहेज हत्या का आरोप

अमृत विचार, आलमबाग : मानकनगर इलाके में महिला की मंगलवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। पिता ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

मंगलखेड़ा निवासी निजी कंपनी कर्मी रोहित पत्नी दीपा (35) और दो बच्चों संग रहते थे। मंगलवार को दीपा की हालत बिगड़ने लगी। आनन-फानन उसे चंदर नगर स्थित अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचे पिता महेश वर्मा निवासी रानीगंज नाका ने दामाद रोहित व उसके घरवालों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पिता ने बताया कि सात वर्ष पहले दीपा की शादी की थी। शादी के बाद से बेटी के ससुरालवाले दो लाख रुपये की मांग कर रहे थे। मांग पूरी न होने पर प्रताड़ित किया जा रहा था।

घर के गेट पर खड़ी वृद्धा से चेन लूटी

संवाददाता, आलमबाग

अमृत विचार : कृष्णानगर के एलडीए कॉलोनी में मंगलवार दोपहर घर के गेट पर खड़ी बुजुर्ग महिला की चेन बाइक सवार बदमाश ने लूट ली। बेटे की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

एलडीए कॉलोनी सेक्टर-डी निवासी राम कुमार चौधरी ने बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12 उनकी बूढ़ी मां ललिता देवी घर के गेट पर खड़ी थी। इसी बीच बाइक सवार उनके पास आया और झपट्टा मारकर चेन खींच ली। ललिता ने शोर मचाया तो परिजन व पड़ोसी दौड़े। उससे पहले बदमाश फर्राटा भरते हुए फरार हो गया।

इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इवनिंग वॉक पर निकले युवक से मोबाइल लूट

अमृत विचार, पीजीआई : वृंदावन योजना के सेक्टर-18 स्थित सपना इंक्लेव निवासी जयप्रकाश उपाध्याय सोमवार रात करीब 9:30 बजे एपेक्स ट्रॉमा सेंटर से टहलते हुए घर लौट रहे थे। इसी बीच बाइक पर सवार दो युवक आए और झपट्टा मारकर उनका मोबाइल छीन लिया। शोर मचाते हुए जयप्रकाश ने कुछ दूर तक बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन दोनों रायबरेली रोड की ओर फरार हो गए। पीड़ित ने थाने पहुंचकर तहरीर दी। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने गश्त के नाम पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मदद के बहाने मोबाइल उड़ा ले गए

अमृत विचार, पीजीआई : वृंदावन योजना सेक्टर-10 में बंटी बबली गैंग ने मदद की बात कहकर युवक का मोबाइल लिया। मौका देख मोबाइल लेकर कार से आरोपी फरार हो गए। पीजीआई पुलिस ने छानबीन कर मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। राजीव नगर घोसियाना तेलीबाग निवासी शैलेश चौहान शनिवार शाम 4.30 से 5 बजे के बीच दोस्त से मिलकर लौट रहे थे। सिंह अस्पताल के पास कार में बैठे दो लड़के और दो लड़कियों ने उन्हें रोका और शैलेश से काल के लिए मोबाइल मांगा। शैलेश की नजर हटते ही चारों मोबाइल लेकर फरार हो गए।

लग्जरी गाड़ियों पर अशोक स्तंभ लगा ठगने वाला फर्जी आईएएस गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- चेकिंग के दौरान पुलिस को विजिटिंग कार्ड देते ही आया रडार पर
- खुद को केंद्रीय सचिव डॉयरेक्टर आईटी बनकर लेता था प्रोटोकॉल

अमृत विचार : वजीरगंज पुलिस ने बुधवार को कारगिल पार्क के पास से फर्जी आईएएस सौरभ त्रिपाठी को गिरफ्तार किया है। छानबीन में सामने आया कि फर्जी आईएएस कई सालों से खुद को केंद्रीय सचिव डायरेक्टर आईटी बताकर विभिन्न राज्यों और जनपदों के अफसरों को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की फर्जी आईडी से मेल करके वीवीआईपी प्रोटोकाल और ब्यूरोक्रेसी से जुड़ी सुविधाएं लेता था। साथ ही कर्मचारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग और ठेके दिलाने के लिए भी अधिकारियों को कॉल कर दबाव बनाता था। लिए भी फोन कर अफसरों पर दबाव बनाता था। पुलिस ने उसके पास से अशोक स्तंभ लगी, भारत सरकार व उत्तर प्रदेश सरकार लिखी छह लग्जरी गाड़ियां और जाली दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

सौरभ त्रिपाठी

डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि मूल रूप से मऊ जिले के सराय लखंसी निवासी आरोपी सौरभ त्रिपाठी यहां गोमतीनगर विस्तार में शालीमार वन वर्ड बिलगेडियर कोट में रह रहा है। साथ ही नोएडा सेक्टर-35 गरिमा विहार में भी उसका एक आवास है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बरामद सचिवालय पास की जानकारी की गयी तो वह जाली मिला। फर्जी आईएएस सरकारी अफसरों की बैठकों में कई बार शामिल हुआ। उत्तराखंड, बिहार समेत कई राज्यों में आयोजित समारोहों में बतौर अतिथि पहुंचा।डीसीपी ने बताया कि इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी सुबह चेकिंग कर रहे थे। इस बीच एक इनोवा क्रिस्टा को रोकने का प्रयास किया तो चालक ने गाड़ी भगाने की कोशिश की। पुलिस द्वारा रोके जाने पर पीछे बैठा सौरभ भड़क गया। उसने खुद को आईएएस (केंद्रीय सचिव डायरेक्टर आईटी) बताते हुए इंस्पेक्टर को रौब में लेने की कोशिश की। इसके बाद तुरंत अपना विजिटिंग कार्ड दे दिया। विजिटिंग कार्ड देने पर इंस्पेक्टर को शक हुआ। इंस्पेक्टर ने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी।

नगर विकास यूपी की बैठक में भी शामिल हुआ था जालसाज

- छानबीन में सामने आया कि जालसाज सौरभ बिना किसी टोकाटाकी के सचिवालय जाता था। वह नगर विकास उत्तर प्रदेश के अधिकारियों की बैठकों में भी शामिल हुआ। कई विभागों में उसकी ऊंची पहुंच थी। अधिकारियों के सरकारी काम में भी दखल देता था। उन पर ट्रांसफर पोस्टिंग तक का दबाव बनाता था। वजीरगंज पुलिस ने कई विभागों को पत्र लिखकर उनसे फर्जी आईएएस के संबंध में डिटेल मांगी है।

उत्तराखंड, बिहार के कई बड़े समारोह में बना मुख्य अतिथि

- इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जालसाज सौरभ केंद्रीय सचिव डायरेक्टर आईटी बनकर उत्तराखंड के नैनीताल में एक उदघाटन समारोह में शामिल हुआ था। उसने कार्यक्रम से संबंधित फोटो और डिटेल 19 जून 2024 को दोपहर 12:44 बजे अपने एक्स हैंडल @ Saurabh_IAAS पर पोस्ट भी किया। पटना में रंग संस्था इमैजिनेशन के छठे पांच दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य समारोह में वह बतौर मुख्य अतिथि बनकर पहुंचा था। यही नहीं रौब से मंच पर बैठकर रंग कर्मियों को सम्मानित भी किया था।

यह हुआ बरामद

- पुलिस ने आरोपी के पास से तीन इनोवा क्रिस्टा, करीब 3 करोड़ की रेंज रोवर डेफेंडर, मर्सडीज बेंज समेत छह लक्जरी कार, तीन लाल-नीली बत्ती, अशोक स्तंभ, दो मोबाइल, 11,097 रुपये, आठ एटीएम कार्ड, तीन जाली पहचान पत्र, जाली सचिवालय पास, लैपटाप, पैन ड्राइव, विभिन्न तिथियों में व्यय किए गए रुपयों से संबंधित दस्तावेज व अन्य सामान बरामद किया है। किसी कार में भारत सरकार तो किसी में उत्तर प्रदेश सरकार लिखा है।

त्योहारों पर कोई नई परंपरा कायम न करें

संवाददाता, माल

अमृत विचार : माल थाना परिसर में बुधवार को सहायक पुलिस आयुक्त मलिहाबाद सुजीत कुमार दुबे की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। इसमें सहायक आयुक्त ने त्योहार शांतिपूर्वक मनाने की अपील की। उन्होंने थाना क्षेत्र के सभ्रांत लोगों से शांति और सौहार्द बनाए रखने में सहयोग की अपील भी की। कहा, ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे दूसरे को परेशानी हो।

सहायक आयुक्त ने बताया कि बारावफात, दुर्गा पूजा, दशहरा व अन्य त्योहार आने वाले हैं। इनमें कोई भी नई परंपरा कायम न की जाए। उन्होंने कहा कि, सोशल मीडिया पर किसी तरह की भड़काऊ और आपत्तिजनक पोस्ट न करें। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि शासन की गाइडलाइन और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें। सहायक आयुक्त ने थाना प्रभारी से अराजकतत्वों को चिन्हित कर पाबंद करने के निर्देश भी दिए। बैठक में थाना क्षेत्र के सभ्रांत लोग, इंस्पेक्टर नवाब अहमद व पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

माल थाने में शांति समिति की बैठक में लोगों को संबोधित करते सहायक पुलिस आयुक्त।

- माल थाने में हुई शांति समिति की बैठक में सहायक पुलिस आयुक्त ने की अपील

एफबी पर फंसा कर युवती से ठगे 5.24 लाख रुपये

संवाददाता, आशियाना

- पीड़िता ने आशियाना थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : फेसबुक पर दोस्ती और यूके में नौकरी का लालच देकर जालसाज ने युवती से 5.24 लाख ऐंठ लिए। युवती ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

भदरूख निवासी बिटाना रावत ने बताया कि कुछ माह पहले फेसबुक पर अमनप्रीत नामक की आईडी से रिक्वेस्ट आई। रिक्वेस्ट स्वीकार कर मैसेंजर करने लगी। अमनप्रीत ने खुद को यूके निवासी बताया। बिटाना ने भी यूके में नौकरी की इच्छा जताई तो परमीशन लेटर व टिकट के फोटो व्हाट्सएप पर भेजे। 15 जून को लंदन से दिल्ली फ्लाइट का टिकट व एयरपोर्ट का वीडियो भेजकर भारत आने का भरोसा दिलाया। 16 जून को फोन कर कहा कि, कस्टम वालों ने डॉलर और सोने के साथ पकड़ लिया है। छुड़ाने के लिए 3.50 लाख चाहिए। बिटाना ने रुपये उसके खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद पुलिस चेकिंग में गाड़ी फंसने पर गिरफ्तारी की बात कह 1.50 लाख रुपये और वसूले। फिर टायर फटने और होटल खर्च के बहाने 24 हजार ट्रांसफर कराए। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है।

लिफ्ट देकर महिला से जेवर और नकदी लूटी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 17 किलोमीटर दूर कार से धक्का देकर सड़क पर फेंक भाग गए
- पीड़िता की तहरीर पर मलिहाबाद कोतवाली पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

अमृत विचार : दुबग्गा में सीतापुर बाईपास पर सवारी का इंतजार कर रही संडीला की महिला को कार चालक ने बैठाया। फिर चलती कार में मारपीट कर लाखों के जेवर व हजारों रुपये लूट लिए। 17 किलोमीटर आगे ले जाकर कार से धक्का देकर सड़क पर गिराकर भाग गए। महिला की सूचना पर पुलिस ने छानबीन कर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संडीला के पूर्व बाग ग्राम मलहेरा निवासी गीता कनौजिया 1 सितंबर को लखनऊ से घर लौट रही थी। सुबह करीब 11 बजे वह दुबग्गा स्थित सीतापुर बाईपास पर सवारी वाहन के इंतजार में खड़ी थी। इसी बीच हरदोई की आवाज देकर सफेद रंग की कार के चालक ने वाहन रोक दिया। संडीला तक 50 रुपये किराया तय कर गीता कार में बैठ गई।

कार में दो पुरुष व एक महिला सवार थी। कुछ दूर जाने पर कार सवारों ने गीता से जेवर व रुपये मांगे। मना करने पर पीटा। शोर मचाने की कोशिश करने पर मुंह दबाकर जान से मारने की धमकी दी। बदमाशों ने मंगलसूत्र, टॉप्स, बैग में रखी दो चेन व 12 हजार रुपये लूट लिए। इसके बाद करीब 17 किलोमीटर दूर मलिहाबाद चौराहे के आगे सरावां गांव के पास धक्का देकर कार से नीचे फेंक दिया। बदमाश कार लेकर हरदोई की तरफ भाग निकले।

पीड़िता ने डॉयल-112 पर पुलिस व परिजन को सूचना दी। कुछ देर में पुलिस और परिजन भी पहुंच गए। घटनास्थल पर छानबीन के बाद पुलिस ने गीता की तहरीर पर दो पुरुष व एक महिला के खिलाफ हमला कर लूट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर मलिहाबाद सुरेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल से मलिहाबाद तक के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही सर्विलांस की मदद भी ली जा रही है।

मकान में घुसा चोर, घिरने पर बाइक छोड़कर भागा

- **अमृत विचार, पीजीआई :** वृंदावन योजना सेक्टर-8 में आधी रात उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक शातिर चोर मकान में घुस आया। रुपये चोरी कर भागने के दौरान चोर की बाइक मौके पर ही छूट गयी। पीजीआई पुलिस ने बाइक को कब्जे में लेकर सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मकान में काम करने वाले प्रदीप निषाद ने बताया कि 12 अगस्त को वह साथी संग ऊपर सो रहा था। इसी बीच एक चोर अंदर आया और 12 हजार रुपये लेकर भागने लगा। इसी दौरान कामगारों की नींद खुल गई। दोनों ने मिलकर चोर को दबोचने की कोशिश की, लेकिन बदमाश छत से कूदकर दीवार लांघकर भाग निकला। कामगारों ने पीछा करते हुए ईंट भी मारी, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद भी भागने में कामयाब हो गया। मौके पर मिली चोर की पल्सर बाइक पर कोई नंबर प्लेट नहीं लगी है।

गोदाम से लाखों के टावर उपकरण चोरी

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के बिरूरा गांव में विवेक कुमार पटेल ने कृष्ण पाल सिंह यादव के मकान में गोदाम बना रखा था। जिसमें टावर से जुड़े महंगे उपकरण रखे रहते हैं। 12 अगस्त को वे अपने गांव बाराबंकी गए थे।

30 अगस्त को लौटे तो खुले में रखे कबाड़ के सामान में कई उपकरण गायब मिले। सीसीटीवी फुटेज और कर्मचारियों से पूछताछ में सामने आया कि 23 और 27 अगस्त को संदिग्ध लोग गोदाम में घुसे और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित ने मनोज, मोहित और बगल में कबाड़ का काम करने वाले बलवीर पर शक जताया है। बुधवार को पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अपराध | डीएफएफ व ओमेक्स के फ्लैटों में ली शरण, वकील की मदद से बनाए गए जाली रेंट एग्रीमेंट, गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज

टूरिस्ट वीजा पर आईं थाई व उज्बेकी महिलाएं कर रहीं अनैतिक काम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: थाईलैंड और उज्बेकिस्तान की महिलाओं को टूरिस्ट वीजा पर लखनऊ बुलाकर ओमेक्स व डीएलएफ के फ्लैटों में रुकवाया जा रहा है। उसके बाद महिलाएं स्पा की आड़ में अनैतिक कार्य को बढ़ावा दे रही हैं। लगातार कई विदेशियों के मामले सामने आने के बाद एफआरआरओ ब्यूरो ऑफ इमीग्रेशन ने रेंट एग्रीमेंट की जांच की तो अधिवक्ता सत्य प्रकाश का नाम सामने आया। पता चला कि आरोपी ने फर्जीवाड़ा कर अपनी मोहर का इस्तेमाल किया है। आरोप है कि इस सिंडिकेट में और लोग भी शामिल हैं। पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सिंह सेंगर के निर्देश पर गोमतीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय द्वारा तहरीर में बताया कि अधिवक्ता सत्य प्रकाश लखनऊ कलेक्ट्रेट में प्रैक्टिस करते हैं। आरोप है कि आरोपी सत्य प्रकाश ने कई गलत लोगों को नोटरी से संबंधित कार्य की सुविधा दी है। यही नहीं आरोपी ने नोटरी के पेपर को अपने नाम की मोहर के साथ सत्यापित भी किया है। सत्य प्रकाश के कई किराया समझौते के पेपर का सत्यापन किया गया तो जालसाजी के प्रमाण मिले।

आरोप है कि थाइलैंड की कई महिलाओं को बिजनेस वीजा के बहाने से लखनऊ बुलाया गया। जबकि उक्त महिलाएं लखनऊ के कई स्पा में काम करती मिली हैं। उक्त महिलाओं को स्वदेश भेजते हुए भविष्य में भारत आने पर ही ब्लैकलिस्ट कर दिया गया। इसी तरह उज्बेकिस्तान की महिलाओं को 2018 और 2020 से लखनऊ में ओमेक्स व डीएलएफ बिल्डरों के कई फ्लैटों पर बिना पर्यटक वीजा पर आवास दिलाया गया। इस बात की जानकारी प्रवर्तन एजेंसियों को भी नहीं दी गयी।

आरोप है कि यह अंतरराष्ट्रीय रैकेट भारतीय एजेंटों और सहयोगियों की मदद से उज्बेकिस्तान की महिलाओं के अनैतिक कार्य को बढ़ावा दे रहे हैं। एफआरआरओ को इसके प्रमाण सत्य प्रकाश के कई किराया समझौते में मिले हैं। आरोप है कि साजिश के चलते सत्य प्रकाश स्टांप में दर्ज पंजीकरण में मामूली बदलाव कर कई स्टांप का इस्तेमाल कर हेराफेरी कर रहे हैं। एडिशनल इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एआई से अश्लील फोटो बना महिला को किया बदनाम

- **अमृत विचार, पीजीआई :** थाना क्षेत्र में एक महिला और उसके वकील को बदनाम करने के लिए दूसरे पक्ष ने एआई का सहारा लिया। आरोपी ने महिला की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर वायरल कर दी। साथ ही वकील पर भी जातिसूचक टिप्पणी और धमकी देने का आरोप है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल के आदेश पर पीजीआई पुलिस ने दोनों पीड़ितों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि पीड़िता ने सोनाली ठाकुर, सुनील यादव और अवंतिका के खिलाफ कोर्ट में केस किया था। जानकारी होने के बाद विपक्षीगण ने उन्हें मानसिक रूप से परेशान करना शुरू कर दिया। आरोप है कि विपक्षी पक्ष ने एआई की मदद से उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें बनाकर उसके परिचितों और रिश्तेदारों को भेज दी। पीड़िता ने शिकायत की थी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। उल्टा उनके खिलाफ ही आईटी एक्ट की एफआईआर दर्ज कर दी गई, जिसके चलते उन्हें हाईकोर्ट जाना पड़ा था।

एमओयू पर हस्ताक्षर के बाद फाइलें हस्तांतरित करते अधिकारी।

यूपीएसआईएफएस और एनएडीटी के बीच हुआ एमओयू

- **अमृत विचार, सरोजनीनगर :** सरोजनीनगर स्थित दरोगाखेड़ा में उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस (यूपीएसआईएफएस) और नेशनल एकेडमी ऑफ डायरेक्ट टैक्स (एनएडीटी) क्षेत्रीय परिसर, लखनऊ के बीच बुधवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर यूपीएसआईएफएस के संस्थापक निदेशक डॉ. जीके गोस्वामी और एनएडीटी, आरसी लखनऊ के एडिशनल डायरेक्टर जनरल डॉ. नील जैन (आईआरएस) ने हस्ताक्षर किए। डॉ. गोस्वामी ने कहा कि समझौते के माध्यम से अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण, बौद्धिक क्षमता निर्माण और शैक्षणिक सहयोग के नए अवसर तलाशे जाएंगे। डॉ. गोस्वामी ने डॉ. नील जैन को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। संयुक्त निदेशक अन्विक्षा शर्मा (आईआरएस), उप निदेशक चिरंजीब मुखर्जी, प्रशासनिक अधिकारी अतुल यादव, सहायक रजिस्ट्रार सीएम सिंह, डॉ. श्रुतिदास गुप्ता, डॉ. सपना शर्मा, डॉ. प्रीति, जनसंपर्क अधिकारी संतोष तिवारी, प्रतिसार निरीक्षक बृजेश सिंह मौजूद रहे।

सिटी ब्रीफ

डॉ. ठुकराल के संबोधन की सराहना

अमृत विचार, लखनऊ : कोलकाता में आयोजित भारतीय न्यूरोगैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एवं मोटिलिटी एसोसिएशन (आईएनएमए) के आठवें वार्षिक अधिवेशन में लखनऊ के वरिष्ठ न्यूरो-साइकाइट्रिस्ट डॉ .आरके ठुकराल के अध्यक्षीय भाषण की लोगों ने काफी सराहना की। अंतरराष्ट्रीय स्तर के इस अधिवेशन में डॉ. ठुकराल ने "डिसऑर्डर ऑफ गट–ब्रेन इंटरैक्शन (डीजीबीआई) में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के औषधीय उपचार" पर सारगर्भित विचार रखे। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रसिद्ध गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट प्रो. उदय सी घोषाल ने की। प्रो. महेश के गोयनका सहित देश-विदेश के अनेक वरिष्ठ विशेषज्ञों ने भी अपने संदर्भित विचार रखे। डॉ. ठुकराल अब तक करीब 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्हें 15 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है।

बलरामपुर गार्डन में पुस्तक मेला आज से

अमृत विचार, लखनऊ : अशोक मार्ग स्थित बलरामपुर गार्डन में 11 दिवसीय राष्ट्रीय पुस्तक मेला 4 सितंबर को शाम 5 बजे शुरू होगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इसका उद्घाटन करेंगी। विजन 2047 : विकसित भारत, विकसित प्रदेश की थीम पर आधारित इस पुस्तक मेले में राजकमल, लोकभारती, वाणी, भारतीय ज्ञानपीठ, प्रभात, राजकमल, सस्ता साहित्य मण्डल, प्रकाशन संस्थान, दिव्यांश व सेतु प्रकाशन जैसे पांच दर्जन से अधिक प्रकाशकों और वितरकों के लगभग सवा सौ स्टाल होंगे। मुख्य पंडाल साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियां मेले के समापन 14 सितंबर तक बाल और युवा गतिविधियों के साथ लगातार चलेंगी। हजारों पुस्तकों की विविध श्रृंखला में हिंदी, अंग्रेजी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में साहित्यिक, शैक्षणिक पुस्तकें, बाल साहित्य और दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह पाठकों के लिए उपलब्ध रहेगा।

23 को प्रदर्शन करेंगे कर्मचारी

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र राज्य कर्मचारी महासंघ की राज्य कमेटी की बैठक बुधवार को जयहिंद चबूतरा उदयगंज में हुई। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष कमल अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में पूर्वांचल व दक्षिणांचल डिस्कॉम को निजी हाथों में सौंपने की निंदा कर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आंदोलन का समर्थन किया गया। कहा, सरकार ने ओपीएस, 8वें पे कमीशन समेत कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र वार्ता नहीं की तो 23 सितंबर को प्रदर्शन किया जाएगा। बैठक में मुख्य वक्ता अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा रहे। एसपी सिंह, कमलेश मिश्रा, सत्यनारायण त्रिपाठी, पुनित त्रिपाठी, राम भजन मौर्य, संदीप पांडेय, मंसूर अली ने विचार रखे। संचालन राज्य महामंत्री अशोक सिंह ने किया।

सम्पत्ति विभाग के कर्मियों का धरना जारी

अमृत विचार, लखनऊ : सम्पत्ति विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों का धरना-प्रदर्शन गुरुवार को भी नगर निगम मुख्यालय परिसर में जारी रहा। नायब तहसीलदार और लेखपाल के खिलाफ मनमाने तरीके से एफआईआर दर्ज करने के खिलाफ उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए नारेबाजी की। उनका कहना था कि सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने गई टीम के नायब तहसीलदार व लेखपाल पर ही पुलिस ने उल्टा एफआईआर दर्ज कर दी। ऐसे में टीम का मनोबल पूरी तरह टूट गया है। जब तक एफआईआर निरस्त करने के साथ पुलिस अधिकारियों को हटाया नहीं जाएगा प्रदर्शन जारी रहेगा।

आज किसानों को वर्मी धन बांटकर करेंगे ब्रांडिंग

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत जिले की 150 ग्राम पंचायतें वर्मी कंमोस्ट से गोबर की खाद बनाकर ''वर्मी धन'' नाम से बिक्री करेंगी। गुरुवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी विशाख जी की अध्यक्षता में किसानों को निशुल्क खाद वितरित करके ब्रांडिंग की जाएगी। जिला पंचायत राज अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि शुरुआती दौर में 150 ग्राम पंचायतों के आरआरसी सेंटर में तीन माह से वर्मी कंपोस्ट लगाकर गोबर की खाद तैयार कराई है। गोबर आसपास की गोशालाओं व गांवों से एकत्र करते हैं। ये खाद रासायनिक उर्वरकों से सस्ती और कारगर है। खाद की कीमत 5 रुपये किलो रखी है। ग्राम पंचायतें 5, 10, 20 व 25 किलों के झोले में पैक करके स्वयं बिक्री करेंगी। खाद किसानों के अलावा वन विभाग, नर्सरी और कृषि विभाग को भी बेचेंगे।

सपाइयों ने घेरा भाजपा विधायक का आवास

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर टिप्पणी करने के विरोध में किया प्रदर्शन, पुलिस से नोकझोंक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने बुधवार को टोटियां लेकर भाजपा विधायक केतकी सिंह के आवास का घेराव कर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस की प्रदर्शनकारियों की तीखी नोकझोंक हुई। करीब 45 मिनट बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को बस में बैठाकर ईको गार्डन धरना स्थल भेज दिया

प्रदर्शनकारियों का नेतृत्व कर रहीं महिला सभा की प्रदेश उपाध्यक्ष नेहा सिंह ने बताया कि विधायक केतकी सिंह ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ अभद्र बयान था। उन्होंने कहा था कि, पहले टोटियां वापस करें, फिर सरकार से सवाल करें। केतकी सिंह लगातार अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर रही हैं। हम यहां उन्हें टोटी दान करने आए हैं, ताकि वह बार-बार इसका जिक्र न करें। उनकी भाषा में 2027 के चुनाव की हताशा झलक रही है। नेहा ने कहा कि, किसान, युवा, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था जैसे गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं। विधायक की नाबालिग बेटी ने सपा कार्यकर्ताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि मेरी मां बलिया में हैं, वहां जाकर सवाल करें। मुझे डराने की कोशिश न करें, मेरी मां आप लोगों को जवाब देंगी।

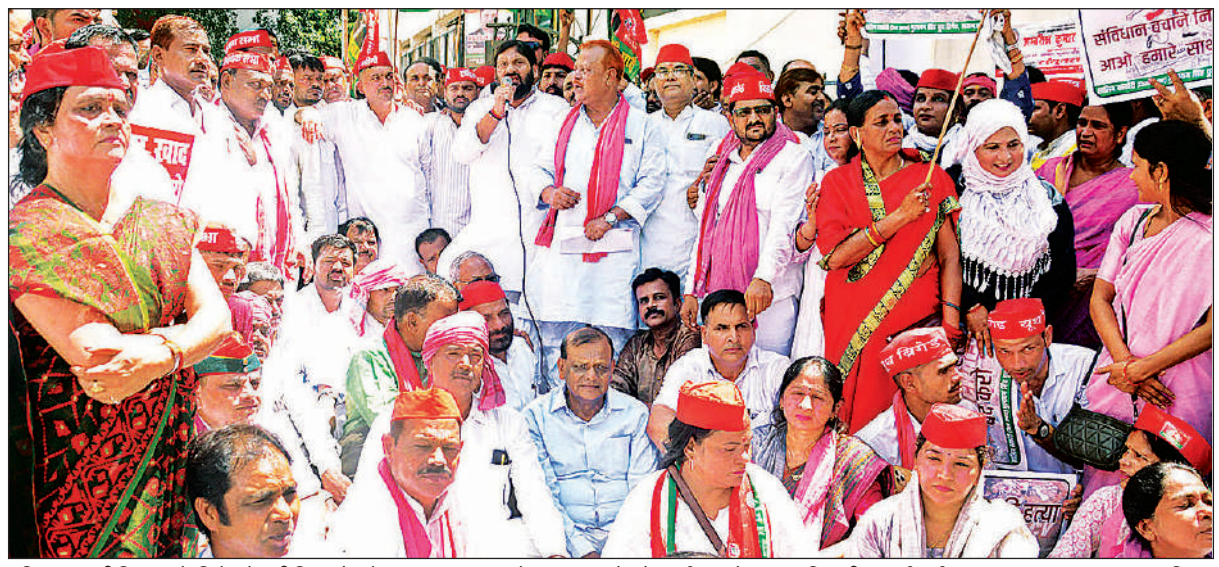

यूरिया खाद की किल्लत के विरोध में जूही सिंह और मोहनलालगंज सांसद के साथ कलक्ट्रेट में प्रदर्शन करते सपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता। -अमृत विचार

सिर पर खाद की बोरी लेकर प्रदर्शन में शामिल सपाई। अमृत विचार

सिर पर यूरिया की बोरी रख कलक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

- **अमृत विचार, लखनऊ :** समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। सिर पर यूरिया की बोरी रख गेट के सामने सड़क पर नारेबाजी की। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं ने यूरिया खाद चोर गद्दी छोड़ के नारे लगाए। प्रदर्शन में सपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता जूही सिंह, मोहनलालगंज सांसद आरके चौधरी सहित बड़ी संख्या में यूथ ब्रिगेड, महिला सभा और युवा मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि दारू 24 घंटे उपलब्ध है लेकिन किसान खाद के लिए लाइन में लगा है। सपा की राष्ट्रीय प्रवक्ता जूही सिंह ने कहा कि सरकार किसान विरोधी है। किसानों को खाद नहीं मिल रही है। यूरिया के लिए किसान सुबह से शाम तक सड़क पर खड़ा है। उन्होंने जिलाधिकारी विशाख जी को ज्ञापन देते हुए कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा हम सड़कों पर उतरेंगे।

राजभवन घेरने पहुंचे सपा छात्र नेता, पुलिस से हुई नोकझोंक

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राष्ट्रीय प्रवक्ता जूही सिंह सहित मोहनलालगंज सांसद भी रहे मौजूद

अमृत विचार : रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में छात्रों और एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को सपा छात्रसभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर राजभवन का घेराव करने की कोशिश की। कुछ प्रदर्शनकारी पुलिस की गाड़ियों पर चढ़ गए, जिससे तनाव की स्थिति बन गई।

पुलिस ने उन्हें जबरन गाड़ियों में बैठाकर गार्डन धरना स्थल भेज दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे। जरूरत पड़ी तो दिल्ली तक आंदोलन करेंगे। छात्रों ने आरोप लगाया कि रामस्वरूप यूनिवर्सिटी को एलएलबी की डिग्री देने की मान्यता नहीं है, लेकिन फर्जी डिग्रियां दी जा रही हैं। छात्रों पर 500 रुपये का अनावश्यक जुर्माना लगाया जा रहा है।

विरोध करने पर एबीवीपी के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया। सपाइयों ने कहा कि वह एबीवीपी कार्यकर्ताओं के साथ खड़े हैं, क्योंकि ये छात्रहित की लड़ाई है। पुलिस प्रशासन छात्रों को दबाने के लिए दमन का रास्ता अपना रहा है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सपाइयों को राजभवन की ओर जाने से रोकते पुलिसकर्मी।

नृत्य नाटिका में दिखाई एकदंत की लीला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गोमती तट स्थित झूलेलाल वाटिका में चल रहे गणेश प्राकट्य कमेटी के गणेशोत्सव में बुधवार को एकदंत की कथा पर नृत्य नाटिका का मंचन किया गया।

कोलकाता के संजय शर्मा के निर्देशन में की गई नृत्य नाटिका में दिखाया कि परशुराम को गणेश जी ने पराजित कर दिया। जिससे परशुराम और भी क्रोधित हो गए। गुस्से में उन्होंने अपने फरसे से गणेश जी पर प्रहार कर दिया, जिससे उनका एक दांत टूट गया। इन कथाओं से यह स्पष्ट होता है कि गणपति का एकदंत स्वरूप केवल एक शारीरिक विशेषता नहीं, बल्कि उनके साहस, त्याग और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है। बाद में श्री गणेश के विभिन्न रूपों के साथ नृत्य प्रस्तुत किया गया।

राजस्थान के बाबा गंगाराम एक अद्भुत दरबार की प्रस्तुति लोगों को पसंद आई। भजन गायक संजय ने आपकी कृपा से मेरा सब काम हो रहा है..., तेरे दर पे आ के मुझे क्या मिला है... और तुमसे बढ़कर कोई नहीं गणपति... जैसे भजन सुनाकर लोगों को भक्ति के भाव से भर दिया। कमेटी के संरक्षक भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि 4 सितम्बर को देवघर के प्रसिद्ध भजन गायक मनोज अजीत बप्पा के दरबार में भजन सुनाएंगे।

इस मौके पर प्रमुख लोगों में भारत भूषण गुप्ता, घनश्यामदास अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, शरद अग्रवाल, योगेश बंसल, अखिलेश बंसल, पार्षद रंजीत सिंह, संजय अग्रवाल, देशराज अग्रवाल, संजय सिंह गांधी, अतुल बंसल, रामशंकर वर्मा, गोपाल अग्रवाल, अजय अग्रवाल, जयकरन, सुधांशु बाथम, नरेश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अतुल, रोहित महानगर, महिलाओं में संध्या बंसल, अंजू गुप्ता, उषा अग्रवाल, कविता अग्रवाल, रुक्मणी अग्रवाल, अंशु बंसल, वीमी बंसल, नेहा बंसल, नीरजा सिंह और अनुराधा गोयल आदि की मौजूदगी रही।

गणेश जी की मूर्ति विसर्जित करने जाते भक्त।

बप्पा का किया मखाने से अभिषेक

- हीवेट रोड (शिवाजी मार्ग) पर आस्कर योग साई कृपा सेवा संस्थान की ओर से चल रहे श्री श्री गणेश उत्सव में बुधवार को शिवाजी मार्ग के राजा का भव्य श्रृंगार करने के साथ ही आरती की गयी। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे। 1008 मखाने से गणपति बप्पा का अभिषेक किया गया। इसमें सुनील अग्रवाल पत्नी के साथ मौजूद रहे। अभिषेक में दिव्यांश शुक्ला, ओम प्रजापति, सुषमा पवार, सुमन पवार, गणेश शंकर पवार आदि ने सहयोग किया। शाम को सिद्धिविनायक की तर्ज पर गजानन की भव्य आरती की गई, जिसमें भक्तों ने बप्पा की जय-जयकार की।

राधाकृष्णन की जयंती पर वेबिनार में रखे विचार

अमृत विचार, लखनऊ : मौलाना आज़ाद मेमोरियल अकादमी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति, शिक्षाविद् और दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती (शिक्षक दिवस) के उपलक्ष्य में वेबिनार का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन और शिक्षा में डॉ. राधाकृष्णन और मौलाना आज़ाद का दृष्टिकोण विषय पर हुए वेबिनार में बतौर मुख्य अतिथि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. शाफे किदवई ने विचार रखे। रांची विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. जमशेद क़मर ने विषय का परिचय कराया। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रो. आमिर रियाज़, करामत मुस्लिम गर्ल्स पीजी कालेज की प्रो. जहांआरा, आम्बेडकर विश्वविद्यालय के प्रो. रुद्र प्रसाद साहू, लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. मनोज पांडे और मौलाना आजाद स्टडी सर्किल रांची के अध्यक्ष शहनवाज़ ख़ान ने भी विचार व्यक्त किए।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. शारिक अलीवी ने कहा कि नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों की वैचारिक और नैतिक धरोहर से अवगत कराना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

पितृ पक्ष 7 से, 21 को होगा समापन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पितरों का श्राद्ध, तर्पण और किया जाता है पिंडदान

अमृत विचार: भाद्रपद माह की पूर्णिमा 7 सितंबर को है। इसी दिन से पितृ पक्ष की शुरुआत होगी। 21 सितंबर को आश्विन मास की अमावस्या के साथ पितृपक्ष का समापन होगा। अमावस्या को अज्ञात पितरों का श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान किया जाता है।

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने कहा कि, मान्यता है कि पितृ पक्ष में पितरों की आत्माएं परिजनों से मिलने पृथ्वी पर आती हैं। संतुष्टि के लिए तर्पण, श्राद्ध व पिंडदान किया जाता है। परिवार को पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है। पितृ कर्म के लिए दिन के 11:36 से 12:24 तक कुतुप काल, 12:24 से 1:12 तक रोहिण काल और 1:12 से 3:55 तक अपराह्न काल को श्रेष्ठ माना गया है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि आश्विन कृष्ण प्रतिपदा को नाना-नानी, पंचमी को अविवाहित पितरों, नवमी को सौभाग्यवती स्त्रियों, एकादशी-द्वादशी को संन्यासियों व चतुर्दशी को अकाल मृतकों का श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में हरिवंश पुराण, पितृ गायत्री मंत्र का पाठ और गया या त्र्यंबकेश्वर में पिंडदान करने से विशेष पुण्य मिलता है। इस अवधि में घर आए किसी भी व्यक्ति या प्राणी का अनादर नहीं करना चाहिए। उन्हें यथासंभव भोजन कराना पुण्यकारी माना गया है। इस दौरान नए कपड़े, भूमि, भवन व सभी मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।

सिटी डायरी

मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली।

मोहम्मद साहब दुनिया के लिए रहमत बनकर आए : खालिद रशीद

अमृत विचार, लखनऊ : पैगम्बर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन के मौके पर इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया की ओर से जलसा सीरतुन्नबी व सीरत-ए-सहाबा का आयोजन किया गया। इमाम ईदगाह और इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब की सीरत का सबसे रौशन विषय रहमत है। अल्लाह ने उन्हें पूरी दुनिया के लिए रहमत बनाकर भेजा। दारुल उलूम फिरंगी महल में आयोजित जलसे में मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब इंसानों के दु:ख-दर्द व परेशानियों को न सिर्फ समझते थे बल्कि उनके दुखों में शरीक भी होते थे। मोहम्मद साहब ने कहा था कि जो दूसरों पर रहम और मेहरबानी नहीं करता वह खुद रहमत से महरूम रहेगा।

कार्यक्रम में शामिल चिकित्सक व फिक्की फ्लो के सदस्य।

स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की ओर से गोमतीनगर के निजी अस्पताल में ' 'महिलाओं का सशक्तिकरण, स्वास्थ्य में सुधार– सशक्तीकरण की शक्ति'' विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। फ्लो की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल ने बताया कि इसमें डॉ. राम कीर्ति सरन (कार्डियोलॉजी), डॉ. अनूप कुमार (न्यूरोलॉजी), और डॉ. सैफ नबी शाह (ऑर्थोपेडिक्स) ने विचार साझा किए। इस मौके पर लोगों का निशुल्क बीएमडी का परीक्षण भी किया गया। डॉ. अर्पिता आनंद, शिल्पा गुप्ता, सिमरन साहनी, देवांशी सेठ, ज्योत्सना हबीबुल्ला समेत 70 से अधिक फ्लो सदस्यों ने भाग लिया।

उत्तम तप धर्म का पूजन करते जैन धर्मावलंबी।

उत्तम तप धर्म का किया पूजन

अमृत विचार, लखनऊ : दशलक्षण पर्व के 7वें दिन उत्तम तप धर्म का पूजन जैन मंदिरों में किया गया। जैन मान्यता के अनुसार प्रत्येक श्रावक के 6 आवश्यक कार्य देव वंदना, गुरुपास्ती, स्वाध्याय, संयम, तप और दान बताए गए हैं। जैन समाज के महामंत्री अभिषेक जैन ने बताया कि उत्तम तप के पावन दिन पर मौजूद धर्मावलंबियों ने मंदिर मे चल रहे धर्मार्थ औषधालय की व्यवस्था में दान कर सहयोग दिया और यह संकल्प भी लिया कि जरूरतमंद को हर संभव इलाज मुहैया कराने में सहयोगी बनेंगे। जैन समाज के अध्यक्ष पवन जैन ने आह्वान किया कि प्रत्येक जैन दशलक्षण के शेष दिनों में तीर्थंकर का अभिषेक करने का पूरा प्रयास करें।

व्यापारी संगठन | अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के स्थापना दिवस पर हुआ समारोह

व्यापारी के बिना समाज की संरचना संभव नहीं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि व्यापारी के बिना समाज की संरचना नहीं हो सकती और ना ही समाज का संचालन, क्योंकि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आज सीमा के बजाय विश्व में अर्थव्यवस्था की लड़ाई चल रही है जिसमें भारत के उद्यमी-व्यापारी अग्रणी भूमिका निभाते हुए देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहे हैं। डिप्टी सीएम बुधवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के 32 वें स्थापना दिवस पर ऐशबाग रामलीला ग्राउंड स्थित तुलसी भवन में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में यह कार्यक्रम प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित किए गए।

व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों को सम्मान दिलाना है। संगठन की मांग पर प्रदेश की योगी सरकार ने 29 जून को भामाशाह जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में घोषित किया। लोक भवन में समारोह आयोजन कर प्रदेश के व्यापारियों को सम्मान दिया।

उन्होंने कहा कि अंग्रेज के समय से बने कानून अब समाप्त होने चाहिए। देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और अमेरिकी सरकार को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए विदेशी सामानों के बजाय भारतीय वस्तुओं का इस्तेमाल प्रत्येक नागरिक को करना चाहिए। इसका संकल्प व्यापारी समाज ने लिया है। भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए व्यापारी समाज को आगे आना होगा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय मंत्री प्रदीप अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष रिपन कंसल, लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, महिला प्रदेश अध्यक्ष अनीता जायसवाल, महामंत्री एकता अग्रवाल, राजीव बंसल, राजीव कक्कड़, अनुज गौतम, आकाश गौतम, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा अध्यक्ष अश्वन वर्मा, दीपेश गुप्ता, हरीश मालानी, राजीव अरोड़ा, रमेश शुक्ला, रामकृष्ण मिश्रा, बीनू मिश्रा, हिना सिराज खान, मुर्दाला भार्गव, पतंजलि यादव सनत गुप्ता, नितिन श्याम जय मिगलानी आदि उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल के साथ सम्मानित किए गए व्यापारी व अन्य।

21 विशिष्ट लोगों का सम्मान

- व्यापारी दिवस के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों के 21 महानुभावों को सम्मानित किया गया जिसमें शिक्षा क्षेत्र, समाज सेवा, चिकित्सा उद्योग तथा व्यापार सभी के प्रतिनिधि शामिल रहे। संदीप अग्रवाल, सुरेश गुप्ता, सहायक निदेशक दूरदर्शन आत्म प्रकाश मिश्रा, अध्यापिका स्नेहिल पांडे, पदम जैन, उद्यमी मेघा तिवारी, दंत चिकित्सक डॉक्टर मनीष अग्रवाल, निर्देशक एचडी अतुल श्रीवास्तव, राजीव अग्रवाल, विशाल सिंह, कलाकार रतना अग्रवाल, तान्या कसौधन, विपिन अग्रवाल, मनीष अवस्थी, संजय निधि अग्रवाल, अर्जुन भैरव, लक्ष्मी श्रीवास्तव, आसिफ हसन को सम्मानित किया गया।

अस्पताल में छात्रा के इलाज की जानकारी लेते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य।

घायलों का हाल जाना

अमृत विचार, लखनऊ : पुलिस की लाठीचार्ज में घायल एबीवीपी के घायल सदस्यों का हाल जानने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने केजीएमयू के ट्रामा सेंटर पहुंचे। कहा कि, घटना की गंभीरता से जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की बात कही। इसके पहले उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी घायलों का हाल जाना था। घायल पुष्पा, वंदिका, लक्ष्मी, अंकित, अंकुर, अभिषेक, नवीन, अनुराग व अभय भर्ती हैं।

सिटी ब्रीफ

शुभांशु को मिलेगी डीलिट की मानद उपाधि

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय उनको मानद डीलिट की उपाधि से सम्मानित करेगा। दीक्षांत समारोह के दौरान वह छात्रों को अंतरिक्ष यात्रा के अनुभवों को साझा करेंगे साथ ही स्पेश तकनीकी के बारे में भी बताएंगे।

लखनऊ के खिलाड़ियों ने 12 पदक जीते

अमृत विचार, लखनऊ : सीतापुर में आयोजित लखनऊ मंडल स्कूल वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में केडी सिंह बाबू स्टेडियम में अभ्यास करने वाले खिलाड़ियों ने बुधवार को जोरदार प्रदर्शन किया और दस स्वर्ण पदक जीते। उपक्रीड़ा अधिकारी और वेटलिफ्टिंग कोच अरविंद सिंह कुशवाहा ने बताया कि लखनऊ के खिलाड़ियों ने 12 पदकों पर कब्जा किया। इनमें दस स्वर्ण और दो रजत पदक शामिल हैं।

फुटबॉल टीम के लिए ट्रायल 6-7 को

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ की देखरेख में यूपी सब जूनियर बालक फुटबॉल टीम के चयन के लिए ट्रायल 6 और 7 सितंबर को मथुरा में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी लखनऊ जिला फुटबॉल संघ के सचिव कन्हैया लाल ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि ट्रायल में लखनऊ के खिलाड़ी भी शामिल होंगे। इसके लिए लखनऊ के खिलाड़ियों का चयन 5 सितंबर को चौक स्टेडियम पर किया जाएगा। चयनित खिलाड़ी मथुरा में होने वाले राज्य स्तरीय ट्रायल में भाग लेंगे।

गांव के बच्चों के बीच किया कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में दशम दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांवों के विद्यालयों में विविध सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कक्षा 3 से 5 व 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए चित्रकला, गायन, कहानी वाचन और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। कार्यक्रम में डॉ. नलिनी मिश्रा, सांस्कृतिक समिति की अध्यक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक, मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। उनके साथ लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अल्वेरा (एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर) व डॉ. रामदास भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. आफरीन फ़ातिमा, डॉ. आयुष मिश्रा, डॉ. अराधना आस्थाना, डॉ. दीक्षा मिश्रा, डॉ. श्वेता त्रिवेदी और डॉ. जिया जाफ़री का विशेष सहयोग रहा।

वाणिज्य विभाग में हुआ रंगारंग कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुति देती छात्रा।

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व दीक्षांत सप्ताह के अंतर्गत वाणिज्य विभाग में नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन की उपस्थिति में हुआ, जिसने इसकी गरिमा और महत्व को और बढ़ा दिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रतिभा को मंच प्रदान करना तथा उनकी रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का सफल संचालन समन्वयक डॉ. ऋषिकांत तथा सह-समन्वयक डॉ. अंकिता पांडेय एवं डॉ. मोनिका के मार्गदर्शन में किया गया।

समाज कार्य विभाग में हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें छात्रों को पर्यावरणीय सततता, अपराधशास्त्र, लैंगिक मुद्दे, स्वास्थ्य और शोध जैसे विषयों पर जागरूक किया गया। डॉ. अन्विता वर्मा ने पर्यावरण अनुकूल सामाजिक कार्य पद्धतियों की तात्कालिकता पर जोर दिया और वैश्विक चुनौतियों को स्थानीय वास्तविकताओं से जोड़ा। आद्या वाजपेयी ने प्रणालीगत चुनौतियों, सुधारों और हाशिए पर स्थित समुदायों को सहयोग देने में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर प्रकाश डाला।

काशी रुद्रास ने मेरठ मावेरिक्स को हराया

पहले क्वालिफायर में रोमांचक जीत से फाइनल में बनाई जगह, मेरठ को दूसरा मौका

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: इकाना स्टेडियम में खेले गए पहले क्वालिफायर मुकाबले में काशी रुद्रास ने गत चैंपियन मेरठ मावेरिक्स को 5 रन से हराकर यूपी टी-20 लीग 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अंक तालिका में शीर्ष पर रही काशी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 166 रन बनाए, जिसके जवाब में मेरठ की टीम निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट पर 161 रन ही बना सकी।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेरठ मावेरिक्स की शुरुआत बेहद खराब रही। केवल तीन रन के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज अक्षय दुबे एक रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें सुनील कुमार की गेंद पर यशोवर्धन ने कैच किया। इसके बाद रितुराज शर्मा ने मेरठ को संभालने की कोशिश की और 38 गेंदों पर 9 चौकों व 2 छक्कों की मदद से 65 रनों की बेहतरीन पारी खेली, लेकिन करन शर्मा ने उन्हें बोल्ड कर काशी को बड़ी सफलता दिलाई।

कप्तान रिंकू सिंह ने एक छोर संभाले रखा और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मात्र 23 गेंदों में 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 40 रन बनाए। अंतिम ओवरों में जीत की उम्मीद जगी, लेकिन शिवम मावी की गेंद पर उन्होंने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और डीप कवर पर कार्तिक को कैच थमा बैठे। काशी की ओर से मावी ने दो विकेट लिए जबकि सुनील कुमार, अटल बिहारी राय, शिवा सिंह और करन शर्मा को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले टॉस जीतकर काशी रुद्रास ने बल्लेबाजी चुनी। सलामी जोड़ी अभिषेक गोस्वामी और करन शर्मा ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी हुई। करन शर्मा ने 26 गेंदों पर 6 चौकों और एक छक्के की मदद से 43 रन बनाए। उन्हें जीशान अंसारी ने पवेलियन भेजा। इसके बाद विकेटकीपर उवैस अहमद ने 17 गेंदों में 28 और सक्षम ने 18 गेंदों में 22 रनों की उपयोगी पारी खेली। काशी ने 20 ओवरों में 8 विकेट पर 166 रन बनाए। मेरठ की ओर से जीशान अंसारी ने सबसे प्रभावशाली गेंदबाजी की। उन्होंने चार ओवर में मात्र 18 रन देकर तीन विकेट झटके। विशाल चौधरी को तीन और कप्तान रिंकू सिंह को एक विकेट मिला। हालांकि हार के बावजूद मेरठ मारविक्स की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बरकरार हैं। उन्हें एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से मुकाबला खेलने का एक और मौका मिलेगा।

मैच के दौरान आपस में बात करते बल्लेबाज। अमृत विचार

लखनऊ फॉल्कंस के सामने आज होगी मेरठ की चुनौती

- **अमृत विचार, लखनऊ :** यूपी टी20 लीग सीजन 3 में लखनऊ फॉल्कंस ने एलिमिनेटर राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे क्वालिफायर में अपनी जगह पक्की कर ली है। अब उनका मुकाबला मेरठ मावेरिक्स से होगा, जो पहले क्वालिफायर में हार चुके हैं। आज का यह मुकाबला इकाना स्टेडियम में शाम 7 :30 बजे से खेला जाएगा और इस मैच को जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में पहुंचेगी।

लखनऊ की शानदार जीत

- लखनऊ फॉल्कंस ने गोरखपुर लायंस को 23 रनों से हराकर चैंपियन बनने की दौड़ से बाहर कर दिया है। लखनऊ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 7 विकेट खोकर 170 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में, गोरखपुर लायंस की टीम 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 147 रन ही बना पाई। सलामी बल्लेबाज अभय चौहान ने 21 गेंदों में 4 छक्कों की मदद से 33 रनों की विस्फोटक पारी खेली। अंश यादव ने 25 गेंदों में 28 रन बनाए, जबकि मोहम्मद सैफ ने 22 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की सहायता से 32 रन का योगदान दिया। निचले क्रम में सत्यम पांडेय ने सिर्फ 12 गेंदों में नाबाद 24 रन बनाकर टीम को 170 रनों के स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए गोरखपुर लायंस के बल्लेबाज लगातार विकेट खोते रहे। सिद्धार्थ यादव ने अकेले ही मोर्चा संभाला और 41 गेंदों में 5 चौकों और एक छक्के के साथ 50 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। निशांत ने भी 34 रन बनाए, लेकिन उनकी यह कोशिश टीम को जीत दिलाने में नाकाम रही। लखनऊ के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। कप्तान भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में सिर्फ 26 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट लिए। 'प्लेयर ऑफ द मैच' नवनीत कुमार ने सबसे ज्यादा 3 विकेट चटकाए, जबकि अक्षु बाजवा को 2 विकेट मिले।

- रोमांचक मुकाबले में 5 रन से मेरठ की हार

गौर गोरखपुर लॉयंस का उत्साह बढ़ाने पहुंचे रवि किशन

- **अमृत विचार, लखनऊ :** यूपी टी-20 लीग में गौर गोरखपुर लॉयंस का हौसला बढ़ाने भोजपुरी सुपरस्टार और सांसद रवि किशन इकाना स्टेडियम पहुंचे। लीग चेयरमैन डीएस चौहान के साथ उन्होंने स्टेडियम का चक्कर लगाकर दर्शकों का अभिवादन किया। बाद में कमेंट्री बॉक्स में पूर्व विकेटकीपर सबा करीम के साथ भोजपुरी में कमेंट्री की। रवि किशन ने कहा कि यह लीग प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों के लिए मंच प्रदान कर रही है। 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में क्रिकेट प्रतिभाओं की कमी नहीं है और यह लीग उन्हें आगे लाने का कार्य करेगी। उन्होंने अपनी टीम गौर गोरखपुर लॉयंस के प्रदर्शन पर खुशी जताते हुए कहा कि लखनऊ के खिलाफ टीम ने शानदार खेल दिखाया और उम्मीद है कि हम फाइनल तक का सफर तय करेंगे।

विश्व का मेंथॉल मिंट हब बना यूपी, 12 किस्में होंगी निर्यात

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सीएसआईआर-सीमैप (केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान, लखनऊ) ने मेंथाल मिंट (पुदीना परिवार का पौधा) की 12 किस्मों का विकास किया है। जिससे देश के खासकर उत्तर प्रदेश के किसान नई तकनीक से खेती कर मालामाल होंगे। साथ ही अब मेंथाल मिंट को विदेशों में निर्यात किया जा सकेगा। कभी देश मेंथाल मिंट का आयात विदेशों से करता था लेकिन अब इसकी खेती और निर्यात में न केवल आत्मनिर्भर हो चुका है बल्कि विश्व पहले नंबर का उत्पादक और निर्यातक बन गया है। कुल वैश्विक उत्पादन का 80-85 प्रतिशत हिस्सा अकेले भारत में उत्पादन होने लगा है। करीब 40,000 टन मिंट ऑयल और इससे जुड़े उत्पादों का सालाना निर्यात होने लगा है।

इस मेंथाल मिंट की क्रांति के पीछे सीएसआईआर-सीमैप की तीन दशक से चली आ रही वैज्ञानिक शोध और तकनीकी सहयोग की अहम भूमिका रही है। आधुनिक और उन्नत किस्मों की मदद से किसान अब मेंथा की खेती को जायद (रबी और खरीफ सीजन के बीच) के मौसम में बोनस फसल के रूप में उगाने लगे हैं। इससे उन्हें अपनी मुख्य अनाज फसलों से अधिक आमदनी हो रही है। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. मनोज सेमवाल के अनुसार मेंटहॉल मिंट और उससे जुड़े उत्पाद भारतीय अर्थव्यवस्था में 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान दे रहे हैं।

- सीएसआईआर-सीमैप लखनऊ ने विकसित की नई किस्में

मेंथाल मिंट की 12 नई किस्मों के नाम

- एमएस-1, हाईब्रीड-77 (कालका), गोमती, हिमालय, कोसी, सक्षम, कुशल, संभव, डमरु, सरयू, सीआईएम-क्रांति, सीआईएम-उन्नति हैं।

किस्मों की विशेषताएं

- इन किस्मों की विशेषता है कि यह उच्च तेल उपज, कम अवधि में तैयार होते हैं। क्षेत्रीय भौगोलिक रुप से अनुकूल खेती है। किसानों की आय को कई गुना बढ़ा रही हैं। उत्तर प्रदेश में देश का 75 प्रतिशत मेंथा की खेती होती है। सर्वाधिक किसान बाराबंकी, गोंडा, अयोध्या आदि में सीएसआईआर-सीमैप की प्रशिक्षण के बाद इस खेती को कर रहे हैं।

क्या है मेंथाल

- मेंथॉल एक प्राकृतिक यौगिक है जो पुदीने परिवार के पौधों जैसे पेपरमिंट और कॉर्नमिंट में पाया जाता है। यह एक सफेद या पारदर्शी मोमी क्रिस्टलीय पदार्थ होता है, जो अपनी तीव्र पुदीना जैसी ठंडीगंध और स्वाद के लिए जाना जाता है। इसका उपयोग औषधीय रूप से विभिन्न मलहम, खांसी की गोलियों और नाक के इनहेलर में किया जाता है। इसमें स्थानीय संवेदनाहारी और जलनरोधी गुण होते हैं।

शिक्षक व कर्मचारियों का होगा सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: नवोदय विद्यालय के सेवा निवृत शिक्षकों व कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। पूर्व छात्र वेद प्रकाश राय, अनिल दीप आनंद, हरिशंकर गुप्ता, डॉ. राजश्री पांडेय, प्रज्ञा पांडेय, डॉ. नित्या वर्मा, डॉ. अनुराग मिश्रा ने बताया कि नवोदय विद्यालय के इतिहास में पहली बार यह कार्यक्रम का आयोजित किया जा रहा है। सेवानिवृत्त शिक्षक एवं कर्मचारी सम्मान समारोह का आयोजन 7 सितम्बर को 10 बजे होटल लिनेज, गोमती नगर में किया जाएगा। इस अवसर पर नवोदय विद्यालय के सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर, असिस्टेंट कमिश्नर, प्राचार्य, पीजीटी-टीजीटी शिक्षक एवं कर्मचारीगण को सम्मानित किया जाएगा।

आयोजन में देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने वाले 100 से अधिक पूर्व छात्र-छात्राएँ भी उपस्थित रहेंगे। जिसमे विशेष रूप से प्रेम कुमार गौतम (आईजी, एटीएस उत्तर प्रदेश), सूर्यपाल गंगवार (आईएएस सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश), राजशेखर रेड्डी (आईएएस प्रबंध निदेशक, उत्तर प्रदेश ग्रामीण जल निगम), बबलू कुमार (डीआईजी जॉइंट कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर लखनऊ), विपिन जैन (विशेष सचिव, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश) प्रशांत कुमार (निदेशक समाज कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश), रईस अख्तर (आईपीएस), विजय कुमार (विशेष सचिव कार्मिक विभाग, उत्तर प्रदेश) अमोल मुकुट आदि को सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते पूर्व छात्र। अमृत विचार

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर छात्रों ने किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के छात्र-छात्राओं ने कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले उत्पीड़न को लेकर जागरुकता अभियान चलाया। विधि संकाय में प्रो बोनो क्लब द्वारा प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए परिचय सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदित्य राज सोनी (छात्रसंयोजक, प्रो बोनो क्लब) के स्वागत भाषण से हुई। छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार विधि के छात्र और अधिवक्ता निःशुल्क विधिक सेवाएं प्रदान करके समाज के कमजोर वर्गों तक न्याय सुनिश्चित कर सकते हैं।

अटल विवि का दीक्षांत समारोह आज, दिए जाएंगे 74 मेडल

अमृत विचार, लखनऊ : अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल यूनिवर्सिटी का पहला दीक्षांत समारोह गुरुवार को होगा। इसमें करीब 74 मेधावियों को मेडल बांटे जाएंगे। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव मिश्र ने बताया कि विवि से सम्बद्धता के बाद अब तक एमबीबीएस का कोई भी बैच पासआउट नहीं हुआ है। इसलिए दीक्षांत में एमडी एमएस, डीएम एमसीएच के पासआउट छात्रों को डिग्री दी जाएगी। इसके साथ ही नर्सिंग, एमएससी नर्सिंग व पैरामेडिकल के पासआउट छात्रों को भी डिग्री प्रदान की जाएगी। राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल दीक्षांत की मुख्य तिथि होंगी। विशिष्ठ अतिथि उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह होंगे।

अपर निजी सचिवों की जांच की मांग

अमृत विचार, लखनऊ : प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों ने सीबीआई निदेशक को पत्र लिखकर अपर निजी सचिवों की नियुक्ति की जांच मांग की है। प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति के अध्यक्ष अवनीश पाण्डेय और मीडिया प्रभारी प्रशान्त पाण्डेय ने सीबीआई और प्रदेश सरकार को पत्र लिखकर धांधली से चयनित अपर निजी सचिवों का विवरण भी सौंपा है। सीबीआई द्वारा उत्तरप्रदेश लोक सेवा आयोग को लिखे पत्र से अपर निजी सचिव भर्ती, 2010 में हुई धांधली का खुलासा होने के बाद प्रतियोगी छात्रों ने सचिवालय में पदस्थ हो चुके अपर निजी सचिवों तथा इनको संरक्षण देने वाले अधिकारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

रैगिंग के आरोपी विवि में प्रतिबंधित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के द्वितीय परिसर में अध्ययनरत एक छात्र द्वारा रैगिंग किये जाने की शिकायत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एण्टी रैगिंग हेल्पलाइन पर की है। शिकायत विश्वविद्यालय को प्राप्त होने के उपरान्त इस घटना में संलिप्त छात्रों को छात्रोचित मर्यादाओं के प्रतिकूल आचरण करने के कारण विश्वविद्यालय से प्रतिबंधित कर दिया गया है। साथ ही उनके छात्रावास आदि का आवंटन रदद करते हुए दोनों परिसर में प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया है।

छात्रों को विश्वविद्यालय ने कारण बताओ नोटिस जारी कर 3 दिनों में संतोषजनक उत्तर देने का अवसर दिया। लेकिन छात्रों के उत्तर सतोषजनक नहीं पाए जाने पर कार्रवाई की गई है। विश्वविद्यालय से प्रतिबंधित किए गए छात्रों में बीबीए के छात्र हर्ष कुमार सिंह, अप्रमेयो कार्तिकेय सिंह (कार्तिकेय सिंह), साहिल कुमार राय और विवेक सिंह है। चारों छात्र बीबीए तृतीय वर्ष के हैं। इसके अतिरिक्त इस घटना में संलिप्त सोहित मिश्रा (प्रज्ज्वल प्रकाश मिश्रा) का पूर्व में निर्गत निलम्बन आदेश इस घटना में भी यथावत रूप से प्रभावी माना जायेगा।

लविवि : दो छात्र गुटों में भिड़ंत

- **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय में दो छात्र गुट आपस में ही भिड़ गए जिसमें कुछ को मामूली चोटें आई हैं। बताया जाता है कि विश्वविद्यालय के छात्रावास में रहने वाले कुछ छात्र मालवीय सभागार में दीक्षांत समारोह में होने वाले कार्यक्रम को देखने पहुंचे थे। वहां पर सीट को लेकर छात्रों में आपस में जमकर मारपीट हुई। जिसके बाद कुछ छात्रों के सिर फूटे और वे अस्पताल पहुंच गए।

सिटी डायरी

अदिति सिंह रिटर्न शॉट लगाते हुए। अमृत विचार

आइटा चैंपियनशिप : अंडर-16 अंडर-14 वर्ग में रोमांचक मुकाबले

अमृत विचार, लखनऊ : गोमती नगर स्थित विजयंत खंड स्टेडियम में चल रही आइटा चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बालक व बालिका वर्ग में कई रोमांचक और उलटफेर भरे मुकाबले देखने को मिले। बालक अंडर-16 वर्ग में यूपी के कौस्तुभ सिंह ने दमदार प्रदर्शन करते हुए विहान श्रीवास्तव को एकतरफा मुकाबले में 9-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं अदित्रि सिंह (यूपी) ने रिहाना दास (प. बंगाल) को 9-1 से और आशी शमशेरी (यूपी) ने आइरा (यूपी) को 9-3 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बालिका अंडर-14 वर्ग में आशी शमशेरी ने अनुष्का जोगलेकर (महाराष्ट्र) को 9-4 से और सिद्धि सिंह ने रिहाना दास को 9-1 से हराया। दूसरी वरीय अनिका नायर (महाराष्ट्र) ने कनुसी कोष्टी (गुजरात) को 9-0 से हराकर जोरदार प्रदर्शन किया।

गर्भाशय कैंसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थी व विभागाध्यक्ष।

सरोजनी नगर लीग में विजेता बनने वाली बालिका टीम।

सर्वाइकल कैंसर पर हुआ विशेष व्याख्यान और पोस्टर प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : लविवि के प्राणिशास्त्र विभाग में सर्वाइकल कैंसर पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह सप्ताह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम, प्रारंभिक पहचान और नवीनतम अनुसंधान के बारे में जागरूकता बढ़ाया गया। व्याख्यान के साथ ही सर्वाइकल कैंसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें 32 छात्रों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में रचनात्मक और सूचनात्मक प्रस्तुतियों को पुरस्कृत किया गया। समीक्षा यादव ने प्रथम पुरस्कार, हर्षिता आर्या ने द्वितीय पुरस्कार और महक श्रीवास्तव ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। अंशिका यादव और आदेश सक्सेना को संतोषजनक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डीपीएस एल्डिको ने प्रतियोगिता में दोनों वर्गों का खिताब जीता

अमृत विचार, लखनऊ : सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग की देखरेख में आयोजित अंतर स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में डीपीएस एल्डिको ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक और बालिका दोनों वर्गों में खिताबी जीत दर्ज की। फाइनल मुकाबले में डीपीएस ने सेठ एआर जयपुरिया स्कूल को पराजित किया। यह टूर्नामेंट लीग के सातवें चरण के अंतर्गत वृंदावन योजना स्थित एसकेडी अकादमी के कोर्ट पर आयोजित किया गया। विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने विजेता को 25,000 और उपविजेता को 11,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की।

आयोजन | बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पोषण सप्ताह पर हुआ कार्यक्रम

नो ओवन, नो प्रॉब्लम विषयक बेकरी प्रदर्शनी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' के अंतर्गत खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से 'नो ओवन, नो प्रॉब्लम' विषय पर बेकरी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस मौके पर मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान की कुलपति प्रो. सुनीता मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहीं। इसके अतिरिक्त मंच पर गृह विज्ञान विद्यापीठ की संकायाध्यक्ष प्रो. यूवी किरण एवं खाद्य एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. नीतू सिंह उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि कहा कि भारत एक विविधताओं वाला देश है, हर क्षेत्र की अपनी विशेष खाद्य परंपरा और प्रसिद्ध व्यंजन होते हैं, जिनका अपना विशिष्ट महत्व है।

मुख्य अतिथि प्रो. सुनीता मिश्रा ने कहा कि स्वदेशी भोजन को बढ़ावा देना और विदेशी भोजन को त्यागना आज के समय की आवश्यकता है। इस अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा अपने हुनर और रचनात्मकता का परिचय देते हुए चॉकलेट जैम बाइट्स, मिक्स सीड कुकीज, स्ट्राबेरी चीज केक, डोनट डिलाइट्स, ब्राउनी, कोरियन बन, टीरामिसु, नो बेक चीज केक जैसी विभिन्न व्यंजनों को बना कर प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, मानव कल्याण एवं परिवार अध्ययन विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शालिनी अग्रवाल, कार्यक्रम समन्वयक डॉ. प्रियंका शंकर, डॉ. आशीष कुमार जाटव, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षकगण, गैर शिक्षण अधिकारी एवं कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह में स्टॉल का निरीक्षण करते कुलपति। ● अमृत विचार

रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करते सीएमएस के विद्यार्थी। अमृत विचार

शिक्षकों ने निकाला चरित्र निर्माण मार्च

अमृत विचार, लखनऊ : शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में सिटी मोन्टेसरी स्कूल द्वारा 'शिक्षक सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, राज्यसभा सांसद, द्वारा दीप प्रज्वलन एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। डॉ. त्रिवेदी ने सीएमएस संस्थापक डॉ. जगदीश गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. भारती गांधी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

लाठीचार्ज की जांच रिपोर्ट पर टिकीं सबकी निगाहें

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार Follow UP

- एबीवीपी की तहरीर पर कार्रवाई नहीं, लाठीचार्ज का मामला मानवाधिकार आयोग में दर्ज

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में लाठीचार्ज प्रकरण को लेकर फिलहाल यथास्थिति बनी हुई है। सबकी नजरें अब शासन को भेजी जाने वाली जांच रिपोर्ट पर जा टिकी हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होनी है। सूत्रों की मानें तो इस प्रकरण पर जांच रिपोर्ट भेजने के लिए थोड़ा और समय मांगा गया है इसलिए अभी वक्त लगने के आसार हैं। उधर एबीवीपी की ओर से शहर कोतवाली में दी गई तहरीर पर अभी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। वहीं छात्रों पर लाठीचार्ज का मामला राज्य मानवाधिकार आयोग में दर्ज कराया गया है । इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता डॉ. गजेंद्र सिंह यादव ने आक्रोश जताते हुए आयोग में मामला दर्ज कराया तथा कॉलेज और पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जांच व कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता एलएलबी की पढ़ाई के विरोध में आंदोलनरत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया था। जिससे घायल करीब 22 कार्यकर्ता अब भी केजीएमयू में इलाज करा रहे हैं। उधर इस लाठीचार्ज प्रकरण का संज्ञान लेते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर कमिश्नर राजेश कुमार व आईजी प्रवीण कुमार मंगलवार को बाराबंकी आए और यूनिवर्सिटी में काफी देर रहने के बाद पुलिस लाइन सभागार में अफसरों संग बैठक की। इस दौरान एबीवीपी का प्रतिनिधिमंडल भी उनसे मिला और अपनी बात रखी। मंगलवार शाम तक दोनों बड़े अफसरों की जांच रिपोर्ट शासन तक पहुंच जानी थी पर भरोसेमंद सूत्रों की मानें तो रिपोर्ट भेजने के लिए थोड़ा और समय दरकार किए जाने से फिलहाल मामला जांच के अधीन ही है।

माना जा रहा कि गुरुवार की शाम तक रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। दूसरी तरफ भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद मौर्य, पूर्व जिलाध्यक्ष संतोष सिंह की मौजूदगी में एबीवीपी की ओर से शहर कोतवाली में दी गई तहरीर में यूनिवर्सिटी की तरफ से बवाल करने वालों में शामिल चार नामों का जिक्र करते हुए एफआईआर की मांग की गई थी लेकिन तहरीर पर यथास्थिति बनी हुई है। एबीवीपी के प्रांत मंत्री अंकित शुक्ला ने बताया कि अभी तक कोई कार्रवाई उनकी जानकारी में नही है। जांच रिपोर्ट पर नजर रखी जा रही है। उसी के अनुसार आगे की तैयारी पर संगठन विचार करेगा। उधर शहर कोतवाल सुधीर कुमार सिंह ने तहरीर की जानकारी से ही इनकार किया है।

बीसीआई ने कक्षाओं को दी मंजूरी

श्री रामस्वरूप यूनिवर्सिटी में जिस मंजूरी के न मिलने और बिना मान्यता एलएलबी की पढ़ाई कराने को लेकर छात्रों ने तालाबंदी, प्रदर्शन और हंगामा किया था। वही मंजूरी अब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने औपचारिक रूप से जारी कर दी है। यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार नीरजा जिंदल ने बताया कि दो साल से जो मामला लंबित था, उसे बीसीआई ने मंजूरी दे दी है।

नहर किनारे बोरियों में मिला विस्फोटक

देवा, बाराबंकी: अमृत विचार : स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में बुधवार को नहर किनारे बोरियों में भरा विस्फोटक मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर बारूद व सुतली गोले सहित बड़ी मात्रा में मिली विस्फोटक सामग्री को सुरक्षित तरीके से नष्ट कराया। बुधवार सुबह ग्राम इब्राहिमपुर खुर्द के पास माइनर किनारे दो बोरी सुतली गोला पड़ा मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। इसी बीच खनवाहा मोड़ के पास इंदिरा नहर किनारे एक बोरी बारूद, एक बोरी सुतली गोला और दो बोरी खोखला बरामद हुआ। ग्राम प्रधान उमेश रावत के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि एक वैन से आए कुछ लोग बोरियां डालकर फरार हो गए थे।

राजा साहब का योगदान अविस्मरणीय : योगी

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को अयोध्या राजसदन पहुंचे। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य एवं अयोध्या राज परिवार के मुखिया राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र के त्रयोदशी संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और शोकाकुल परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र का निधन केवल अयोध्या ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने जीवन भर रामलला और राम मंदिर आंदोलन के लिए अपना योगदान दिया।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य रहे राजा अयोध्या के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते मुख्यमंत्री।

अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद करने की कार्रवाई अवैध

पुलिस भर्ती-2020 चयन प्रक्रिया की अनियमितताओं पर हाईकोर्ट का कड़ा रुख

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती 2020-21 में अनुचित साधनों के प्रयोग के आरोप पर अभ्यर्थियों की उम्मीदवारी रद्द करने की कार्रवाई को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने कहा कि बिना नियम बनाए, आपत्ति या शिकायत प्राप्त हुए व बिना किसी आपत्तिजनक सामग्री के बरामद हुए, केवल संदेह के आधार पर अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से बाहर करना कतई अनुचित। कोर्ट ने कहा कि अभ्यर्थियों को यह नहीं बताया गया कि उन्हें प्रश्नपत्र को किसी विशेष समय-सीमा में हल करना है। साथ ही अभ्यर्थियों को उनके अभ्यर्थन रद्द करने की प्रक्रिया की कोई जानकारी भी नहीं दी गई। जबकि सभी याचियों ने लिखित परीक्षा, दस्तावेज सत्यापन एवं शारीरिक मानक परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया था।

अंतिम चरण शारीरिक दक्षता परीक्षा के लिए चयनित भी हो चुके थे। कोर्ट ने राज्य सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि सिर्फ शक के आधार पर किसी का भविष्य दांव पर नहीं लगाया जा सकता। कोर्ट ने परमादेश जारी कर तीन माह के भीतर पीईटी या शेष परीक्षा कराकर चयन प्रक्रिया पूर्ण करने का निर्देश दिया, साथ ही आदेश दिया कि यह फैसला उन सभी अभ्यर्थियों पर लागू होगा, जिन्हें इसी आधार पर पीईटी से वंचित किया गया था। चाहे वे इस याचिका में पक्षकार हों या न हों। उक्त आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की एकल पीठ ने तनु चौधरी और 41 अन्य के साथ दर्जनों याचिकाओं को निस्तारित करते हुए पारित किया।

उत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ–उ0रे0–मण्डल–वाणिज्य/उ0रे0
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-PQN-Toi-131-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 10:30 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-MBLP-Toi-132-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 10:40 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-MFKA-Toi-128-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 10:50 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-VYN-Toi-134-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-SOP-Toi-130-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 11:10 बजे
नीलामी सूची सं0/लॉट सं0	Pnu-LKO-MKG-Toi-133-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	26.08.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	11.09.2025 समय 10:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	11.09.2025 समय 11:20 बजे
नीलामी का प्रकार	Close Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

2665/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय ग्राम पंचायत शरीफपुर
विकास खंड जलालपुर जनपद अम्बेडकर नगर

पत्रांक पंचम राज्य वित्त/15वित्त/मनरेगा/अल्पकालीन निविदा 2025–2026 दिनांक 04–09–2025

अल्पकालीन निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्रा0पं0– शरीफपुर वि0खंड–जलालपुर जनपद अंबेडकरनगर मे (1) संजय के घर से सत्तू (सद्धु) के घर तक नाली मरम्मत एवं पटिया निर्माण कार्य (2) ग्राम पंचायत में विभिन्न स्थानों पर पटिया निर्माण कार्य (3) डीह बाबा के स्थान पर चबूतरा निर्माण कार्य हेतु ईट प्रथम श्रेणी,एस0ओ0बी ईंट,रबर मोल्ड ईंट,ईंट की गिट्टी,पत्थर गिट्टी,सीमेंट,मोरंग,बालू,सरिया व अन्य कार्य हेतु लोहे के उपकरण व अन्य निर्माण सामग्रियों के आपूर्ति धनराशि के सापेक्ष अल्पकालीन निविदा/टेंडर आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता दिनांक 11/09/2025तक कार्यालय कार्य दिवस में सायं 5 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पर सीलबंद निविदा जमा कर सकते है जो दिनांक 12/09/2024 को निविदा हेतु गठित कमेटी ग्राम प्रधान,सचिव के समक्ष प्रात:10 बजे खोली जाएगी। निविदा फर्म के पैड पर होनी चाहिए। जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जाएगा।

नोट:–प्रतिबन्ध, नियम एवं शर्ते ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है।

सुधा वर्मा
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत शरीफपुर
विकासखंड जलालपुर
जनपद अम्बेडकर नगर

कामिता यादव
ग्राम सचिव
ग्राम पंचायत शरीफपुर
विकासखंड जलालपुर
जनपद अम्बेडकर नगर

फिक्की स्पोर्ट्स समिट : युवा खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ेगी

लखनऊ, अमृत विचार। फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा लखनऊ में स्पोर्ट्स समिट का आयोजन किया गया। समिट का विषय उत्तर प्रदेश: भारत के खेल क्षेत्र में उभरती ताकत रहा। इस आयोजन की शुरुआत फिक्की यूपी स्पोर्ट्स कमिटी के को-चेयरमैन अशोक ध्यानचंद और को-चेयरपर्सन रचना गोविल के संबोधन से हुई। कार्यक्रम की मेजबानी यूपीटी20 लीग की टीम काशी रुद्रास ने की। समिट में खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान पर केंद्रित राउंड टेबल चर्चा हुई। इस दौरान लिए गए सुझावों की रिपोर्ट संबंधित अधिकारियों को सौंपने की बात कही गई है। समिट का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभा को प्रोत्साहित करना, युवा खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना और राज्य में खेल सुविधाओं का विस्तार करना था। इसमें लखनऊ साइक्लिंग एसोसिएशन, बास्केटबॉल एसोसिएशन समेत विभिन्न खेल संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रमुख खेल हस्तियों में यूपी ओलंपिक एसोसिएशन के सेक्रेटरी जनरल आनंदेश्वर पांडेय, यूपीटी20 के चेयरमैन डी.एस. चौहान, ओलंपियन ललित उपाध्याय, जसपाल राणा, विदुष्पत सिंघानिया और डॉ. अभिषेक चौधरी शामिल रहे। इस वर्ष के अंत में दिल्ली में होने वाले फिक्की स्पोर्ट्स समिट-टर्फ 2026 में यूपी का प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा।

प्रेमियों के लिए अद्भुत अनुभव लेकर आई 'रंगिनी'

नई दिल्ली, अमृत विचार। सिविल सर्विसेज ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में आयोजित सामूहिक कला प्रदर्शनी 'रंगिनी' कला प्रेमियों के लिए एक अद्भुत अनुभव लेकर आई है। इस प्रदर्शनी में प्रख्यात दृश्य कलाकार आशीमा मेहरोत्रा और एम. सरदा की कृतियां प्रदर्शित की गई हैं, जिनमें दो विपरीत लेकिन सशक्त कलाभाषाएँ एक साथ संवाद करती दिखाई देती हैं। 'रंगिनी' नाम ही अपने आप में रंग और अभिव्यक्ति के स्त्री स्वरूप का प्रतीक है। यह प्रदर्शनी अमूर्तन और रूपक के बीच पसरे भावनात्मक और सांकेतिक परिदृश्य को नए आयामों में खोजती है। आशीमा मेहरोत्रा की एनकॉस्टिक कृतियाँ वेदांत और दार्शनिक चिंतन में निहित आध्यात्मिक आत्मविश्लेषण और ब्रह्मांडीय मौन का बोध कराती हैं, वहीं सरदा की जीवंत कैनवस पेंटिंग्स सहज लय, भौतिक समृद्धि और अभिव्यक्ति की स्वच्छंदता को उजागर करती हैं। 'रंगिनी' प्रदर्शनी में प्रस्तुत कृतियों ने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। आशीमा मेहरोत्रा की विभत्स और दहलीज़ जैसी पेंटिंग्स ने अपने दार्शनिक और भावनात्मक आयामों से आत्ममंथन के क्षण प्रदान किए। वहीं एम. सारदा की "गोल्डन माउंटेन्स" और "अर्धनारीश्वर" जैसी रचनाओं ने रंगों की समृद्धि और प्रतीकों की सजीवता से दर्शकों को मोहित कर लिया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो0–9696715133

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

कार्यालय: अधिशासी अभियंता जोन-1
जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

पत्रांक 752/EE-1/नि0 दिनांक 03.09.2025

(अल्पकालीन निविदा–सूचना)

निम्नलिखित कार्य / आपूर्ति हेतु अनुभवी ठेकेदारो से मोहरबन्द निविदा दि0 10/09/2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी द्वारा आमंत्रित की जाती है, जो उसी दिन सायंकाल 4.00 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेंगी। सन्दर्भित कार्य हेतु निविदा किसी भी कार्य दिवस में दि0 10.09.2025 को समय 2.00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। अर्नेस्टमनी एफ0डी0आर0 / सी0डी0आर0 / एन0एस0सी0 के रूप में अधिशासी अभियन्ता जल कल विभाग लखनऊ के नाम से बन्धक होना अनिवार्य है। बिना अर्नेस्ट मनी के प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। एक या समस्त निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार बिना कारण बताये महाप्रबन्धक, जलकल विभाग में निहित होगा। पूर्ण विवरण कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है। कार्यालय में अवकाश होने की दशा में निविदायें उसी क्रम में समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	धरोहर राशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने कि अविध
1	Shifting of 90mm 80 mtr. PVC pipeline from Mahapalika School (side of Public Toilet) to House of Rakesh, Khandari Bazar.	2900.00	150	07 दिवस
2	Reboring of 2 no 1.5hp Submersible pump at Hari Masjid Beruni Khandak & Hussaaini masjid ka Hata Near Phoolbagh.	6600.00	350	07 दिवस
3	Laying & jointing 90mm 100 mtr. PVC Pipeline near Bhairav ji Mandir to Main Road Aminabad.	4500.00	250	07 दिवस
4	Shifting of 90mm PVC Pipeline at 2 places (i)At House No-84/285 20 mr.Maqboolganj Naka Hindola, (ii)At 18 mtr. Lane of Naya Gaon, City tent House ki Gali me	2100.00	150	07 दिवस
5	Reboring of 2 no 1.5hp Submersible pump at Park Road & Ram Prasad Park	6600.00	350	07 दिवस
6	Rewinding & rep. of 120 HP motar pump no-4 At KKC ZPS.	4200.00	250	07 दिवस
7	Complete rep. & painting of tubewell/camp office of Ganeshganj.	7800.00	400	07 दिवस

अधिशासी अभियन्ता जोन–1
जल कल विभाग, नगर निगम लखनऊ

अमेठी में ट्रक से भिड़ी कार, 3 लोगों की मौत

शुकुल बाजार (अमेठी)

अमृत विचार: पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर बुधवार की भोर पहर अनियंत्रित कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में कार चालक सहित तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। ट्रक को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। मरने वाले में कार सवार कानपुर और लखनऊ के रहने वाले थे।

कानपुर नगर के आई-1184 वर्ड बैंक बर्रा निवासी अर्पित विश्वकर्मा (28), कानपुर के विनय दुबे (39) और लखनऊ के सेक्टर-एफ निवासी विमल पांडेय (49) बुधवार की भोर पहर करीब 3 बजे कार पर सवार होकर आजमगढ़ से लखनऊ की ओर जा रहे थे। कार अमेठी के शुकुल बाजार थानाक्षेत्र स्थित पूरे गनेशी गांव के नजदीक पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे माइन स्टोन 60.1 पर पहुंची, तभी आगे चल रहे ट्रक चालक ने अचानक ट्रक मोड़ दिया जिससे तेज रफ्तार कार सामने जा रहे ट्रक के साइड से टकरा गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक तीनों की मौत हो चुकी थी। उधर, हादसे के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सूचना पर एसडीएम अभिनव व सीओ अतुल सिंह, थाना अध्यक्ष अभिनेष कुमार के साथ ही अन्य अधिकारियों ने सीएचसी व घटना स्थल पर जाकर मामले की जांच की। हादसे में जान गंवाने वाले विनय दुबे कार के मालिक थे। अर्पित विश्वकर्मा गाड़ी चला रहा था, जबकि विमल पांडे उनके लिए मैनेजर का काम करता था। वहीं परिजनों ने बताया कि तीनों युवक आजमगढ़ के मैदान में प्रदर्शनी लगाने गए थे। वहां का काम निपटाकर वे देर रात लखनऊ लौट रहे थे।

विमल।

विनय।

अर्पित।

BEFORE THE HONOURABLE MOTOR VEHICLE ACCIDENT एंड CLAIMS TRIBUNAL [IN THE COURT OF THE 13TH HONOURABLE 13TH ADDL DISTRICT COURT: NARASARAO PET, PALNADU (DT); ANDHRA PRADESH
MVOP: 78/2023
BETWEEN
Marella Hari Krishna Chowdary ...Petitioner
V/s.
1. Bikkana Jahnavi Chowdary,
2. The Oriental Insurance Co. Ltd., Rep. by its Divisional Manager,
3. Jitendra.
4. Makkena Sowjanya ...Respondents
RESPONDENT No: 3:
Jitendra, S/o., Lt Mahendar, Khojapur, Karaujha, Chakia, Chandauli, UtterPradesh – 232 103.
In The above number case MVOP: 78/2023 your are the Respondent No.3. Even Though the Honorable court sent the notice to you. You are wantonly avoid to take notice. Hence, as per the Paper Publication what I am telling to you the above case stands Posted to for your appearance on 25-09-2025. Hence, on that day at about 10:30 AM only you should appear before the Honourable court personally or through your Advocate for your objections, otherwise the Honourable court will decide The above insurance matter against your absence.
As per the Orders of the Honourable Court
Date of Adjournment : 25-09-2025
Kammalakkalu Sangameswara Rao
Petitioner Advocate,
Off: Near Municipal Office, NRT Center, Chilakaluripet-522 616, Palnadu District, Andhra Pradesh.

NOTICE

I declare that my son Arun Singh UID 8299426 and Index No.1245782/033 has passed ICSE(Class 10) in 2024 and he is pursuing ISC(Class 12) 2026 from Jesus & Mary School and College, Balrampur and my correct name is AWDESH KUMAR SINGH. Awdesh Kumar Singh S/O Balmik Singh R/O Gurwalia PS Colonelganj District Gonda (UP) Mob. 8467836723

NOTICE

This is to inform that my original 10th Standard ICSE marksheet, Roll No. 6700329 issued by City Montessori school for the academic year 2018, has been misplaced .Despite thorough efforts, it could not be traced.Anyone finding the document is kindly requested to contact (7992199661) .Mohd.Usman,228/29,Subhash Marg,Raja Bazar, Lucknow.

सूचना

मैं रामेन्द्र सिंह पुत्र रूप सिंह नि0–ई–93 बर्रा–8 कानपुर नगर। मेरे पुत्र HIMANSHU SINGH की हाईस्कूल (वर्ष–2023, रोल नं0–23203880) व इण्टरमीडिएट वर्ष–2025, रोल नं0–23701580) में मेरा नाम RAMENDRA ROOP SINGH व मेरी पत्नी का नाम ANJU RAMENDRA SINGH दर्ज है। जो कि गलत है। जबकि मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम RAMENDRA SINGH व मेरी पत्नी के आधार कार्ड में पत्नी का नाम ANJU SINGH दर्ज है। जो कि सत्य व सही है। अतः मेरे पुत्र की हाईस्कूल व इण्टर की मार्कशीट में मेरा नाम संशोधन कर RAMENDRA SINGH व मेरी पत्नी का नाम ANJU SINGH दर्ज किया जाय।

नाम परिवर्तन

मैं MOHD ILYAS KHAN पुत्र Maqbool Ahmad khan निवासी: 10A /46, वृन्दावन योजना, सौभाग्यम, वृन्दावन कालोनी, पो. वृन्दावन कालोनी, लखनऊ का स्थायी निवासी हूँ, मैंने अपना नाम MOHD ILYAS से बदलकर MOHD ILYAS KHAN रख लिया हैं । आज से मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये ।

नाम परिवर्तन

मैं **अंजली मिश्रा पुत्री हनुमान प्रसाद मिश्रा, निवासी बन्धु मिश्र का पुरवा, दियरा, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश 228132** ने अपना पुराना नाम मोनिया मिश्रा बदलकर ''अंजली मिश्रा'' कर लिया है और अब मुझे अंजली मिश्रा के नाम से जाना जाएगा। यह प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस संबंध में अपने सभी प्रमाणपत्र (हाई स्कूल और इंटरमीडिएट) और अन्य सभी कानूनी आवश्यकताओं को पूरा कर लिया है।

सूचना

मैं, सृष्टि सोनी, सूचित करना चाहती हूँ कि आवश्यक कार्य से बाराबंकी स्थित अपने कालेज जा रही थी। यात्रा के दौरान मेरी इंटरमीडियट की टीसी (Transfer Certificate) कहीं गिरकर खो गई है। यह मेरे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण शैक्षणिक दस्तावेज है, जिसकी आवश्यकता भविष्य में प्रवेश एवं अन्य शैक्षिक कार्यों हेतु होगी। मैंने काफी खोजबीन की परंतु अब तक यह दस्तावेज़ नहीं मिल सका है। अतः यदि किसी भी व्यक्ति को यह दस्तावेज़ मिले तो कृपया मानवता एवं सहयोग की भावना से इसे मुझे लौटा दें। **सृष्टि सोनी पुत्री राजकपुर सोनी पतारू विवेक नगर,नियर कल्लू घोसी सुल्तानपुर उत्तर प्रदेश पिन कोड 228001**

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पिताजी श्री राम प्रकाश गुलाटी पुत्र स्व. लाला राम नारायण गुलाटी निवासी हर्ष नगर जिनकी उम्र लगभग 87 वर्ष हो गई है सोचने समझने की शक्ति नही रही है। अगर कोई व्यक्ति उनसे कुछ भी लेनदेन करता है या कुछ लिखवा लेता है तो वह गलत माना जायेगा और हम लोगो की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

ए गुलाटी आदि
हर्ष नगर कानपुर
पुत्र रामप्रकाश गुलाटी

कार्यालय नगर पंचायत नसीराबाद, जनपद रायबरेली

संख्या : 179/ न0पं0नसी0 / E-Tendring / 2025–26 दिनांक : 03.09.2025

पुन: ई–निविदा सूचना

नगर पंचायत नसीराबाद जनपद रायबरेली द्वारा 15वां वित्त आयोग एवं अवस्थापना विकास निधि योजनान्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्नलिखित निर्माण सम्बन्धी कार्यो को कराये जाने के बावत ठेकेदारों से प्रतिशत के आधार पर दिनांक 04.09.2025 को पूर्वान्ह 11: 00 बजे से दिनांक 24.09.2025 सायं 05: 00 बजे तक तक डबल बिड आधारित (तकनीकी एंव वित्तीय बिड) पुन: ई–निविदाएँ उत्तर प्रदेश की ई– प्रिक्योरमेंट की वेबसाइट www.etender.up.nic.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है । निविदाओं की विस्तृत विवरण, निविदा शुल्क एवं नियम शर्ते आदि उत्तर प्रदेश की ई– प्रिक्योरमेंट की वेबसाइट www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध रहेगी । ई–निविदा की समस्त कार्यवाही उक्त वेबसाइट के माध्यम से ही पूर्ण की जायेगी प्राप्त निविदा दिनांक 25.09.2025 को पूर्वान्ह 11: 00 बजे नगर पंचायत नसीराबाद में अधोहस्ताक्षरी के द्वारा कार्यालय में खोली जायेगी। यदि निविदा की तिथि को अवकाश होता है तो निविदा अगले कार्यदिवस में खोली जायेगी। कार्यो की निविदाओं की समय सारिणी निम्नानुसार है–

टेण्डर शेड्यूल (www.etender.up.nic.in)

क्र0सं0	नगर पंचायत नसीराबाद	ठेकेदार	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अंतिम दिनांक एवं समय
01	Tender Release		04-09-2025 11.00 AM	-
02	–	Tender Download	04-09-2025 11.00 AM	24-09-2025 05.00 PM
03	–	Bid Submission	04-09-2025 11.00 AM	24-09-2025 05.00 PM
04	Bid Opening Date And Place		25/09/2025, 11:00 AM (Office Of the Nagar Panchayat Nasirabad RBL)	

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत नसीराबाद
जनपद - रायबरेली।

अध्यक्ष
नगर पंचायत नसीराबाद
जनपद - रायबरेली।

अमृत विचार

गुरुवार, 4 सितंबर 2025

सोने और खाने का नाम जिंदगी नहीं है। आगे बढ़ते रहने की लगन का नाम जिंदगी है।

–मुंशी प्रेम चंद्र, साहित्यकार

भूकंप से संदेश और सीख

हालिया भीषण भूकंप ने अफगानिस्तान को गहरी खाई में धकेल दिया। इसने सैकड़ों जानें लीं, हजारों को बेघर और घायल किया, साथ ही कई बुनियादी ढांचे तबाह कर दिए। प्रभावित इलाकों में सड़कें, स्कूल, अस्पताल और जलापूर्ति तंत्र जैसी आवश्यक सेवाएं अचानक ठप हो गईं। अनुमान है कि अरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है, जबकि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही युद्ध, प्रतिबंधों और अस्थिर शासन के कारण कमजोर है। इस आपदा की घड़ी में अंतर्राष्ट्रीय समुदाय आगे तो आया है, परंतु भारत को छोड़कर अधिकतर देशों में गर्मजोशी और दरियादिली बहुत कम दिखी। मानवीय आधार पर सहायता भेजने में भारत की तत्परता सराहनीय है। उसने तंबू, टनों खाद्य सामग्री वगैरह के साथ यह सांत्वना भी भेजी कि प्रभावित लोगों को हर संभव मानवीय सहायता और राहत देने को वह तैयार है। पाकिस्तान ने सीमावर्ती इलाकों में राहत सामग्री पहुंचाई है। उल्लेखनीय है कि प्रभावित होने वालों में अधिकांश वे शरणार्थी ही हैं, जिन्हें पाकिस्तान ने भगा दिया था। अमेरिका और कुछ अन्य देश तालिबान शासन की कट्टरपंथी नीतियों के चलते मदद से दूरी बनाए हुए हैं, जो उचित नहीं। ऐसी विषम परिस्थितियों में सहयोग न केवल मानवीय दृष्टि से अनिवार्य है, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब कोई देश लगातार संकट से जूझता है, तो उसका असर सीमाओं से बाहर तक फैलता है।

दो दिनों में नौ भूकंप झेल चुके अफगानिस्तान के लिए संकट का एक विद्रूप पहलू यह है कि इन सबके बावजूद उसके पास न तो आपदा प्रबंधन की ठोस व्यवस्था है, न पर्याप्त प्रशिक्षण प्राप्त रेस्क्यू बल, न आधुनिक उपकरण और न ही आपदा पूर्व चेतावनी प्रणाली। भूकंप-प्रवण इलाकों में सुरक्षित निर्माण मानकों की अनुपस्थिति जन-धन की हानि बढ़ाती है। ऐसे में अफगानिस्तान के लिए आवश्यक है कि वह अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और तकनीकी साझेदारों के सहयोग से एक सुदृढ़ आपदा प्रबंधन तंत्र विकसित करे। राहत और पुनर्वास से आगे बढ़कर उसे दीर्घकालीन दृष्टिकोण अपनाना होगा, जैसे- सिस्मिक जोन में भवन निर्माण को सख्ती से नियंत्रित करना, स्कूलों और समुदाय स्तर पर भूकंप सुरक्षा का प्रशिक्षण देना तथा आपात स्थितियों में त्वरित संचार व्यवस्था स्थापित करना। यह केवल अफगानिस्तान तक सीमित नहीं है, जहां राजनीतिक, आर्थिक और संस्थागत स्थिति कमजोर है, जिसके चलते वह प्राकृतिक आपदाओं के सामने अधिक असहाय साबित हुआ। भारत का हिमालयी क्षेत्र से लेकर उत्तर-पूर्व तक का बड़ा भूभाग उच्च सिस्मिक जोन में आता है। किसी भी समय बड़ा भूकंप यहां भारी तबाही ला सकता है, इसलिए भारत को फौरन इमारतों के भूकंपीय सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य करना होगा। साथ ही स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी इमारतों जैसी सार्वजनिक संरचनाओं की जांच और उनका सुदृढ़ीकरण भी आवश्यक है। एनडीआरएफ और राज्य आपदा बलों को अधिक संसाधन तथा आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराना और आम नागरिकों में जागरूकता फैलाना भी उतना ही जरूरी है। अफगानिस्तान की त्रासदी हमें यह सिखाती है कि भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं सीमाएं नहीं देखतीं। इनसे बचाव केवल सामूहिक तैयारी और सहयोग से ही संभव है।

प्रसंगवश

मुस्कुराहट में छिपा अवसाद

हाल ही में उत्तर प्रदेश में एक दिल को छूने वाली घटना घटी। मानसिक अवसाद से ग्रस्त रानी देवी 17 साल बाद परिवार से मिलीं। वर्ष 2008 में वह घर से अचानक लापता हो गईं। परिवार ने हर जगह तलाश किया, लेकिन रानी देवी का कोई सुराग नहीं मिला। रानी देवी गंभीर मानसिक अवसाद से जूझ रही थीं। घरेलू दबाव, आर्थिक तंगी और पारिवारिक उपेक्षा ने उन्हें भीतर से तोड़ दिया। इसी मानसिक स्थिति में उन्होंने घर छोड़ दिया और अजनबी शहरों में भटकती रहीं। एक पुनर्वास केंद्र में समाजसेवियों की नजर उन पर पड़ी और उन्हें घर पहुंचाया गया।

देश में महिलाओं का मानसिक अवसाद केवल स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक बहुआयामी सामाजिक समस्या है। भारत जैसे देश में जहां पारंपरिक सोच और आधुनिक जीवन शैली

डॉ. नीलू तिवारी

लेखिका

आपस में टकराती हैं, वहां महिलाएं दोहरी चुनौतियों से गुजरती हैं। उनसे पारंपरिक भूमिकाएं निभाने की अपेक्षा की जाती है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक प्रतिस्पर्धी समाज में बराबरी साबित करने का दबाव उन पर होता है। यह द्वंद्व की स्थिति उनके मानसिक स्वास्थ्य को गहराई से प्रभावित करती है। पारंपरिक समाज में अकसर महिलाओं की भावनाओं और उनके मानसिक स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है, जिसके कारण वे अवसाद, चिंता और तनाव का सामना करती हैं।

हाल के शोध बताते हैं कि भारत में अवसाद से पीड़ित कुल मरीजों में लगभग आधी संख्या महिलाओं की है। विभिन्न अध्ययन बताते हैं कि प्राथमिक देखभाल स्तर पर महिलाओं में अवसाद की व्यापकता औसत 41 प्रतिशत है, जो सामाजिक और आर्थिक दबाव, घरेलू हिंसा और शिक्षा की कमी जैसी वजहों से और बढ़ जाती है। शहरी अनौपचारिक बस्तियों में किए गए शोध में 15 प्रतिशत महिलाओं ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी हल्के, नौ प्रतिशत ने मध्यम और छह प्रतिशत ने गंभीर अवसाद या चिंता के लक्षण दर्ज किए। वृद्ध महिलाओं में स्थिति और गंभीर होती है। 50 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं में अवसाद की दर 21.7 प्रतिशत पाई गई, जबकि 60 वर्ष से अधिक आयु में यह दर 9.5 प्रतिशत थी, जो पुरुषों की तुलना में अधिक है।

मानसिक स्वास्थ्य की कमी और अवसाद का परिणाम आत्महत्या की घटनाओं में भी दिखाई देता है। एनसीआरबी के अनुसार, 2021 में भारत में 164,033 आत्महत्याएं हुईं, जिनमें 48,172 महिलाएं शामिल थीं। 2025 के हालिया आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत में अनुमानित रूप से लगभग 41.9 प्रतिशत महिलाएं किसी न किसी रूप में अवसाद का सामना कर रही हैं। प्रजनन आयु की महिलाओं में मानसिक संकट की दर और भी अधिक पाई गई है। दिल्ली के निम्न-से-मध्यम आय वाले क्षेत्रों में 54.3 प्रतिशत महिलाओं ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों का अनुभव किया, जिनमें 20 प्रतिशत ने गंभीर अवसाद के लक्षण महसूस किए। प्रसवोत्तर महिलाओं में भी 19-23 प्रतिशत की दर से अवसाद की घटनाएं दर्ज की गई हैं।

शहरी महिलाएं नौकरी, परिवार और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश में मानसिक दबाव झेलती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण महिलाएं अपनी स्थिति स्पष्ट रूप से नहीं बता पाती हैं। मानसिक अवसाद से ग्रस्त महिलाओं की स्थिति और भी जटिल हो जाती है, क्योंकि उन्हें समय पर सही इलाज नहीं मिल पाता। स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, अशिक्षा, गरीबी और समाज में मानसिक रोगों को लेकर व्याप्त अंधविश्वास इसके मुख्य कारण हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका की नजर टेढ़ी

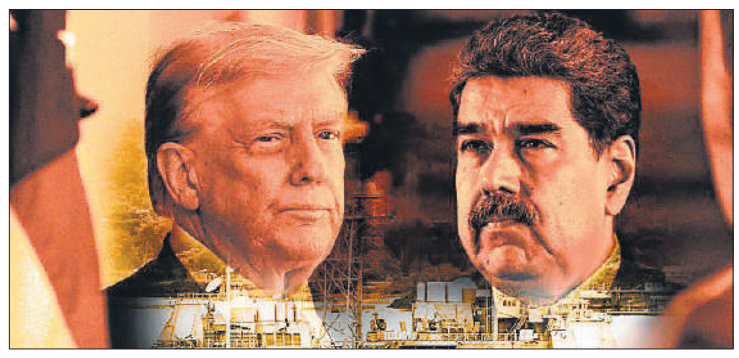

नवीन गुप्ता

बरेली

रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इजराइल की सेना गाजा को नेस्तनाबूत करने पर तुली हुई है। इजराइल तो कई मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है। ईरान की ओर से इजराइल को लगातार युद्ध के लिए उकसाया जा रहा है। पाकिस्तान ने हाल ही में अफगानिस्तान की सीमा में ड्रोन भेज कर आतंकियों को मारने का दावा किया है। इसे अफगानिस्तान की सत्ता में काबिज तालिबान ने अफगानिस्तान की संप्रभुता पर हमला करार दिया है और अब बदले की तैयारी में है। इन सबके बीच ही शांति का नोबेल पुरस्कार पाने के लिए लगातार हर हथकंडे अपना रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप युद्ध का एक और फ्रंट खोलते नजर आ रहे हैं। वेनेजुएला के समुद्र तट पर एक के बाद एक युद्धपोत भेजकर ट्रंप ने इस बात के संकेत भी दे दिए हैं।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। मादुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता पर काबिज हैं। ट्रंप उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा मादक पदार्थ तस्कर मानते हैं। ट्रंप मादुरो को अमेरिका में फेंटेनाइल से लैस कोकीन की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार मानते हैं। वे बार-बार आरोप लगाते हैं कि राष्ट्रपति मादुरो के संबंध कोकीन माफिया कार्टेल से हैं। मादुरो पर मैनहट्टन संघीय अदालत में 2020 में नार्को आतंकवाद और कोकीन आयात की साजिश के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था। तब डोनाल्ड ट्रंप पहली बार राष्ट्रपति बने थे। उस वक्त मादुरो पर 1.5 करोड़ डालर का इनाम घोषित किया गया था।

जो बाइडन राष्ट्रपति बने तो उन्होंने मादुरो पर 2.5 करोड़ डॉलर का इनाम कर दिया था। अब ट्रंप प्रशासन ने मादुरो पर इनाम की राशि बढ़ाकर पांच करोड़ डॉलर कर दी है। आरोप लगाया गया कि अमेरिका के न्याय विभाग द्वारा बरामद की गई 70 लाख टन कोकीन राष्ट्रपति मादुरो से ही जुड़ी है। हालांकि, मादुरो बार-बार यह आरोप लगाते रहे हैं कि अमेरिका उन्हें सत्ता से बेदखल करने की साजिश रच रहा है और इसीलिए इनाम राशि बढ़ाई जा रही है।

जहां मादुरो ने अमेरिका से हर स्थिति में निपटने की घोषणा की है तो ट्रंप भी उनसे बदला लेने को आतुर दिख रहे हैं। उन्होंने तो बकायदा 45 लाख सैनिकों की तैनाती की बात भी कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने वेनेजुएला के समुद्र तट पर युद्धपोत, पनडुब्बियों को तैनात कर दिया है। इससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा है और यह कयास लगाए जा रहे हैं कि अमेरिका, मादुरो को सत्ता से बेदखल करने के लिए कभी भी वेनेजुएला पर हमला कर सकता है।

यूक्रेन से युद्ध लड़ रहा रशिया भी युद्ध की स्थिति में वेनेजुएला के साथ खड़ा हो सकता है। वेनेजुएला के चीन से भी सैन्य रिश्ते अच्छे हैं। रशिया तो बाकायदा वेनेजुएला के सामरिक रूप से महत्वपूर्ण नौसैनिक अड्डों का उपयोग भी करता है। कई बार दोनों देशों के सैनिक संयुक्त सैन्य अभ्यास कर चुके हैं, ऐसे में यदि अमेरिका की ओर से वेनेजुएला पर हमला किया जाता है तो युद्ध लंबा खिंच सकता है। वेनेजुएला कभी भी अमेरिकी दादागिरी के सामने नहीं झुका।

ईराक में सद्दाम हुसैन और लीबिया में कर्नल गद्दाफी के खात्मे के बाद अमेरिका की दादागिरी बढ़ी और यह माना जा रहा है कि सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल असद के देश छोड़ने के पीछे भी ट्रंप का ही हाथ है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने और देश छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए जो हिंसक आंदोलन हुआ, उसमें भी अमेरिकी हाथ होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। अमेरिकी प्रशासन के दबाव में हसीना कभी नहीं आईं। यही स्थिति मादुरो की है। ऐसे में बशर अल असद और हसीना को सत्ता से बेदखल करने वाला अमेरिका अब हर हाल में मादुरो को हटाकर वेनेजुएला में कठपुतली सरकार बनाना चाहता है, ताकि वहां के संसाधनों का उपयोग वह आसानी से कर सके।

ट्रंप नहीं चाहते कि कोई भी शासक उन्हें चुनौती दे और जो चुनौती दे, उससे वे हर स्तर पर निपटने को तैयार हैं। चाहे मनमाना टैरिफ लगाकर या फिर वहां विद्रोह कराकर। अब बात करें ईरान की। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने एक के बाद एक मिसाइलों का टेस्ट किया और फिर से इजराइल को ललकारने में जुट गए हैं। यमन में हूती विद्रोहियों के प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और कई बड़े नेताओं को हलाक करने वाले इजराइल के हौसले बढ़े हुए हैं और वह ईरान से दो-दो हाथ करने को फिर से तैयार भी दिख रहा है। ऐसे में रक्षा विशेषज्ञों का यह मानना है कि युद्ध के और फ्रंट खुल सकते हैं, जो विनाश का कारण बनेंगे।

अमेरिका की दादागिरी का आलम तो यह है कि भारत पर दबाव बनाने के लिए ही पाकिस्तान को कुछ ज्यादा ही तरजीह दी जा रही है। ट्रंप ने इसीलिए पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को दो बार बुलाया और खातिरदारी की। हो सकता है कि अमेरिका भारत को चिढ़ाने के लिए पाकिस्तान से हथियारों की बड़ी डील भी कर ले। इससे वह पाकिस्तान को चीन से दूर करने में भी कामयाब होगा और भारत को भी यह संदेश देने में कामयाब होगा कि अब वह पूरी तरह से पाकिस्तान के सिर पर हाथ रखेगा और भारत को इग्नोर करेगा।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच दुश्मनी जग जाहिर है। ट्रंप उन्हें दुनिया का सबसे बड़ा मादक पदार्थ तस्कर मानते हैं।

आमने

आज कांग्रेस 'गांधीवादी' नहीं रही, यह 'गालीवादी' कांग्रेस बन गई है। ये 'गली-गली' कांग्रेस नहीं, बल्कि 'गाली-गाली' कांग्रेस बन गई है। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव का पूरा कुनबा हताशा और निराशा में गालीबाजी कर रहा है। –**शहजाद पूनावाला,** भाजपा नेता

सामने

किसी की मां को गाली नहीं देना चाहिए, हम इसके पक्ष में नहीं हैं। विधानसभा के अंदर बीजेपी के विधायकों ने मुझे गाली दी थी। आरजेडी की प्रवक्ता को नंगा घुमाया गया। ऐसा करने वालों को इन्होंने पार्टी में लिया। यह बिहार बंद कर रहे हैं, इनके पास कोई ठोस मुद्दा नहीं है। –**तेजस्वी यादव** आरजेडी नेता

सहकारिता के लिए घातक अमेरिकी 'ब्लड मील'

हरीश शिवनानी

स्वतंत्र पत्रकार

किसी शक्तिशाली, साधन-संपन्न और प्रभुत्ववादी देश का राष्ट्राध्यक्ष यदि अपनी निजी खुन्नस में अतार्किक और अनर्थकारी निर्णय दूसरे देशों पर थोपने पर आमादा हो जाए तो स्थिति गंभीर और सतर्क, सजग रहने जैसी हो जाती है। अमेरिका ने भारत के लिए यही स्थिति उत्पन्न कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा उसे 'ऑपरेशन सिंदूर' सीजफायर का (झूठा) श्रेय न देने और नोबल पुरस्कार की संस्तुति न करने और अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए बाजार न खोलने से खिन्न होकर भारत पर अत्यधिक टैरिफ थोप दिए हैं। यह भारत में बरसों से बनाए गए सहकारिता आंदोलन और किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण समय है।

भारत का डेयरी उद्योग ग्रामीण विकास और किसानों की आजीविका का प्रमुख स्रोत भी है। सहकारी आंदोलन के माध्यम से विकसित यह उद्योग, विशेष रूप से अमूल, मदर डेयरी और अन्य कई ब्रांडों के जरिए, दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है, लेकिन पिछले कुछ समय में अमेरिका द्वारा अपने डेयरी उत्पाद भारत पर आयात करने के लिए दबाव डाल रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन में इसे 'ट्रेड बैरियर' बताते हुए सख्त विरोध किया है और इसके आयात की मंजूरी देने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। एक मुख्य कारण यह है कि यदि अमेरिकी 'ब्लड मील' वाले डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोल दिए तो सस्ते अमेरिकी उत्पाद भारतीय बाजार पर कब्जा कर लेंगे, जो भारतीय सहकारी उद्योग और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के ढांचे पर घातक प्रहार करेंगे।

अमेरिकी डेयरी उद्योग उत्पादकता बढ़ाने के लिए गायों को खिलाए जाने वाले चारे में 'ब्लड मील', 'बोन मील' और अन्य पशु उप-उत्पादों का इस्तेमाल करता है। 'ब्लड मील' पशु रक्त, मृत पशुओं की हड्डियों और मांस से बनाया जाता है, जो प्रोटीन का सस्ता स्रोत है और गायों के दूध उत्पादन को बढ़ाता है। इन उत्पादों में 'ब्लड मील' इस्तेमाल होने के कारण इन्हें मांसाहारी माना जाता है, जो भारतीय संस्कृति और शाकाहारी परंपराओं के विपरीत है। यदि ये आयात बढ़े, तो भारत के सहकारी डेयरी उद्योग पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है, जिससे करोड़ों किसान और दुग्धपालक प्रभावित होंगे और जिसका सीधा असर भारत के सहकारिता आंदोलन पर पड़ेगा।

भारत में सहकारी डेयरी आंदोलन की शुरुआत 1946 में गुजरात के आनंद जिले से हुई, जब किसानों ने मिलकर कायरा जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (अमूल) की स्थापना की। अमूल मॉडल ने किसानों को सीधे बाजार से जोड़ा, बिचौलियों को हटाया और उचित मूल्य सुनिश्चित किया। आगे चलकर 1970 में शुरू हुए ऑपरेशन फ्लड (श्वेत क्रांति) ने इस आंदोलन को राष्ट्रीय स्तर पर फैलाया। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के तहत चलाए गए इस कार्यक्रम को तीन चरणों में व्यवस्थित रूप से नए सहकारी संघ जोड़े गए, जिससे कुल संख्या 73,000 हो गई। ऑपरेशन फ्लड ने भारत को दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश बनाया, जहां आज करीब आठ करोड़ किसान और पशुपालक जुड़े हैं।

यह आंदोलन न केवल आर्थिक रूप से सफल रहा, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बना। सहकारी मॉडल ने जाति और लिंग भेदभाव को कम किया, महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता दी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया। आज भारत का डेयरी सेक्टर जीडीपी में लगभग चार प्रतिशत योगदान देता है, अब अमेरिका इस आंदोलन को चुनौती दे रहा है। भारत में 'नॉन-वेज मिल्क' भारतीय उपभोक्ताओं के लिए अस्वीकार्य है। 'ब्लड मील' न केवल सांस्कृतिक रूप से विवादास्पद है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। इसमें बैक्टीरिया या रोगाणु हो सकते हैं, जो दूध के माध्यम से मानव स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। 'ब्लड मील' युक्त अमेरिकी डेयरी आयात के खतरे बहुआयामी हैं।

सबसे प्रमुख है आर्थिक खतरा। अमेरिकी उत्पाद सब्सिडी प्राप्त होते हैं, इसलिए वे सस्ते हैं। इनके आयात से भारत में दूध की कीमतें 15 फीसदी तक गिर सकती हैं, जिससे भारतीय किसानों और दुग्ध उत्पादकों को सालाना 1.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। अनेक सहकारी संघ, जो छोटे किसानों पर निर्भर हैं, प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। इससे लाखों सीमांत किसान विस्थापित हो सकते हैं। दूसरा है सांस्कृतिक खतरा। भारत में लगभग 80 फीसदी आबादी शाकाहारी है और यहां दूध को पवित्र माना जाता है। 'ब्लड मील' युक्त दूध का आयात धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा। यह 'सांस्कृतिक ब्लासफेमी' जैसा होगा। भारत का सहकारी मॉडल स्थानीय और टिकाऊ है, जो छोटे फार्म्स पर आधारित है। आयात से यह संतुलन बिगड़ जाएगा।

ऑपरेशन फ्लड ने जो किसानों को संगठित किया, आयात से वह सहकारी संघ कमजोर हो जाएंगे। निजी कंपनियां बढ़ेंगी, जो किसानों का शोषण कर सकती हैं। ग्रामीण बेरोजगारी बढ़ेगी और महिलाओं की भागीदारी कम होगी। अमेरिका के दबाव से भारत सतर्क है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सार्वजनिक रूप से घोषणा कर चुके हैं कि वे अमेरिकी दबाव के आगे भारत के किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं करेंगे, क्योंकि सहकारी मॉडल की रक्षा करना जरूरी है, ताकि किसान और दुग्ध उत्पादक सशक्त रहें। यदि भारत सरकार दबाव में आकर अमेरिका से डेयरी उत्पादों के आयात को मंजूरी दे देती है तो श्वेत क्रांति का सपना अधूरा रह जाएगा और सहकारिता आंदोलन पर घातक आघात होगा।

टैरिफ वार के दबाव में अगर भारत अमेरिकी डेयरी उत्पादों के लिए अपना बाजार खोल देता है, तो समूचा सहकारिता और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ढांचा ही चरमरा जाएगा।

सोशल फोरम

वापस आना, जीना नहीं होता

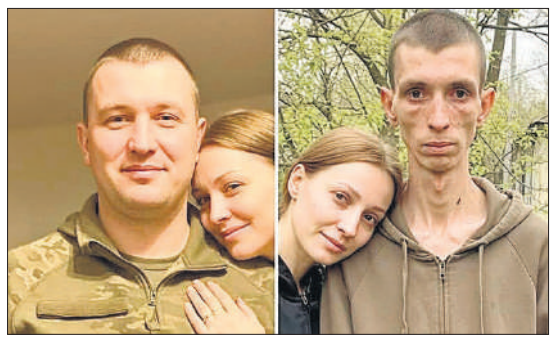

बाएं ओर समय थमा हुआ था- एक तस्वीर, जिसमें प्रेम था, वादा था और शक्ति थी। वह गर्व से अपनी वर्दी पहने खड़ा था, चौड़े कंधे, स्थिर निगाहें और उसकी मंगेतर उसके सहारे झुकी हुई, जैसे आने वाले कल पर भरोसा हो। सब कुछ निश्चित और साफ लगता था, लेकिन दाईं ओर समय टूट चुका था। 11 महीने की कैद ने उसे खोखला कर दिया। उसका शरीर हड्डियों और छायाओं में बदल गया, चेहरा एक पीड़ा का मानचित्र। वही स्त्री उसके पास थी, उसका प्रेम अब भी अडिग, लेकिन इस बार उसकी बांहें मजबूती को नहीं, टूटन को थामे थीं।

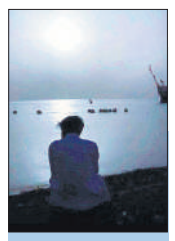

कलम रंगदार

फेसबुक

वह घर लौटा था, पर पूरी तरह नहीं।

"वहां आसमान नहीं था।" उसने फुसफुसाकर कहा। "केवल सड़ांध की गंध थी, बेस्वाद दलिया जो गले में अटक जाता था और भूत-सी आकृतियां जो चुपचाप गुजरती रहती थीं।" उसे याद था बेल्ट की मार, ठंडा पानी जो शरीर में आग की तरह जलता था और वे रातें जब वह नंगी जमीन पर कांपता पड़ा रहता था।

"हम लोग नहीं गिनते थे। हम तो बस परछाइयां गिनते थे।"

वह बच तो गया, लेकिन बचना और जीना- एक जैसी बातें नहीं होतीं। घर पर भी जंग उसका पीछा करती रही। अंधेरा उसे कंपा देता, डोरबेल की आवाज उसे गहरी चुप्पी में धकेल देती। कभी आईने में उसका चेहरा नहीं, बल्कि वही कैदी दिखता, जो अब भी सलाखों के पीछे था। वह उसे छूने की कोशिश करती रही। अपनी आवाज से, अपने स्पर्श से, अपने साथ से। पर जब भी उसने उसके भीतर के उस बंद दरवाजे पर दस्तक दी, जवाब हमेशा एक ही मिला- "अंदर मत आना। मैं अब भी वहीं हूं।"

और इस तरह जंग जारी रही। न गोलियों से, न बमों से, बल्कि उनके घर की खामोशी में, यादों की चुप लड़ी में। कुछ जख्म केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी काटते हैं। कुछ जंग बंदूकें थम जाने पर भी खत्म नहीं होतीं।

सामयिकी

कुछ 'कालनेमि' हमारे बीच भी घूम रहे हैं!

रामायण का एक बड़ा ही रोचक प्रसंग याद आता है। लक्ष्मण जी के मूर्छित होने पर सुषेण वैद्य द्वारा संजीवनी बूटी लाने की बात आई तो रावण ने कालनेमि को हनुमान का रास्ता रोकने का काम सौंपा। कालनेमि ने एक मायावी साधु का वेश धारण किया और हनुमान जी को रोक लिया, लेकिन हनुमान जी ने उसकी माया को पहचानकर उसका वध कर दिया। कालनेमि लंका नरेश रावण के मामा मारीच का पुत्र था। इसी पौराणिक कथा से प्रेरणा लेकर उत्तराखंड पुलिस ने अपने विशेष अभियान का नाम 'ऑपरेशन कालनेमि' रखा है, जिसका उद्देश्य फर्जी साधुओं और ढोंगी बाबाओं को पकड़ना है। जिस

डॉ. धीरज सिंह

स्तंभकार

प्रकार दानव कालनेमि ने छल करने के लिए भेष बदला था, उसी प्रकार आज हमारे समाज में भी कई ऐसे कालनेमि मौजूद हैं, जो अपराध करने के लिए धर्म का दुरुपयोग कर रहे हैं।

उत्तराखंड में चलाया जा रहा कालनेमि ऑपरेशन लोगों की आस्था की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने का एक प्रयास है कि केवल सच्चे आध्यात्मिक मार्गदर्शक ही हमारे धार्मिक समुदायों का नेतृत्व करें और इसमें काफी हद तक प्रशासन को सफलता भी मिली है। लगभग 300 से अधिक छद्म साधु और मौलाना पकड़े गए हैं। इन साधु-संतों में अधिकांश तो मुस्लिम पक्ष के व्यक्ति हैं।

साधु हिंदू धार्मिक समाज का वह घटक होता है, जिस पर आसानी से भरोसा जम जाता है। उस पर अपने आप श्रद्धा बन जाती है। उसे बड़े सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। ऐसे में साधु का भेष धरा व्यक्ति आसानी से अंधविश्वास, छल-कपट और दैवीय शक्तियों के झूठे दावों के जरिए लोगों की आस्था का फायदा उठा सकता है। मासूम आस्तिक लोगों को बड़ी आसानी से बहला-फुसला और बरगला कर भटका सकता है। रावण का वध भगवान श्रीराम ने सिर्फ इसलिए नहीं किया था कि उसने माता सीता का छल से अपहरण किया था, बल्कि उसके वध के मूल में यह बात थी कि उसने अपहरण के लिए एक ऋषि/साधु का वेष धरा था, जो महापाप की श्रेणी में आता है। सनातन में यह अक्षम अपराध है।

फतेहपुर, कानपुर, इलाहाबाद, मुंबई में कई नकली मौलाना पकड़े गए हैं, जो मदरसे और मस्जिद के नाम पर चंदा वसूलते थे। जब गहराई से छानबीन की गई तो पता चला कि कहीं कोई मदरसा नहीं है। कोई मस्जिद नहीं है। ये लोगों को मदरसे और मस्जिद का नाम आगे बढ़ाकर पैसे जमा करते थे। ताज्जुब की बात तो यह है कि इनमें से कई नकली मौलाना तो गैर मुस्लिम भी निकले!

मुंबई के गोवंडी, भिवंडी, दो टांकी, शिवाजी नगर में ऐसे संदिग्ध लोग पकड़े गए हैं, जो साधु या मौलाना का रूप इख्तियार कर चोरी-डकैती करने के लिए इलाके की रेकी करते थे। ऐसे कुछ साधु अभी हाल के दिनों में पश्चिम बंगाल के कोलकोता और चौबीस परगना जिले में भी धरे गए हैं। अगस्त के आखिर में दिल्ली में भी तीन छद्म साधु पकड़े गए हैं। यहां यह बात ध्यान देने की है कि कालनेमियों का कोई धर्म नहीं होता, क्योंकि कालनेमि एक राक्षस था और राक्षसों का भी कोई धर्म या मजहब नहीं होता। यह बात ध्यान देने योग्य है कि बहुत से लोग सिर्फ धार्मिक आस्था के आधार पर भगवा धारण करते हैं। उनके पास धर्म का इतना व्यापक ज्ञान भी नहीं होता। वह जीवन पद्धति के तौर पर इसे स्वीकार करते हैं। कुछ बुजुर्ग एक निश्चित उम्र के बाद साधु-संन्यासी के तौर पर रहना पसंद करते हैं। ऐसे में पुलिस-प्रशासन के सामने असली अनुयायी और छद्म वेशधारियों के बीच अंतर करने की चुनौती बनी रहती है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरुवे नमः॥
(गुरु ही ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और साक्षात परमब्रह्म हैं, ऐसे गुरु को मैं नमन करता हूं।)

बदल गई पढ़ाई, अब स्किल से ही कमाई

शिक्षक ज्ञान के द्वारपाल, तकनीक के हथियार से गढ़ने होंगे नए आकार

भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। गुरु-शिष्य परंपरा हमारी पहचान है। गुरु यानि शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान नहीं देते, बल्कि जीवन जीने की कला, नैतिकता और अनुशासन का मार्ग दिखाकर जीवन की वास्तविकताओं से अवगत कराते हैं। शिक्षकों की प्रेरणा और मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं है, यह जीवन की महत्वपूर्ण यात्रा है, और शिक्षक इस यात्रा में इंजन हैं। ऐसे में यह दिन शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता, सम्मान और आभार प्रकट करने तथा उनके योगदान की सराहना का तरीका है।

डिजिटल युग ने बदली शिक्षा की परिभाषा और बदल गई शिक्षकों की भूमिका

तेजी से बदलती दुनिया में शिक्षकों के लिए समाज में नैतिकता, संस्कृति और परंपरा के महत्व को समझाकर विद्यार्थियों को सही मार्ग पर ले जाने की चुनौती बढ़ गई है। डिजिटल युग ने शिक्षा की परिभाषा और शिक्षकों की भूमिका बदल दी है। ऐसे में शिक्षकों को डिजिटल कौशल और आधुनिक तकनीक का ज्ञान तथा बदलावों के साथ अपने दृष्टिकोण को अपडेट करना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारी की प्रचुरता के कारण ज्ञान के स्रोत वाली शिक्षकों की पारंपरिक भूमिका को चुनौती मिल रही है।

शिक्षक दिवस : कबीर की बताई बात नए जमाने में भी है प्रासंगिक

**गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है,
गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट। अंतर हाथ सहार
दै, बाहर बाहै चोट।।**

(शिक्षक कुम्हार है, और शिष्य घड़ा। वह भीतर से हाथ का सहारा और बाहर से चोट देकर शिष्य को ऐसे तराशता है, जिससे उसके मन में कोई बुराई न रह जाए।)

...क्योंकि हर स्टूडेंट कुछ अलग होता है

- पहले पढ़ाई सिर्फ किताबों और परीक्षाओं तक सीमित थी। अब स्कूल नई शिक्षण विधियों का उपयोग कर रहे हैं। इसमें शिक्षकों की भूमिका छात्रों की समस्याएं सुलझाने, नए कौशल सिखाने और भविष्य के पथ प्रदर्शक जैसी हो गई है। तकनीक छात्रों को नए तरीकों से सीखने में मदद कर रही है, ऐसे में जरूरी है कि शिक्षक भी नए कौशल सीखें। छात्रों को सही राह पर बनाए रखने के तरीके खोजें। स्कूल-कॉलेज भी व्यक्तिगत शिक्षा पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, क्योंकि हर विद्यार्थी अलग होता है। कुछ जल्दी सीखते हैं, कुछ को थोड़ा समय लगता है। शिक्षकों समझना पड़ेगा कि किस बच्चे की क्या जरूरत है। कक्षाओं में स्मार्टबोर्ड, शैक्षिक ऐप्स और वीडियो का इस्तेमाल शिक्षक पढ़ाई को मजेदार बना सकते हैं।

'नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी' ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर

- थोड़ा पढ़-लिख गए, तो इसका मतलब यह नहीं है कि आपको सब कुछ आता है। सीखने के लिए पूरी उम्र कम पड़ जाती है। पढ़ने और सीखने में फर्क है। सीखना ऐसी कला है, जिससे हम खुद को अपडेट और इंप्रूव कर सकते हैं। आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में शिक्षण पद्धति में व्यावहारिक कौशल का महत्व समझना होगा। यह समय 'नॉलेज बेस्ड इकोनॉमी' का है, जिसमें ज्ञान से जुड़ा कौशल सबसे ऊपर है। इसलिए छात्रों को चाहिए कि वे पारंपरिक विषयों से आगे बढ़कर अपनी रुचि के क्षेत्र में रिसर्च आधारित या व्यावसायिक कोर्सेज का चयन करें।

एआई के दौर में भावनात्मक बुद्धिमत्ता व रचनात्मकता विकसित करनी होगी

- शिक्षा का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। इंटरनेट ने सूचना और ज्ञान तक हर किसी की पहुंच बना दी है। इस बदलाव से शिक्षक अब केवल तथ्यों के वितरक नहीं रह गए हैं। ज्ञान के संरक्षक होने के नाते उनके कंधों पर छात्रों को सूचना के सागर में रास्ता दिखाने की जिमेदारी आ गई है। एआई और नई तकनीक के परिदृश्य में शिक्षकों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता, अनुकूलनशीलता और रचनात्मकता जैसे इस तरह के कौशल विकसित करने होंगे जो अभी एआई की पहुंच में नहीं हैं।

बढ़िया मार्क्स या ग्रेड पर न इतराएं, वह क्षमता लाएं जो नियोक्ता को भाए

- आज अच्छे मार्क्स या ग्रेड ही काफी नहीं हैं। कॉरियर में सफल होने के लिए वह कौशल जरूरी है, जिसकी अपेक्षा नियोक्ता करता है। ऐसे में शिक्षकों पर ये कौशल विकसित करने की जिम्मेदारी है। इसके लिए शिक्षकों को व्याख्याता के रोल से बाहर आकर डिजिटल तकनीक के जरिए छात्रों से जुड़ने के तरीके खोजने होंगे। समय के साथ बदलने वाले शिक्षक ही शिक्षा को बेहतर बना सकते हैं।

लेखिका
डॉ. क्षमा त्रिपाठी
प्रोफेसर, डीजीपीजी कॉलेज, कानपुर

जॉब अलर्ट

रीजनल रूरल बैंकों में क्लर्क व पीओ के लिए आवेदन करें

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सिलेक्शन (IBPS) ने देश के रीजनल रूरल बैंकों (RRBs) में क्लर्क और प्रोबेशन ऑफिसर (PO) समेत कई पदों पर 13,000 से अधिक वैकेंसी निकाली हैं। आवेदन प्रक्रिया 1 सितंबर से शुरू हो चुकी है। 21 सितंबर तक ऑफिशियल वेबसाइट ibpsreg.ibps.in पर फॉर्म भर सकते हैं। शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा अलग-अलग पदों के अनुसार तय की गई है। प्रीलिम्स एग्जाम नवंबर में तथा मेन एग्जाम दिसंबर 2025 या फरवरी 2026 में हो सकता है।

बिहार की पॉलिटेक्निक में एसो. प्रोफेसर व प्रिंसिपल बन सकते हैं

बिहार लोक सेवा आयोग ने साइंस, टेक्निकल एंड टेक्नोलॉजी विभाग के अंतर्गत गर्वनमेंट इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक इंस्टीट्यूट में एसोसिएट प्रोफेसर के 539 पद, पॉलिटेक्निक प्रिंसिपल के 26 पद तथा गर्वमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रिंसिपल के 25 पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे हैं। ऑफिशियल वेबसाइट bpsc.bihar.gov.in पर जाकर आवेदन किए जा सकते हैं।

एम्स जोधपुर में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर ने असिस्टेंट प्रोफेसर (ग्रुप-ए) के पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट aiimsjodhpur.edu.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

इंडियन ऑयल ने निकाली अप्रेंटिस पद के लिए भर्ती

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) ने 537 पदों पर अप्रेंटिस की भर्ती निकाली है। इसमें ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन, डेटा एंट्री ऑपरेटर और डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर अप्रेंटिस शामिल हैं। यह भर्ती आईटीआई, डिप्लोमा और संबंधित योग्यता रखने वाले युवाओं के लिए है। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन शामिल होगा। उम्मीदवार IOCL की ऑफिशियल वेबसाइट iocl.com या अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर जाकर अपने फॉर्म भर सकते हैं।

फैशन डिजाइनिंग में क्रिएटिविटी से कॅरियर का सुनहरा सफर

आज के दौर में फैशन डिजाइनिंग सिर्फ कपड़े और एक्सेसरीज बनाने तक सीमित नहीं है, यह एक उभरता हुआ कॅरियर विकल्प है, जिसके लिए क्रिएटिविटी, टेक्निकल नॉलेज और आधुनिक ट्रेंड्स की गहरी समझ जरूरी है। कपड़ों और एक्सेसरीज को डिजाइन करने उन्हें आधुनिकता, सौंदर्यशास्त्र और व्यक्तित्व के अनुरूप प्रस्तुत करने की इस कला में कॉन्सेप्ट डेवलपमेंट, स्केचिंग, फैब्रिक सेलेक्शन, पैटर्न मेकिंग से लेकर फाइनल गारमेंट प्रोडक्शन तक की पूरी प्रक्रिया शामिल होती है। बदलती जीवनशैली और ग्लोबल कनेक्टिविटी ने फैशन डिजाइनिंग क्षेत्र को लोकप्रिय विस्तार दिया है। यदि आपके भीतर क्रिएटिविटी, नए ट्रेंड्स सीखने की चाहत और अपनी पहचान बनाने का सपना है, तो यह कोर्स आपके लिए सबसे सही विकल्प हो सकता है।

इन क्षेत्रों में बना सकते हैं कॅरियर

- फैशन डिजाइनर
- टेक्सटाइल डिजाइनर
- ज्वेलरी डिजाइनर
- फैशन कंसल्टेंट
- फैशन इलस्ट्रेटर
- पैटर्न मेकर
- स्टाइलिंग प्रोड्यूस
- ग्राफिक डिजाइन
- बुटीक या स्टार्टअप
- मर्चेंडाइजिंग, रिटेल सेक्टर
- एक्सपोर्ट-इंपोर्ट हाउस

यहां उपलब्ध है पढ़ाई

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में फैशन डिजाइनिंग कोर्स प्रौढ़ एवं सतत शिक्षा विभाग के अंतर्गत सफलतापूर्वक संचालित है।

- पीजी डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग, वर्ष 1992 से संचालित, प्रवेश योग्यता ग्रेजुएशन।
- बीवॉक फैशन डिजाइनिंग एंड गारमेंट टेक्नोलॉजी, वर्ष 2018 से संचालित, प्रवेश योग्यता इंटरमीडिएट।

क्यों चुनें यह कोर्स

- यह एक प्रोफेशनल कोर्स है, जिसे करने के बाद तुरंत इंटर्नशिप और जॉब से जुड़ सकते हैं।
- छात्र-छात्राएं चाहें तो स्वयं का स्टार्टअप या बुटीक भी शुरू कर सकते हैं।
- इस कोर्स से आप क्रिएटिव इंडस्ट्री के विभिन्न क्षेत्रों में कदम रख सकते हैं।

लेखक : कमर अब्बास, अयोध्या

फ्लाइट अटेंडेंट एक रोमांचक और शानदार करियर

हवाई सेवाओं में विस्तार के साथ फ्लाइट अटेंडेंट जॉब के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।यह एक रोमांचक व शानदार करियर है, जिसमें उड़ान के दौरान यात्रियों की सुरक्षा और आराम सुनिश्चित करना होता है।फ्लाइट अटेंडेंट बनने के लिए 12वीं के बाद सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं, जिनकी अवधि 6 महीने से 3 साल तक होती है। इन कोर्सेज में ग्राहक सेवा, सुरक्षा प्रक्रियाएं, आपातकालीन हैंडलिंग, और शारीरिक तैयारी सिखाई जाती है।

सर्टिफिकेट कोर्स

अवधि : 6 महीने से 1 साल तक.
कवर किए जाने वाले विषय : बेसिक सेफ्टी, ग्रूमिंग, कम्युनिकेशन, और इन-फ्लाइट सर्विसेस.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास

डिप्लोमा कोर्स

अवधि : 6 महीने से 1 साल तक.
कवर किए जाने वाले विषय : इमरजेंसी हैंडलिंग, फर्स्ट ऐड, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, और एविएशन ऑपरेशंस की जानकारी.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास।

डिग्री कोर्स

अवधि : 3 साल
कवर किए जाने वाले विषय : एविएशन इंडस्ट्री की थ्योरी और प्रैक्टिकल जानकारी, हॉस्पिटैलिटी, और मैनेजमेंट.
योग्यता : 12वीं कक्षा पास।
ट्रेनिंग के दौरान हवाई यात्रा से जुड़ी जरूरी जानकारियां, यात्रियों की देखभाल के तरीके, सुरक्षा प्रोटोकॉल और प्रोफेशनल व्यवहार की पूरी ट्रेनिंग दी जाती है ।
शारीरिक योग्यता : उम्र 17 से 25 साल के बीच होनी चाहिए, अच्छी फिटनेस और न्यूनतम लंबाई (लड़कियों के लिए लगभग 155 सेमी और लड़कों के लिए लगभग 160 सेमी) होनी चाहिए।

प्रोफेशनल अंदाज

- फ्लाइट अटेंडेंट का मुख्य काम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करना होता है। वे फ्लाइट के दौरान यात्रियों को दिशा-निर्देश देते हैं, खाने-पीने की सेवा करते हैं। व्यवहार प्रोफेशनल और सौम्य होना जरूरी है।

कितनी होती सैलरी?

नियुक्ति के समय सैलरी लगभग 25,000 से 40,000 तक हो सकती है। जैसे-जैसे अनुभव बढ़ता है और आप इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर काम करने लगते हैं, सैलरी 60,000 से 1 लाख या उससे ज्यादा भी हो सकती है।

प्रतिभाओं की फैक्ट्री है एकेटीयू

लखनऊ स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) जिसे पहले यूपीटीयू के नाम से जाना जाता था, देश के सबसे बड़े तकनीकी विश्वविद्यालय के रुतबे के अनुरूप उपलब्धियों की भी बड़ी लकीर खींच रहा है। यह प्रदेश में स्थित सभी सरकारी और निजी संस्थानों में इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, फार्मेसी, होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी के साथ एमबीए और एमसीए कार्यक्रमों में स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्लेसमेंट का बेहतर रिकार्ड एकेटीयू का प्लेसमेंट रिकार्ड औसतन 75 फीसदी से अधिक है। पिछले वर्ष उच्चतम पैकेज 49 लाख प्रतिवर्ष था, जबकि औसत पैकेज 4 से 6 लाख है। विश्वविद्यालय में 14 हजार से ज्यादा आफर्स के सापेक्ष 13,898 छात्रों को प्लेसमेंट मिला था।

बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं

एकेटीयू ने बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरु की हैं। सातवें सेमेस्टर में 50 फीसदी और आठवें सेमेस्टर में पूरी तरह ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जाएंगी। इसका फायदा 2 लाख स्टूडेंट्स को मिलेगा। इसमें मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये छात्र सुविधानुसार कक्षाएं कर सकेंगे। मूक्स पर ज्यादातर इंडस्ट्री ओरिएंटेड और रोजगारपरक कोर्स उपलब्ध हैं।

स्थापना- वर्ष 2000
संबद्ध कॉलेज – 756+
कोर्स – 58
डिग्री,4391 पाठ्यक्रम
प्रवेश परीक्षा – जेईई मेन, गेट, सीमैट, सीयूईटी यूजी तथा पीजी, कैट, एनएटीए

प्रमुख कोर्स

बीटेक – 04 वर्ष
पात्रता - न्यूनतम 45% अंकों के साथ 10+2
प्रवेश परीक्षा – जेईई मेन –यूपीएसएसईई

बीबीए/बीसीए/बीकॉम/बीएससी – 03 वर्ष
पात्रता – 10+2
प्रवेश परीक्षा – सीयूईटी यूजी

पीजी, एमबीए, पीजीडीएम पाठ्यक्रमों में पंजीकरण

- पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीयूईटी पीजी 2026 पंजीकरण प्रक्रिया जनवरी 2026 में शुरू हो सकती है। एमबीए, पीजीडीएम पाठ्यक्रमों के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 5 दिसंबर, 2025 है।

बीआर्क – 05 वर्ष
पात्रता – 10+2
प्रवेश परीक्षा – एनएटीए
एमबीए/ एमसीए - 02 वर्ष
पात्रता - 50% अंकों के साथ स्नातक
प्रवेश परीक्षा – कैट, मैट, सीमैट
एमटेक – 02 वर्ष
पात्रता – बीटेक या बीई 50% अंकों के साथ
प्रवेश परीक्षा - गेट
पीएचडी- तय समयावधि
पात्रता – संबंधित विषय में परास्नातक डिग्री
प्रवेश परीक्षा- यूनिवर्सिटी लिखित परीक्षा व साक्षात्कार

एकेटीयू छात्रों के लिए नवीनतम तकनीक अपना रहा है। हमारे छात्र समाज और राष्ट्र की जरूरत के अनुरुप तेजी से कार्य कर रहे हैं। चाहे वह इंजीनियरिंग, कृषि में नवाचार या नई खोज हो या चिकित्सा क्षेत्र को और सुगम बनाना हो। विश्वविद्यालय में छात्रों के स्टार्टअप्स को समर्थन देने की पुख्ता व्यवस्था है। देश-विदेश की कंपनियों में प्लेसमेंट का रिकार्ड भी लगातार बेहतर हो रहा है।

-प्रो. जेपी पाण्डेय, कुलपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,567.71	24,715.05
बढ़त	409.83	135.45
प्रतिशत में	0.51	0.55

सोना- 1,07,070 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,26,100 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 4 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

नवरात्र में मनेगी दिवाली, बाजार होंगे गुलजार

त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं को मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी/अमृत विचार नेटवर्क

जीएसटी काउंसिल के फैसले ने दीपावली से पहले ही बाजार को संजीवनी दे दी है। आर्थिक मामलों के जानकारों का मानना है कि जीएसटी दरों में कमी से बाजार गुलजार होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। इससे मांग को बढ़ाने में मदद मिलेगी। जीएसटी दरों में कमी के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए जाने वाले टैरिफ से होने वाले नुकसान को भी कम करने में मदद मिलेगी। जीएसटी दरों में कमी 22 सितंबर यानी नवरात्रों के पहले दिन से प्रभावी होगी। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 के आधार पर गणना करें तो इस बदलाव से करीब 48,000 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है। सीतारमण ने कहा कि ये फैसले आम आदमी को ध्यान में रखकर लिये गये हैं। इन बदलावों से श्रम साध्य क्षेत्रों, किसानों तथा कृषि क्षेत्र और स्वास्थ्य क्षेत्र को ज्यादा फायदा होगा।

जीएसटी काउंसिल के फैसले के बाद दूध, पनीर, रोटी, पराठा, मक्खन, घी, ड्राईफ्रूट्स और मिठाई जैसी रोजमर्रा की चीजें सस्ती होंगी। जीएसटी दरों में यह बदलाव त्योहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा। वहीं सरकार का कहना है कि यह फैसला महंगाई कम करने और उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए लिया गया है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद बताया कि महत्त्वपूर्ण वस्तुओं पर जीएसटी दरों को घटाने का निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में काम आने वाली अनेक वस्तुओं, कृषि क्षेत्र में खाद बनाने वाले प्रमुख रसायनों, हाथ से बनाए जाने वाली वस्तुओं, निजी इंश्योरेंस, आंखों के लिए नंबर वाले चश्मे सहित रोजमर्रा के उपभोग की अनेक वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कमी की गई है।

जीएसटी काउंसिल ने उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए कई जरूरी वस्तुओं को करमुक्त कर दिया है। अब दूध, छेना और पनीर पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इसके साथ ही रोटी, पराठा और अन्य दैनिक उपयोग की चीजों को भी टैक्स से मुक्त किया गया है। काउंसिल ने कुल 391 उत्पादों पर फैसला लिया है, जिनमें कई खाद्य पदार्थ, दवाइयां और जीवन से जुड़ी आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। यह कदम महंगाई को नियंत्रित करने और आम लोगों को राहत देने के लिए उठाया गया है। नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी।

जीएसटी काउंसिल ने काउंसिल ने बायो पेस्टिसाइड, प्राकृतिक मेंथॉल, हथकरघा और श्रम आधारित उत्पादों पर टैक्स को घटाकर पांच फीसदी कर दिया है। इसके साथ ही किसानों के लिए उनके उत्पादों में टैक्स की दरों को कम कर दिया है। इसके अलावा, मिडिल क्लास को राहत देने के लिए सीमेंट पर भी टैक्स कम किया जा रहा है। नई जीएसटी दरें 22 सितंबर से लागू होंगी।

नजर के चश्मों पर पांच फीसदी जीएसटी : सीमेंट पर टैक्स कम किया जा रहा है, क्योंकि मिडिल क्लास के लिए घर बनाने में सीमेंट आवश्यक है। वहीं, नजर के चश्मों पर जीएसटी 28 से घटाकर पांच फीसदी किया जा रहा है।

मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर जीएसटी रिफॉर्म्स का ऐलान किया था : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से कहा था कि इस साल दिवाली में बड़ा तोहफा मिलने वाला है। हम नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स लेकर आ रहे हैं। सामान्य लोगों के लिए टैक्स कम कर देंगे, रोजमर्रा की चीजें सस्ती हो जाएगी, लोगों को बहुत फायदा होगा।

नई दिल्ली में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण।

मांस, मछली और समुद्री उत्पाद, अन्य पदार्थ

- सॉसेज, मीट प्रोडक्ट्स, फिश कैवियार, समुद्री भोजन पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया।
- तेंदू पत्ता, काथा, और अन्य हर्बल उत्पादों पर टैक्स 18% से घटकर 5%।
- माल्ट, स्टार्च, सब्जियों से बने थिकनर, और ग्लिसरॉल पर भी जीएसटी घटाकर 5% कर दिया गया।
- एनीमल फैट्स, मछली का तेल, घी जैसे पशु तेलों पर अब केवल 5% टैक्स लगेगा।

- **वित्त वर्ष 2023-24 के आधार पर गणना करें तो इस बदलाव से करीब 48,000 करोड़ रुपये के जीएसटी राजस्व का नुकसान होने का अनुमान**

खाद्य पदार्थों पर बड़ी राहत

- दूध (यूएचटी), छेना, पनीर (प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले) पर अब कोई टैक्स नहीं लगेगा।
- रोटी, चपाती, पराठा और पिज्जा ब्रेड को भी जीएसटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।
- खजूर, अंजीर, आम, संतरा, नींबू जैसे सूखे फलों पर जीएसटी 12% से घटाकर 5% कर दिया गया।
- ड्राईफ्रूट्स जैसे बादाम, पिस्ता, हेजलनट, पाइन नट्स आदि पर भी अब सिर्फ 5% जीएसटी लगेगा।
- चीनी, गुड़, शुगर सिरप पर 12 फीसदी से टैक्स घटाकर 5 फीसदी कर दिया गया है।
- मक्खन, घी, बटर ऑयल, चीज, कंडेंस्ड मिल्क, कोको पाउडर, चॉकलेट, आटा-मैदा से बने तैयार खाद्य उत्पाद, पास्ता, नूडल्स, केक, बिस्किट, आइसक्रीम आदि पर टैक्स 18% या 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।
- मिठाई, नमकीन, जैम, जेली, आचार, सॉस, आइसक्रीम जैसी चीजों पर भी अब 5% जीएसटी।
- 5 से 0 में जाने वाले खाद्य पदार्थ : यूएचटी दूध, छेना और पनीर, सभी भारतीय ब्रेड्स, रोटी, पराठा, चपाती पर कोई टैक्स नहीं।
- 12-18 से पांच फीसदी पर आने वाले : खाने के आइटम- सॉस, पास्ता, कॉर्नफ्लेक्स, घी, बटर, इंस्टैंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी और प्रीजर्व्ड मीट शामिल हैं।

सिगरेट तंबाकू के लिए नई दरों की तारीख की घोषणा बाद में

बैठक में की गई सिफारिशों के अनुसार सिगरेट, जर्दा जैसे चबाने वाले तंबाकू उत्पादों, अनिर्मित तंबाकू और बीड़ी को छोड़कर अन्य सेवाओं और वस्तुओं पर जीएसटी दरों में परिवर्तन 22 सितंबर से प्रभावी होंगे, जबकि इन वस्तुओं के लिए नई दरें बाद में अधिसूचित की जाने वाली तारीख से लागू होंगी। जीएसटी के पुनर्गठन के बारे में वित्त मंत्रालय द्वारा कहा गया है कि,निर्दिष्ट वस्तुओं, जैसे सिगरेट, जर्दा इत्यादि चबाने वाले तंबाकू उत्पादों, अनिर्मित तंबाकू और बीड़ी के लिए जीएसटी और क्षतिपूर्ति उपकर की मौजूदा दरें लागू रहेंगी और नई दरें बाद में अधिसूचित की जाने वाली तारीख पर लागू की जाएंगी।

छोटी कार, 350 सीसी तक की बाइक पर 10% राहत

जीएसटी दरों में संशोधन के तहत 1,200 सीसी से कम और 4,000 मिमी से कम लंबाई वाले पेट्रोल, एलपीजी और सीएनजी वाहन तथा 1,500 सीसी और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले डीजल वाहनों पर मौजूदा 28 प्रतिशत की जगह अब 18 प्रतिशत कर लगेगा। वहीं 350 सीसी तक की मोटरसाइकिल पर अब 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगेगा जबकि वर्तमान में यह 28 प्रतिशत है। वहीं 1,200 सीसी से अधिक और 4,000 मिमी से अधिक लंबी सभी वाहनों के साथ-साथ 350 सीसी से अधिक की मोटरसाइकिल और रेसिंग कार पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। कर मोर्चे पर छोटी हाइब्रिड कारों को भी लाभ होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों पर पांच प्रतिशत की दर से कर लगता रहेगा। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी संतोष अय्यर ने एक बयान में कहा कि सरकार ने वाहन उद्योग की जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की लंबे समय से चली आ रही मांग को सुना है। उन्होंने कहा कि यह जीएसटी संशोधन सही दिशा में उठाया गया कदम है, प्रगतिशील है और खपत को बढ़ावा देकर बहुप्रतीक्षित प्रोत्साहन प्रदान करेगा और वाहन उद्योग को गति प्रदान करेगा। कुल मिलाकर इससे अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। वर्तमान में, वाहनों पर 28 प्रतिशत कर लगता है। यह जीएसटी का सबसे ऊंचा स्लैब है। वाहन के प्रकार के आधार पर, कर की इस दर के ऊपर एक से 22 प्रतिशत तक का क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। इंजन, क्षमता और लंबाई के आधार पर कारों पर कुल कर दर छोटी पेट्रोल कारों के लिए 29 प्रतिशत जबकि एसयूवी के लिए 50 प्रतिशत तक है। इसके अलावा, वाहन कलपुर्जों पर जीएसटी को मौजूदा 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया है।

इनपर दरों में हुए बदलाव

हेयर ऑयल, शैंपू, टूथपेस्ट, टॉयलेट सोप,बार, टूथ ब्रश, शेविंग क्रीम	18%	5%
बटर, घी, चीज, डेरी स्प्रेड्स	12%	5%
प्री-पैकेज्ड नमकीन, भुजिया और मिक्सचर	12%	5%
बर्तन	12%	5%
फीडिंग बोतलें, नैपकिन्स फॉर बेबीज, क्लिनिकल डायपर्स	12%	5%
सिलाई मशीनें और पार्ट्स	12%	5%
अल्ट्रा-हाई टेम्परेचर दूध, पहले से पैक और लेबल लगे छेना या पनीर	5%	0%
तैंतीस जीवनरक्षक दवाओं और औषधियों	12%	0%

जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर अब नहीं लगेगा जीएसटी

नयी दिल्ली। व्यक्तिगत जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के प्रीमियम अब सस्ते हो जाएंगे क्योंकि इन बीमा उत्पादों को जीएसटी से छूट दे दी गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक के बाद ऐलान किया कि सभी तरह की व्यक्तिगत जीवन बीमा पॉलिसी और उनके पुनर्बीमा पर अब कोई जीएसटी नहीं लगेगा। इनमें टर्म लाइफ, यूलिप या एंडोमेंट पॉलिसी शामिल हैं। इसी तरह सभी व्यक्तिगत स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी और उनका पुनर्बीमा भी जीएसटी के दायरे से बाहर कर दिया गया है। इनमें फैमिली फ्लोटर और वरिष्ठ नागरिकों की स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी भी शामिल हैं। जुलाई, 2017 में जीएसटी प्रणाली लागू होने के बाद से अब तक जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी वसूला जाता था। जीएसटी की नई दरें 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से लागू हो जाएंगी। सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा पर लगाए गए जीएसटी से 16,398 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसमें 8,135 करोड़ रुपये जीवन बीमा और 8,263 करोड़ रुपये स्वास्थ्य बीमा से आए थे। इसके अलावा 2,045 करोड़ रुपये पुनर्बीमा पर उपकर के रूप में मिले, जिनमें 561 करोड़ रुपये जीवन बीमा और 1,484 करोड़ रुपये स्वास्थ्य बीमा से जुड़े थे। वित्त वर्ष 2022-23 में जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर लगाए गए जीएसटी से कुल 16,770 करोड़ रुपये की वसूली हुई थी। जीएसटी परिषद ने जीएसटी ढांचे को सरल बनाते हुए चार की जगह सिर्फ दो दरें ही रखने पर सहमति जताई। अब उत्पादों पर पांच एवं 18 प्रतिशत की दर से कर लगेगा जबकि कुछ चुनिंदा उत्पादों पर विशेष 40 प्रतिशत जीएसटी लगाया जाएगा।

जीएसटी दरों में बढ़ोतरी से कोल्ड ड्रिंक महंगा

कोका-कोला एवं पेप्सी जैसे लोकप्रिय शीतल पेय और अन्य गैर-अल्कोहल पेय पदार्थ भी अब महंगे हो जाएंगे। कार्बोनेटेड पेय पदार्थों पर कर की दर को वर्तमान 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दिया गया है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था में व्यापक सुधारों के तहत जीएसटी परिषद ने फलों से बने पेय या फलों के रस वाले कार्बोनेटेड पेय पदार्थों पर भी कर की दर 28 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी। इसके साथ ही परिषद ने कैफीन-युक्त पेय पदार्थों पर भी जीएसटी की दर बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी। अन्य गैर-अल्कोहल पेय पदार्थ भी महंगे हो जाएंगे क्योंकि इन वस्तुओं पर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत कर दी गई है।

बिजनेस ब्रीफ

अर्बन कंपनी का आईपीओ 10 को, दर 98-103 रुपये

नई दिल्ली। मोबाइल ऐप आधारित सौंदर्य एवं घरेलू सेवा मंच अर्बन कंपनी ने अपने आगामी 1,900 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 98 से 103 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर कंपनी का मूल्यांकन 14,790 करोड़ रुपये आंका गया है। कंपनी ने बताया कि आईपीओ 10 सितंबर को खुलेगा और 12 को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक नौ सितंबर को बोली लगा सकते हैं। गुरुग्राम स्थित कंपनी नए शेयर बेचकर 472 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। मौजूदा निवेशकों की 1,428 करोड़ रुपये की हिस्सेदारी बेचने की योजना है। बिक्री पेशकश (ओएफएस) के तहत एक्सेल इंडिया और एलिवेशन कैपिटल, बेसेमर इंडिया कैपिटल होल्डिंग्स II लिमिटेड, इंटरनेट फंड वी प्राइवेट लिमिटेड और वीवाईसी11 लिमिटेड अपने शेयर बेचेंगे।

जियो फाइनेंशियल में 3,956 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लि. (जेएफएसएल) ने कहा कि प्रवर्तक समूह की इकाइयों ने कंपनी के विस्तार के लिए 3,956 करोड़ की पूंजी डाली है। जेएफएसएल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रवर्तक समूह के सदस्यों... सिक्का पोर्ट्स एंड टर्मिनल्स लि. और जामनगर यूटिलिटीज एंड पावर प्राइवेट लि. को 316.50 रुपये प्रति वारंट की दर से 50 करोड़ वारंट आवंटित किए हैं। इससे कुल मिलाकर कंपनी को 3,956.25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। दोनों कंपनियों को 316.50 रुपये प्रति यूनिट की दर से 25-25 करोड़ वारंट आवंटित किए गए हैं।

विनिर्माण इकाइयों की समीक्षा को बनी समिति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने अमेरिका में भारतीय वस्तुओं पर 50% सीमा शुल्क लगाने के बीच विनिर्माण इकाइयों के लिए कर एवं निर्यात मंजूरी से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने और व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उपाय सुझाने के लिये एक समिति गठित की है। अधिकारी ने कहा कि इस समिति में वित्त मंत्रालय, उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी), वाणिज्य विभाग, विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि शामिल हैं।

भारत-ईएफटीए समझौता एक अक्टूबर से होगा लागू

नई दिल्ली, एजेंसी

स्विट्जरलैंड ने कहा कि भारत और चार यूरोपीय देशों के समूह ईएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा। इसमें व्यापार व सतत विकास पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रावधान होंगे।

स्विट्जरलैंड ने कहा, पहली बार, भारत ने मुक्त व्यापार समझौते में व्यापार और सतत विकास पर कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रावधान तय किए हैं। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लीशटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौते (टीईपीए) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत, भारत को समूह से 15 साल में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और तराशे तथा पॉलिश किए हीरों जैसे कई उत्पादों पर कम या शून्य शुल्क की अनुमति है। समूह ने जो 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, उसमें से 50 अरब डॉलर का निवेश 10 साल में और शेष 50 अरब डॉलर का पांच वर्षों में होगा। इससे भारत में दस लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में अपनी तरह का पहला समझौता है।

- **स्विट्जरलैंड ने कहा- भारत ने व्यापार समझौते में कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रावधान किए तय**

स्विट्जरलैंड ने कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक लेन-देन के लिए कानूनी निश्चितता और भरोसे को बढ़ाता है। यह स्विस वस्तुओं और सेवाओं के लिए भारतीय बाजार तक पहुंच को भी बेहतर बनाता है। इस समझौते के तहत अनुबंध करने वाले पक्ष अन्य अंतर्राष्ट्रीय समझौतों के तहत अपने अधिकारों और दायित्वों की पुष्टि भी करेंगे। इनमें व्यापार, पर्यावरण, सामाजिक मामलों और मानवाधिकारों के क्षेत्रों में समझौते शामिल हैं।

मारुति ने मध्यम आकार का नया मॉडल उतारा

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) बुधवार को अपना नया मध्यम आकार एसयूवी मॉडल 'विक्टोरिस' पेश किया। कंपनी तेजी से बढ़ते मध्यम आकार के एसयूवी खंड में अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहती है। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी फिलहाल घरेलू बाजार में फ्रॉन्क्स, ब्रेजा, जिम्नी और ग्रैंड विटारा जैसे एसयूवी मॉडल बेचती है। 'विक्टोरिस' को पेश करने के लिए आयोजित समारोह में मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिसाची ताकेउची ने कहा कि भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जो वृद्धि को गति देगी। साथ ही ये कंपनी के वर्तमान एवं भविष्य के ग्राहक बनेंगे। उन्होंने कहा, '' भारतीय मोटर वाहन उद्योग बदल रहा है क्योंकि ग्राहकों का एक नया समूह बाजार में प्रवेश कर रहा है। ये युवा पीढ़ी है और नए भारत का प्रतिनिधित्व करती है। इसलिए हमने सोचा कि क्यों न एक ऐसा उत्पाद बनाया जाए जो एसयूवी खंड में मानक को और ऊंचा उठाए।''

जीएसटी दरों में सुधार से कारोबार क्षेत्रों, उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

- **सीआईआई महानिदेशक बोले- जीएसटी सुधारों का कदम एक शानदार उपलब्धि**
- **उद्योग जगत इन लाभों को उपभोक्ताओं को देगा इससे मांग बढ़ेगी और नौकरियां सृजित होंगी**

जीएसटी काउंसिल के मंत्रियों के समूह से मिल चुकी मंजूरी

पिछले हफ्ते ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स ने केंद्र सरकार के दो स्लैब वाले प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 21 अगस्त को बताया था कि ग्रुप ने मौजूदा 12% और 28% की दरों को हटाकर 5% और 18% के स्ट्रक्चर के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

उद्योग जगत एवं निर्यातक समुदाय ने बुधवार को जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों को कर सुधारों की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि इससे कारोबार क्षेत्रों एवं उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलने के साथ वृद्धि भी तेज होगी।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने बयान में कहा कि जीएसटी सुधारों का कदम एक शानदार उपलब्धि है। पांच और 18 प्रतिशत की दो कर दरें ही रखने, रिफंड और एमएसएमई से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और व्यक्तिगत जीवन एवं स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी हटाने जैसे दूरदर्शी फैसलों का हम स्वागत करते हैं। यह एक व्यापक बदलाव है।उन्होंने कहा कि कर ढांचे में इस स्पष्टता से अनुपालन आसान होगा, मुकदमे घटेंगे और कारोबारों एवं उपभोक्ताओं को पूर्वानुमान की सुविधा मिलेगी। बनर्जी ने कहा कि रोजमर्रा की वस्तुओं और जरूरी कच्चे माल पर दरें कम होने से परिवारों को तत्काल राहत मिलेगी और वृद्धि की बुनियाद मजबूत होगी।

उन्होंने कहा, "सीआईआई का मानना है कि उद्योग क्षेत्र इन लाभों को तेजी से उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगा और सरकार के साथ मिलकर सुचारू, समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगा। इससे मांग को बढ़ावा मिलेगा और नौकरियां सृजित होंगी। शीर्ष निर्यातक संगठन फियो ने भी जीएसटी परिषद के फैसलों का स्वागत करते हुए कहा कि सात दिन के भीतर रिफंड निपटान की प्रतिबद्धता सही दिशा में उठाया गया कदम है और इससे निर्यातकों पर नकदी से जुड़ा दबाव काफी हद तक कम होगा।

निर्यातकों के प्रतिनिधि संगठन ने कहा कि वैश्विक मांग को लेकर बनी अनिश्चितता के बीच समय पर और पूर्वानुमेय रिफंड भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा बनाए रखने के लिए बेहद अहम हैं।

फियो के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, "हमें सरकार के साथ मिलकर इन उपायों के जमीनी स्तर पर सुचारू क्रियान्वयन की उम्मीद है। एक हजार रुपये से कम के जीएसटी रिफंड की अनुमति ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी।

एमएसपी पर कपास की खरीद के लिए समीक्षा बैठक

नयी दिल्ली। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कपास की खरीद के लिये खरीफ सत्र 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लागू करने से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने के लिए बुधवार को एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस बैठक में सिंह ने कपास किसानों के हितों की रक्षा के लिये सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा कि एमएसपी दिशानिर्देशों के तहत मंडियों में आने वाली समूची कपास की खरीद बिना किसी व्यवधान के की जाएगी। उन्होंने समय पर, पारदर्शी और किसान-केंद्रित सेवा सुनिश्चित करने पर जोर दिया। खरीफ विपणन सत्र की शुरुआत एक अक्टूबर से होने वाली है। कपड़ा मंत्रालय ने बयान में कहा, ''इस सत्र से कपास किसान 'आधार' पर आधारित पंजीकरण खुद कर सकेंगे और सात दिन की रोलिंग स्लॉट बुकिंग भी 'कपास-किसान' मोबाइल ऐप के जरिये की जा सकेगी।'' मंत्रालय ने कहा कि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और नेशनल ऑटोमेटेड क्लियरिंग हाउस के जरिये किसानों के बैंक खातों में भुगतान होगा। पिछले साल शुरू एसएमएस-आधारित भुगतान सूचना सेवा भी जारी रहेगी।

भेदिया कारोबार नियमों के अनुपालन के लिए बैंकों का आंतरिक नियंत्रण जरूरी : पांडेय

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को कहा कि भेदिया कारोबार नियमों का पालन करना बैंकों के प्रबंधन की नैतिक जिम्मेदारी है और ऐसे उल्लंघनों का पता लगाने एवं रोकने के लिए आंतरिक नियंत्रण को मजबूत करना होगा।

सेबी प्रमुख ने बैंकों के प्रबंध निदेशकों एवं सीईओ को संबोधित करते हुए कहा, भेदिया कारोबार का खतरा वहीं पनपता है, जहां नियंत्रण कमजोर होते हैं, प्रक्रियाएं अस्पष्ट रहती हैं, जिम्मेदारियां तय नहीं होतीं और निगरानी असंगत रहती है। बैंकों के भीतर का कमजोर नियंत्रण होना कई धोखाधड़ियों की जड़ है। भेदिया कारोबार वह स्थिति है जब किसी कंपनी से जुड़ा व्यक्ति कंपनी की सार्वजनिक रूप से अप्रकाशित जानकारी का इस्तेमाल कर शेयरों की खरीद-फरोख्त करता है और अनुचित लाभ कमाता है।

- **सेबी प्रमुख बोले- नियमों का पालन करना बैंक प्रबंधन की जिम्मेदारी**

सेबी प्रमुख की यह टिप्पणी जून में इंडसइंड बैंक के शीर्ष अधिकारियों द्वारा भेदिया कारोबार नियमों के उल्लंघन में जारी सेबी के अंतरिम आदेश की पृष्ठभूमि में आई है। नियामक ने पाया था कि बैंक के वरिष्ठ अधिकारी, जिनमें प्रबंध निदेशक एवं सीईओ और डिप्टी सीईओ भी थे, अप्रकाशित मूल्य-संवेदनशील सूचना (यूपीएसआई) का इस्तेमाल कर बैंक के शेयरों में लेनदेन कर रहे थे।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 15 साल के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- **मांग की स्थिति में पर्याप्त सुधार के बीच नए ऑर्डर एवं उत्पादन से मिला समर्थन**

देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर अगस्त में 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। यह मांग की स्थिति में पर्याप्त सुधार के बीच नए ऑर्डर एवं उत्पादन में तेज वृद्धि से प्रेरित रही।

बुधवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के 60.5 से अगस्त में 62.9 पर आ गया। यह जून 2010 के बाद से विस्तार की सबसे तेज दर दर्शाता है। क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम का आशय संकुचन से होता है।

सर्वेक्षण के अनुसार, अगस्त के दौरान मांग में उल्लेखनीय सुधार ने नए ऑर्डर एवं गतिविधियों की वृद्धि को 15 वर्ष में अपने उच्च स्तर पर पहुंचा दिया। एचएसबीसी के भारत के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवा गतिविधि की वृद्धि दर 15 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। नए ऑर्डर में बढ़ोतरी के दम पर यह जुलाई के 60.5 से बढ़कर अगस्त में 62.9 हो गई। कीमतों के मोर्चे पर मुद्रास्फीति की दर नौ महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस बीच, मांग में उछाल ने जुलाई 2012 के बाद से उत्पादन शुल्क में सबसे तेज वृद्धि को संभव बनाया। एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट आउटपुट सूचकांक जुलाई के 61.1 के मुकाबले अगस्त में 63.2 रहा। यह 17 वर्ष में विस्तार की सबसे तीव्र गति को दर्शाता है। भंडारी ने कहा कि अगस्त में समग्र पीएमआई 63.2 के 17 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया जो विनिर्माण एवं सेवा दोनों क्षेत्रों में मजबूत व्यापक-आधारित उत्पादन वृद्धि का संकेत देता है। समग्र पीएमआई सूचकांक तुलनीय विनिर्माण व सेवा पीएमआई सूचकांकों का भारित औसत है।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: विस्फोट में 13 की मौत, 31 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान सूबे में मंगलवार को हुए एक जोरदार धमाके में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और 31 घायल हो गए। सूबे के स्वास्थ्य मंत्रालय प्रवक्ता वसीम बेग ने हताहतों की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि घायलों में कई की हालत गंभीर बनी हुई है। ये विस्फोट सूबे की राजधानी क्वेटा के शाहवानी स्टेडियम इलाके में एक राजनीतिक सम्मेलन के पास हुआ। अधिकारियों के अनुसार, यह विस्फोट एक आत्मघाती बम विस्फोट प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि हमले के दोषियों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

सीरिया: हवाई अड्डे के पास जोरदार विस्फोट

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक पूर्व सैन्य अड्डे पर शक्तिशाली विस्फोट हुआ। सरकारी अखबार अल-थावरा ने आधिकारिक सूत्रों के हवाले से बताया कि बुधवार को यह विस्फोट हवाई अड्डे के पास युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटकों के कारण हुआ, जबकि सीरियाई विपक्षी अखबार शाम टीवी ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया कि यह विस्फोट एक इज़रायली ड्रोन द्वारा सैन्य अड्डे को निशाना बनाने के कारण हुआ। फिलहाल विस्फोट के कारण तत्काल किसी के हताहत होने के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई है।

दक्षिण कोरिया में छुरा घोंपकर तीन को मारा

सोल। दक्षिण कोरिया की राजधानी सोल में बुधवार को एक व्यक्ति ने तीन लोगों पर चाकू से हमला किया। घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां तीनों लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी सोल के एक रेस्टोरेंट में स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10 :57 बजे एक व्यक्ति ने दो अन्य पुरुषों और एक महिला को छुरा घोंप दिया गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहाँ तीनों की मौत हो गई। हमलावर ने इसके बाद आत्महत्या के प्रयास किया। वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

अफगानिस्तान में 1400 से ज्यादा हुए मृतक

जलालाबाद। संयुक्त राष्ट्र ने पूर्वी अफगानिस्तान में आए भूकंप में हताहतों की संख्या में और वृद्धि की चेतावनी दी है। वहीं, तालिबान प्रशासन ने कहा कि भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई और 3,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्ला मुजाहिद ने जो आंकड़े दिए हैं, वे सिर्फ कुनार प्रांत के हैं। रविवार रात आए 6 .0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने कई प्रांतों को हिलाकर रख दिया, जिससे भारी तबाही हुई।

ब्रिटेन में दो कारों की टक्कर से तेलंगाना के दो छात्रों की मौत

लंदन, एजेंसी

- गणेश विसर्जन यात्रा से लौट नौ छात्रों का दल, पांच घायल

दक्षिण-पूर्व इंग्लैंड के एसेक्स में एक गोल चक्कर पर दो कारों की टक्कर में तेलंगाना के दो छात्रों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना सोमवार तड़के रेले स्पर गोल चक्कर पर हुई। दुर्घटना में चैतन्य तार्रे (23) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 21 वर्षीय ऋषि तेजा रपोलू ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा। एसेक्स पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के समय कार चला रहे पूर्वी लंदन के दो पुरुषों को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के संदेह में गिरफ्तार किया गया था और बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। एसेक्स पुलिस ने एक बयान में कहा, मामले में जांच जारी है। ब्रिटेन स्थित 'नेशनल इंडियन स्टूडेंट्स एंड एलुमनाई यूनियन' ने एक बयान जारी कर छात्रों की मौत पर शोक व्यक्त किया है। बताया जा रहा है कि दोनों छात्र अपने साथियों के साथ गणेश विसर्जन समारोह से लौट रहे थे। एनआईएसएयू ने एक बयान में कहा, हम ब्रिटेन के एसेक्स में हुई सड़क दुर्घटना से बहुत दुखी हैं जिसमें तेलुगु समुदाय के नौ छात्र शामिल थे। इस दुर्घटना में दो युवा छात्र, चैतन्य तार्रे और ऋषि तेजा रपोलू की मौत हो गई।

सिर पर मंडराने लगा बड़ा खतरा

हिमालयी झीलों का विस्तार

हाल ही में जारी हुई एक रिपोर्ट में देश में 432 हिमालयी हिमनद झीलों का विस्तार होने की चिंताजनक खबर दी गई है। इस वजह से इन झीलों को उच्च जोखिम श्रेणी में रखा गया है, साथ ही उनकी बेहद सतर्क निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियां स्थापित करने पर जोर दिया गया है। इन झीलों का विस्तार कितना खतरनाक हो सकता है, इसका अंदाजा जून 2013 केदारनाथ के पास चोराबारी झील के टूटने की घटना से लगाया जा सकता है जिसमें मंदाकिनी घाटी बुरी तरह से बर्बाद हो गई थी और केदारनाथ से कुंड तक 10 वर्ग किमी तक इलाके का नक्शा बदल गया था। हिमनद झीलें पिघलते ग्लेशियरों के कारण बनने वाली ये प्राकृतिक झीलें हैं। हिमनद झील में विस्फोट हमेशा विनाशकारी होता है। इससे आई बाढ़ अचानक और भारी मात्रा में पानी छोड़ती है जो निचले इलाकों में भारी तबाही का कारण बनती है।

कहां- कितनी हिमनद झीलें

जून 2025 की रिपोर्ट के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में सर्वाधिक 197 हिमनद झीलें हैं। इसके बाद लद्दाख में 120, जम्मू कश्मीर में 57, सिक्किम में 47, हिमाचल प्रदेश में छह और उत्तराखंड में पांच हिमनद झीलें हैं।

कैसे होता है निर्माण

- हिमनद अपने प्रवाह के दौरान चट्टानों को घिसते हैं, जिससे दरारें और घाटियां बनती हैं। ग्लेशियर पीछे हटता है तो अपने साथ लाई गई सामग्री को जमा कर देता है, जिससे प्राकृतिक बांध बन जाता है।
- जैसे-जैसे ग्लेशियर पिघलता है, उसका पानी इन दरारों और घाटियों में इकट्ठा हो जाता है। जब तक कोई रिसाव या अस्थिरता न हो, पिघला हुआ पानी जमा होता रहता है और झील का निर्माण करता है।

झीलों के विस्तार के कारण

- जलवायु परिवर्तन के कारण हिमनदों का तेजी से पिघलना शुरू हो गया है, इससे नई झीलें बन रही हैं और मौजूदा झीलों का आकार बढ़ रहा है।
- हिमालय जैसे सक्रिय भूवैज्ञानिक क्षेत्रों में भूकंपीय गतिविधि से भूस्खलन और चट्टानों के गिरने से झीलें बन सकती हैं या मौजूदा झीलें बढ़ सकती हैं।

हिमनद झीलों का आकार

- कुछ झीलें छोटी होती हैं,उनका क्षेत्रफल एक हेक्टेयर से भी कम होता है, जैसे उत्तराखंड में वसुधारा झील जिसका आकार 0 .50 हेक्टेयर है।
- बड़ी झीलों में बहुत पानी होता है। जून 2013 में उत्तराखंड में चोराबारी झील फटी तो 10 मिनट में ही 262 मिलियन लीटर पानी छोड़ दिया था।

हिमनद झीलें खतरनाक क्यों

- झील विस्फोट सबसे बड़ा खतरा है जो तब होता है जब झील को रोकने वाला प्राकृतिक हिमोढ़ बांध या बर्फ की परत टूट जाती है।
- झीलों के तटबंध मिट्टी, चट्टान, बर्फ और मलबे से बने होते हैं जो कॉम्पैक्ट नहीं होते। हिमस्खलन, भूस्खलन या भूकंप से टूट जाते हैं।
- एक बार बांध टूटने पर झील का सारा पानी अचानक और तेजी से बह निकलता है। इसे हिमनद झील विस्फोट कहा जाता है।
- भारी मात्रा में मलबे-पानी के साथ ये बाढ़ घाटियों में निचले इलाकों, गांवों-शहरों में पहुंचकर विनाशकारी तबाही मचा सकती है।

स्थिति की गंभीरता

- भारत में हिमनद झीलों के क्षेत्रफल में 2011 से 2025 के बीच 30% से अधिक वृद्धि हुई है जिससे काफी खतरा बढ़ गया है।
- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में कई उच्च जोखिम वाले क्षेत्र चिह्नित किए गए हैं।
- कई उच्च जोखिम वाली झीलों में पर्याप्त निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली का अभाव है, इसे और ज्यादा खतरनाक माना जा रहा है।

भारत सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश, खुद कर रहा जीरो टैरिफ की मांग

ट्रंप ने कहा- भारत से अच्छे संबंध मगर काफी समय से एकतरफा रहा है ये रिश्ता

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत की वजह से अमेरिका को व्यापार में नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन उच्च सीमा शुल्क लगाए जाने के बाद भारत ने अब 'जीरो टैरिफ' की पेशकश की है।

ट्रंप ने मंगलवार को रेडियो शो 'द स्कॉट जेनिंग्स शो' पर बातचीत में कहा, भारत हमारे खिलाफ टैरिफ लगाता है। चीन हमारे खिलाफ बहुत टैरिफ लगाता है। ब्राजील भी ऐसा करता है। उन्होंने कहा, भारत सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला देश रहा है लेकिन अब उन्होंने मुझे भारत में जीरो टैरिफ की पेशकश की है। ट्रंप ने पिछले महीने भारतीय उत्पादों के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूसी तेल की खरीद जारी रखने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। इस तरह 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर अमेरिका में कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लग रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि उन्हें टैरिफ लगाने की प्रक्रिया और उसके प्रभाव को लेकर दुनिया में सबसे अच्छी समझ है। उन्होंने कहा, मैं टैरिफ को दुनिया के किसी भी दूसरे व्यक्ति से कहीं बेहतर समझता हूं। मेरे टैरिफ लगाने के बाद वे अपने टैरिफ को घटा रहे हैं। भारत तो सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाला देश रहा है। और अब भारत में कोई भी टैरिफ न लगाने की पेशकश मेरे सामने की गई है। ट्रंप ने कहा, अगर मैंने टैरिफ नहीं लगाए होते तो वे कभी ऐसा प्रस्ताव नहीं रखते। आपको टैरिफ लगाने ही होते हैं। इस तरह हम आर्थिक रूप से सशक्त बनने जा रहे हैं।

उन्होंने बाद में व्हाइट हाउस में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि भारत के साथ अमेरिका के संबंध अच्छे हैं लेकिन यह रिश्ता लंबे समय तक 'एकतरफा' ही रहा क्योंकि अमेरिका पर भारत 'भारी टैरिफ ' लगाता रहा। भारत पर लगाए गए उच्च टैरिफ में कुछ कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, भारत से हमारे संबंध बहुत अच्छे हैं लेकिन वर्षों तक यह रिश्ता एकतरफा रहा। भारत हम पर दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाता था और यही वजह रही कि हमारा व्यापार वहां नहीं हो रहा था।

व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में अपने सहयोगियों के साथ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप।

हार्ले डेविडसन पर 200% टैरिफ का दिया उदाहण

ट्रंप ने कहा कि भारत की ओर से लगाए गए टैरिफ की वजह से अमेरिकी कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा। हार्ले डेविडसन मोटरसाइकिल पर 200 प्रतिशत टैरिफ के कारण अमेरिकी कंपनी को भारत में संयंत्र लगाना पड़ा था। अमेरिका ने पहले कोई टैरिफ नहीं लगाया था लेकिन भारत अपने उत्पाद अमेरिकी बाजार में भेजता रहा, जिससे घरेलू उत्पादन प्रभावित हुआ। भारत ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगाए गए उच्च टैरिफ को 'अनुचित और असंगत' बताते हुए कहा है कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह वह भी अपने राष्ट्रीय हित और आर्थिक सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 में दोनों देशों के बीच वस्तु व्यापार 131.8 अरब डॉलर रहा था जिसमें भारत ने 86 .5 अरब डॉलर का निर्यात किया था जबकि अमेरिका से उसका आयात 45 .3 अरब डॉलर रहा था।

अमेरिकी सांसद ने कहा- भारत कम करेगा रूस से तेल आयात

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। दक्षिण एशिया में दो सप्ताह के खुफिया मिशन पर गए एक प्रभावशाली अमेरिकी सांसद ने दावा किया कि उनकी भारत यात्रा से इस बात के शुरुआती संकेत मिले कि भारत रूसी तेल का आयात कम कर सकता है। यह यूक्रेन में रूस के आक्रमण की क्षमता को कमजोर करने की दिशा में सार्थक कदम होगा। कांग्रेस सदस्य ब्रायन फिट्जपैट्रिक के साथ सदन की खुफिया समिति की सदस्य क्रिसी हौलाहन भी हाल ही में भारत, नेपाल और पाकिस्तान को कवर करने वाले मिशन पर थीं। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के सभी वैश्विक परिचालनों की देखरेख करने वाले फिट्जपैट्रिक ने कहा, भारत में बातचीत में संकेत मिले हैं कि सरकार रूसी तेल का आयात कम करेगी। यह रूस के आक्रमण क्षमता को कमजोर करने और हमारे साझेदारों को स्वतंत्रता के मुद्दे के साथ जोड़ने की दिशा में एक सार्थक कदम होगा।

थाईलैंड में निचले सदन को भंग करने की सिफारिश

बैंकॉक। थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचायी ने बुधवार को कहा कि उनकी कार्यवाहक सरकार ने संसद के निचले सदन को भंग करने की सिफारिश की है जिसकी वजह से समय से पहले आम चुनाव हो सकते हैं।

फुमथाम ने पत्रकारों से बात करते हुये इस बात की पुष्टि है कि प्रतिनिधि सभा को भंग करने का आदेश मंगलवार को राजा महा वजीरालोंगकोर्न को प्रेषित कर दिया है और अब शाही मंजूरी का इंतजार है। मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए श्री फुमथाम ने कहा कि देश में आर्थिक क्षेत्र में भविष्य में गिरावट को रोकने के लिए राजनीतिक स्थिरता बहाल करना आवश्यक है।

इजराइल ने अपने परमाणु कार्यक्रम स्थल पर तेज किया निर्माण कार्य

दुबई, एजेंसी

- विशेषज्ञों ने परमाणु हथियारों नया संयंत्र बनाने का जताया शक

इजराइल के संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण सुविधा केंद्र पर एक प्रमुख नई संरचना का निर्माण कार्य तेज हो गया है। उपग्रह चित्रों के विश्लेषण के आधार पर विशेषज्ञों ने यह जानकारी सार्वजनिक की है।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह एक नया परमाणु ऊर्जा संयंत्र अथवा परमाणु हथियार बनाने की सुविधा हो सकती है लेकिन इस कार्यक्रम में गोपनीयता के कारण निश्चित रूप से कुछ भी जानना मुश्किल है। डिमोना शहर के निकट शिमोन पेरेज नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र में किए गए कार्य से पश्चिम एशिया के एकमात्र परमाणु-हथियार संपन्न देश के रूप में व्यापक रूप से इजराइल की मान्यता प्राप्त स्थिति पर सवाल खड़े होंगे।

इसकी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना भी हो सकती है, खासकर इसलिए क्योंकि जून में इजराइल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु स्थलों को निशाना बनाकर बमबारी की थी। दोनों देशों को डर था कि ईरान अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का इस्तेमाल परमाणु हथियार बनाने के लिए कर सकता है। जिन स्थलों पर हमला किया गया उनमें अराक स्थित ईरान का एक 'हेवी वॉटर रिएक्टर' भी शामिल था। चित्रों का विश्लेषण करने वाले सात विशेषज्ञों ने कहा कि उनका मानना है कि यह निर्माण कार्य इजराइल के लंबे समय से संदिग्ध परमाणु हथियार कार्यक्रम से संबंधित है।

रूस ने यूक्रेन पर 500 से ज्यादा ड्रोन-मिसाइलें दागीं

कीव, एजेंसी

रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 500 से अधिक ड्रोन और दो दर्जन मिसाइलें दागीं। दूसरी तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति और यूरोपीय नेता यूक्रेनी सुरक्षा को मजबूत करने और अब तक अमेरिकी नेतृत्व वाले असफल शांति प्रयासों को गति देने के उद्देश्य से बातचीत जारी रखे हुए हैं।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के हमले के मुख्य लक्ष्य नागरिक बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से ऊर्जा सुविधाएं थीं। उन्होंने कहा कि रूस ऊर्जा सुविधाओं को सर्दी से पहले निशाना बनाकर अपने पड़ोसी को परेशान करने की आक्रामक नीति पर काम कर रहा है। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि हमलों में मुख्य रूप से पश्चिमी और मध्य यूक्रेन को निशाना बनाया गया और कम से कम पांच लोग घायल हो गए।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लड़ाई रोकने के प्रयासों के बावजूद, हाल के महीनों में नागरिक क्षेत्रों पर रूसी हवाई हमले तथा 1,000 किमी अग्रिम पंक्ति में यूक्रेनी सुरक्षा को ध्वस्त करने के रूसी सेना के प्रयासों में कमी नहीं आई है।

- जेलेंस्की ने की विश्व के नेताओं से समर्थन की मांग

चीन के विजय दिवस पर आयोजित परेड मेंमहिला और पुरुष सैन्य कर्मियों ने सम्मिलित रूप से हिस्सा लिया।

विजय दिवस परेड में चीन ने दुनिया को दिखाई ताकत

बीजिंग। विजय दिवस समारोह के मौके पर आयोजित सैन्य परेड में बुधवार को हाइपरसोनिक, लेजर और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों सहित अत्याधुनिक साजो सामान का पहली बार प्रदर्शन कर चीन ने दुनिया और खासकर अमेरिका को अपनी ताकत दिखाई। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि उनके देश का कायाकल्प निर्बाध जारी रहेगा।

द्वितीय विश्वयुद्ध में जापानी के विरुद्ध चीन की जीत की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित भव्य परेड में शी ने कहा, चीन कभी किसी भी धौंस से नहीं डरता और आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों के संदर्भ में यह बात कही। शी ने सेना से राष्ट्रीय पुनरुद्धार के लिए रणनीतिक सहयोग तथा विश्व शांति में अधिक योगदान का आह्वान किया। अमेरिका के बाद चीन का सबसे बड़ा रक्षा बजट है। इस साल इसका वार्षिक रक्षा बजट 250 अरब अमेरिकी डॉलर का है।

परेड में प्रदर्शित इन हथियारों पर टिकीं दुनिया की निगाहें

- परेड में प्रदर्शित एक बहुचर्चित नया हथियार था एलवाई-1 लेज़र हथियार। आठ पहियों वाले एचजेड-155 बख्तरबंद ट्रक पर लगा यह लेजर हथियार दुश्मन के हथियारों और उपकरणों के ऑप्टिकल सेंसर को प्रभावी ढंग से नष्ट कर सकता है। चीनी रक्षा विश्लेषकों का कहना है कि यह हथियार समुद्र में चीन की ताकत में और इजाफा करेगा।
- चीन ने पहली बार एक नए प्रकार की डीएफ-5सी तरल-ईंधन वाली अंतरमहाद्वीपीय सामरिक परमाणु मिसाइल का प्रदर्शन किया। इस मिसाइल की अनुमानित मारक क्षमता 20,000 किमी से अधिक है और यह लक्ष्य को भेदने और सटीकता के मामले में भी श्रेष्ठ है। यह मिसाइल पूरी दुनिया में कहीं भी निशाना साध सकती है।
- पहली हवाई-प्रक्षेपित परमाणु मिसाइल जेएल-1 का अनावरण। यह मॉडल प्रदर्शन पर मौजूद पनडुब्बी से प्रक्षेपित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जेएल-3 से काफ़ी छोटा है। दावा है कि ये दोनों मिसाइलें डीएफ-61 और डीएफ-31 के साथ थल, जल और वायु त्रिकोणीय रणनीतिक परमाणु शक्ति का पहला केंद्रित प्रदर्शन है।

कूटनीतिक शक्ति का भी प्रदर्शन

परेड में चीन ने कूटनीतिक शक्ति भी दिखाई। रूसी राष्ट्रपति पुतिन, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग समेत 26 विदेशी नेताओं ने इसमें भाग लिया। भारत के पड़ोसी देशों से पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, नेपाल के केपी शर्मा ओली, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने परेड में मौजूद थे। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

ट्रंप ने कसा तंज, लगाया अमेरिका के खिलाफ साजिश का आरोप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के विजय दिवस समारोह पर आयोजित परेड के मौके पर चीन को बधाई दी लेकिन इसके साथ ही तंज कसते हुए अमेरिका के ख़िलाफ़ 'साज़िश' रचने का भी आरोप लगाया। उन्होंने एक पोस्ट किया, जिसमे कहा- बड़ा सवाल यह है कि क्या चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग उस भारी समर्थन और 'रक्त' का ज़िक्र करेंगे जो अमेरिका ने चीन को विदेशी आक्रमणकारी से आज़ादी हासिल करने में मदद करने के लिए दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने पुतिन और किम की अमेरिका के खिलाफ़ कथित तौर पर साज़श रचने के लिए भी आलोचना की। उन्होंने कहा, "व्लादिमीर पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं, क्योंकि आप दोनों अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 4 सितंबर, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, द्वादशी 5 सितंबर 04 .08 तक तत्पश्चात त्रयोदशी।

आज का पंचांग

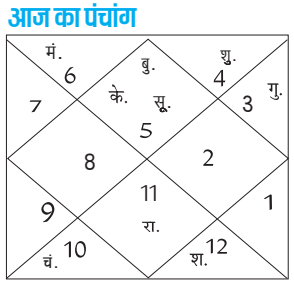

दिशाशूल- दक्षिण, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-मेष, कर्क, सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन।

ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-उत्तराषाढ़ा 23 .44 तक श्रवण तत्पश्चात।

मेष — आज कारोबार में अपेक्षा से अधिक धन लाभ मिलेगा। युवा जातक अपने करियर को लेकर अत्यंत सक्रिय रहेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। दोस्तों के साथ काफी अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज नई उपलब्धियां मिलने से आप उत्साहित रहेंगे। घर में मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। बड़े-बुजुर्गों की सलाह आपके लिए अत्यंत शुभ रहेगी। जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में उत्तम परिणाम मिलेंगे। आपके काम की गुणवत्ता में वृद्धि होगी।

मिथुन — आज नया काम शुरू करने में जल्दबाजी न करें। आपके काम समय पर पूरे न होने से नुकसान होगा। रुका हुआ धन आपको वापस मिलने में परेशानी होगी। गरिष्ठ भोजन करने से आपको बचना चाहिए।

कर्क — आज दांपत्य संबंधों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। रिश्तेदारों के माध्यमों से आपको धन-लाभ हो सकता है। विदेश में रहने वाले लोगों को अच्छी जॉब मिल सकती है। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलने की संभावना है।

सिंह — आज आपकी प्रतिभा की कार्यक्षेत्र में प्रशंसा होगी। आपका स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। काम की अधिकता के बावजूद आप परिवार को समय देंगे। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। घर की मरम्मत की योजना बना सकते हैं।

कन्या — आज आपकी आर्थिक स्थिति बहुत ही अच्छी रहेगी। पैतृक धन-संपदा में वृद्धि होगी। कानूनी मामलों में आपको विजय मिलने की संभावना है। नौकरी में आपके अधिकार बढ़ेंगे। संतान की उन्नति से आपका मन प्रसन्न होगा।

तुला — आज आपको बुद्धि-विवेक से काम करना चाहिए। आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना चाहिए। अपना व्यवहार किसी के प्रति खराब न करें। अपनी कार्यक्षमता पर ध्यान रखें। हृदय रोगियों की परेशानी बढ़ सकती है।

वृश्चिक — आज आप अपने काम को लेकर समर्पित रहेंगे। आप अपने काम से संतुष्ट रहेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा। आपकी कोई महत्वाकांक्षा पूर्ण हो सकती है। आप अत्यधिक परिश्रम करेंगे। धार्मिक कार्यों और गूढ़ विषयों में आप रुचि लेंगे।

धनु — आज मित्रों के साथ छोटी सी बात पर झगड़ा हो सकता है। पारिवारिक सदस्यों के साथ समय बिताना पसंद करेंगे। रिश्तेदारों के ऊपर आपको धन खर्च करना पड़ सकता है। खर्चीली वृत्ति के कारण आपकी बचत पर बुरा असर पड़ेगा।

मकर — आज रुकी हुई पेमेंट आपको वापस मिल सकती है। प्रेम-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। नौकरीपेशा लोगों को यात्रा करनी पड़ेगी। मनोरंजन में आप काफी समय बिताएंगे। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा। पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद कम होंगे।

कुंभ — आज सहकर्मी आपको नीचा दिखाने का प्रयास करेंगे। सरकारी जॉब करने वाले लोगों को परेशानी होगी। बेरोजगारों के ऊपर परिवार का दबाव बढ़ेगा। अति-आत्मविश्वास के कारण आप परिस्थितियों का आकलन करने में चूक कर सकते हैं।

मीन — आज आप ऑनलाइन शॉपिंग कर सकते हैं। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप महत्वपूर्ण मीटिंग में सम्मिलित हो सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे।

सुडोकू-89

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	5				7		8	
		2		9				5
	8			2		4		
4	3							8
							9	
6				3				1
	4	9				3		
5				4		2		
	7		6				5	

सुडोकू - 88 का हल

1	7	6	9	8	4	2	5	3
9	8	2	3	6	5	4	1	7
3	4	5	2	1	7	6	8	9
7	5	8	6	3	2	1	9	4
6	2	9	5	4	1	7	3	8
4	3	1	7	9	8	5	2	6
2	1	3	4	7	9	8	6	5
8	9	4	1	5	6	3	7	2
5	6	7	8	2	3	9	4	1

वह प्रतिष्ठित एशेज शृंखला में खेलने के लिए जो कुछ भी जरूरी हो वो करेंगे। मैं तब तक टेस्ट मैच में नहीं उतरूंगा जब तक कि मुझे यह नहीं लगे कि मैं टेस्ट मैच को खत्म कर सकता हूं।
-पैट कमिंस, ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 4 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गुवाहाटी में भोगेश्वर बरुआ राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2025 के दौरान फोटो सेशन कराती हुईं डबल ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर व एथलीट हिमा दास। एजेंसी

सुम्मी कालीरमन पर दो साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली : भारत की 2021 विश्व अंडर 20 चैंपियनशिप में चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले कांस्य विजेता टीम की सदस्य सुम्मी कालीरमन को 2024 में किए गए उनके डोपिंग अपराध के लिए नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल (एडीडीपी) ने दो साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने 22 वर्षीय सुम्मी को पिछले वर्ष तब अस्थायी तौर पर निलंबित किया था जब उनका प्रतिबंधित पदार्थ क्लोमीफीन के लिए परीक्षण पॉजिटिव आया था। नाडा के नवीनतम अपडेट के अनुसार उन पर प्रतिबंध की अवधि पिछले वर्ष 14 अक्टूबर से शुरू हो गई है।

कमिंस की नजरें एशेज में वापसी पर

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने कहा है कि वह प्रतिष्ठित एशेज शृंखला में खेलने के लिए जो कुछ भी जरूरी हो वह करेंगे। कमिंस कमर की चोट से जूझ रहे हैं जो उन्हें संभवत: जून में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान काम के अधिक बोझ के कारण लगी थी। कमिंस न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की सीरीज और एशेज से पहले शेफील्ड शील्ड मुकाबलों में नहीं खेल पाएंगे। इस 32 साल के तेज गेंदबाज को हालांकि उम्मीद है कि वह 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व पूरी तरह से फिट हो जाएंगे। कमिंस ने बुधवार को क्रिकेट .कॉम .एयू' से कहा मैं तब तक टेस्ट मैच में नहीं उतरूंगा जब तक कि मुझे यह नहीं लगे कि मैं टेस्ट मैच को खत्म कर सकता हूं।

हरियाणा स्टीलर्स ने खोला जीत का खाता

विशाखापट्टनम : मौजूदा चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स ने बुधवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 12वें सीजन के 12वें मैच में यू मुंबा को टाईब्रेकर में 7-6 से हरा दिया। निर्धारित समय में 36-36 के स्कोर पर मैच टाई होने के बाद हरियाणा ने शिवम पटारे के सुपर रेड और अंतिम पलों में नवीन के बोनस से जीत का खाता खोला। आज यहां विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में 40 मिनट के खेल में भी नवीन ने 9 अंक के साथ प्रभावित किया था। विनय (8) और शिवम (6) ने उनका अच्छा साथ दिया था। इन तीनों ने मिलकर 12 अंक हासिल करने वाले अजीत चौहाण की यू मुंबा को इस सीजन में जीत की हैट्रिक से रोका। यह इस सीजन का तीसरा ट्राइब्रेकर था।

किसी भी समय नई गेंद लेने की अनुमति हो

लंदन, एजेंसी

- इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने दिया सुझाव

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टेयर कुक ने सुझाव दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में टीमों को 160 ओवर के भीतर किसी भी समय नई गेंद लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, जबकि मौजूदा नियम के अनुसार 80 ओवर के बाद ही नई गेंद लेनी होती है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से 2018 में संन्यास लेने वाले कुक ने कहा कि इस बदलाव से खेल के सबसे बड़ा प्रारूप अधिक रोमांचक और रणनीतिक हो जाएगा।

उन्होंने स्टिक टू क्रिकेट पॉडकास्ट के दौरान कहा मैं टेस्ट क्रिकेट में एक नया नियम जोड़ना चाहूंगा। आप 160 ओवरों में जब चाहें नई गेंद ले सकते हैं। आपको उन 160 ओवरों के लिए दो नई गेंदें मिली हैं और आप जब चाहें दूसरी गेंद ले सकते हैं। आप चाहें तो 30 ओवर के बाद नई गेंद ले सकते हैं। इंग्लैंड के एक अन्य पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इसी पॉडकास्ट पर कहा कि क्रिकेट में भी अन्य खेलों की तरह किसी खिलाड़ी के चोटिल होने पर उसकी जगह सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी उतारने का प्रावधान होना चाहिए।

उन्होंने हाल में समाप्त हुई भारत-इंग्लैंड सीरीज का उदाहरण दिया, जिसमें ऋषभ पंत ने पांव में फ्रैक्चर होने के बावजूद बल्लेबाजी की, जबकि उनकी जगह फील्डिंग करने के लिए उतरे ध्रुव जुरेल ने केवल विकेटकीपिंग की। वॉन ने कहा मान लीजिए कि मैच की पहली पारी में ऋषभ पंत के हाथ में चोट लग जाती है। वह बल्लेबाजी तो कर सकते हैं, लेकिन विकेटकीपिंग नहीं कर सकते। मौजूदा नियमों के अनुसार भारत ध्रुव जुरेल जैसे किसी अन्य विकेटकीपर को तब तक नहीं उतार सकता, जब तक वह कन्कशन (सिर में चोट लगने पर बेहोशी की स्थिति) का मामला न हो।

सबसे खुशी का पल दर्दनाक बन गया : कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी : भारत और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल खिताब जीतने के जश्न में चार जून को हुई भगदड़ के बारे में कहा है कि यह उनकी टीम का सबसे खुशी का दिन हो सकता था जो 11 लोगों की मौत के बाद दर्दनाक बन गया। आरसीबी के 18 साल में पहली बार आईपीएल खिताब जीतने के बाद एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर जश्न के लिये ढाई लाख प्रशंसकों के जमा होने के बाद भगदड़ मच गई थी। कोहली ने आरसीबी के एक्स हैंडिल पर कहा आप कभी भी इस तरह दिल तोड़ने वाली घटना का सामना नहीं करना चाहते। जो हमारी टीम के इतिहास का सबसे खुशी का पल होना चाहिए था, वह एक दुखद घटना में बदल गया उन्होंने कहा मैं अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों और चोटिल हुए अपने प्रशंसकों के बारे में सोचता हूं और प्रार्थना करता हूं। आपकी क्षति अब हमारी कहानी का हिस्सा है। हम मिलकर सावधानी, सम्मान और जिम्मेदारी से आगे बढ़ेंगे। घटना की आधिकारिक जांच में बताया गया कि इस अराजकता का कारण उचित मंजूरी का अभाव और अत्यधिक भीड़ थी, जो फ्रेंचाइजी द्वारा सोशल मीडिया पर भेजे गए निमंत्रणों के कारण उमड़ी थी। पुलिस ने स्वीकार किया कि दर्शकों को नियंत्रित करने के लिए उनके पास संख्या बल बहुत कम था और जांच में आरसीबी को प्रशंसकों को बड़ी संख्या में आने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

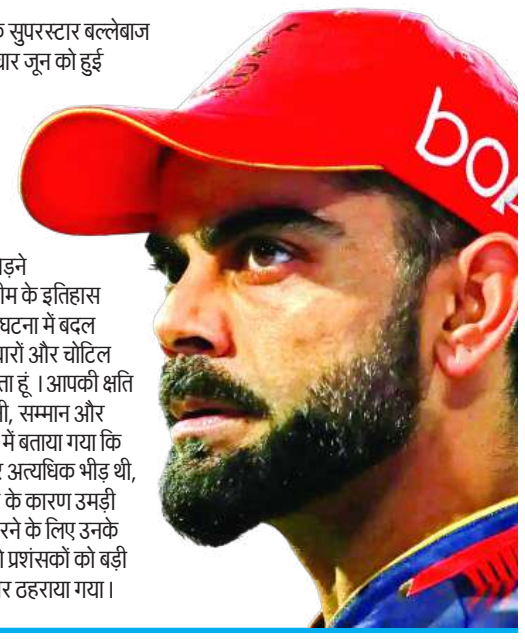

भारतीय टीम ने सुपर चार मैच में कोरिया को 2-2 पर रोका

हॉकी एशिया कप : दोनों टीमों को मिला 1-1 अंक, मलेशिया से मुकाबला आज

राजगीर (बिहार), एजेंसी

भारत के हार्दिक सिंह गोल करने के बाद टीम के साथ जश्न मनाते हुए। एजेंसी

मेजबान भारत ने बुधवार को यहां हॉकी एशिया कप टूर्नामेंट के सुपर चार चरण के अपने पहले मैच में गत चैंपियन कोरिया के खिलाफ कई मौके गंवाए और उसे 2-2 से ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा। गेंद पर कब्जा करने और मौकों के मामले में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहतर था, लेकिन कोरियाई टीम ने मजबूती से बचाव करते हुए ड्रॉ हासिल किया। दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला।

हार्दिक सिंह (8वें मिनट) ने भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई जिसके बाद यांग जिहुन (12वें मिनट) और ह्योनहोंग किम (14वें मिनट) ने लगातार गोल करके कोरिया को आगे कर दिया। मनदीप सिंह (52वें मिनट) ने अंतिम क्वार्टर में बराबरी हासिल की। भारत अब बृहस्पतिवार को मलेशिया से खेलेगा जबकि कोरिया की टीम चीन के सामने होगी।

मैच भारी बारिश के कारण लगभग 50 मिनट देरी से शुरू हुआ। शुरुआत से ही हार्दिक मिडफील्ड में अपने सटीक ड्रिबल से भारत के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे। भारत ने दूसरे मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। मेजबान टीम को सातवें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन वे कोरियाई रक्षापंक्ति को भेदने में नाकाम रहे। लेकिन एक मिनट बाद ही भारत ने हार्दिक के जरिए बढ़त हासिल कर ली। सुखजीत सिंह ने हाफलाइन में हार्दिक को पास दिया जिन्होंने चार-पांच कोरियाई रक्षकों को छकाते हुए गोलकीपर के ऊपर से गेंद को गोल में डालकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। लेकिन भारत के कुछ खराब रक्षण ने कोरिया को 12वें मिनट में बराबरी दिला दी। सर्किल के अंदर जुगराज सिंह द्वारा एक कोरियाई खिलाड़ी को जानबूझकर दिया गया धक्का पेनल्टी स्ट्रोक का कारण बना और जिहुन यांग ने गोल करने में कोई गलती नहीं की।

दो मिनट बाद कोरिया ने एक और गोल कर दिया। ह्योनहोंग किम ने अपने पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। दूसरे गोल ने भारतीयों को थोड़ा बेचैन कर दिया। भारतीय टीम कुछ बार सर्कल में घुसने में कामयाब रही लेकिन कोरियाई रक्षापंक्ति मज़बूत थी। पहले हाफ तक भारत 1-2 से पीछे था। फिर कोरिया ने खेल धीमा करने की कोशिश की और गेंद पर कब्जा बनाए रखा।

भारत को 49वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन जुगराज की फ्लिक को कोरियाई खिलाड़ी ने रोक दिया। कोरियाई डिफेंस आखिरकार लगातार दबाव में लड़खड़ा गया जब मनदीप ने सुखजीत की मदद से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। भारत ने सीटी बजने तक दबाव बनाए रखा और विजयी गोल की तलाश जारी रखी लेकिन गोल नहीं हो सका।

चीनी ताइपे के खिलाफ गोल करने का प्रयास करते जापान के खिलाड़ी। एजेंसी

जापान ने चीनी ताइपे को 2-0 से हराया

- **राजगीर** : जापान की हॉकी टीम ने बुधवार को हॉकी एशिया कप 2025 में पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को हरा दिया। आज यहां बिहार स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गए हीरो एशिया कप 2025 के मुकाबले में जापान की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे को 2-0 से शिकस्त दी। मैच की शुरुआत से ही जापान ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए पहले क्वार्टर में यॉसूके शिनोहारा के किये गये दो गोलों की बदौलत से बढ़त बनाई और इसके बाद जापान की रक्षापंक्ति और गोलकीपर कुरोदा किशो ने अगले तीनों क्वार्टर में चीनी ताइपे को कोई गोल नहीं करने दिया। जापान की टीम अब पांचवें और छठे स्थान के लिए सात सितंबर को होने वाले मुकाबले में चार सितंबर के मैच बंगलादेश बनाम कजाकिस्तान की विजेता टीम से खेलेगी।

बीसीसीआई अध्यक्ष पद का चुनाव होगा सबसे दिलचस्प

नई दिल्ली, एजेंसी

- सितंबर के अंत में होने वाली वार्षिक आम बैठक में कुछ शीर्ष पद दांव पर लगे होंगे

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सितंबर के अंत में होने वाली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कुछ शीर्ष पद दांव पर लगे होंगे। इसमें बोर्ड अध्यक्ष और आईपीएल चेयरमैन का पद शामिल है। आईपीएल के मौजूदा अध्यक्ष अरुण धूमल के छह साल पूरे होने के बाद तीन साल के अनिवार्य (कूलिंग ऑफ) ब्रेक पर जाने की पूरी संभावना है। उनके संभावित उत्तराधिकारी के रूप में कई नामों पर चर्चा हो रही है। फिलहाल देवजीत सैकिया अपने पद पर बने रहेंगे जिन्होंने संयुक्त सचिव (दो साल और तीन महीने) और सचिव (नौ महीने) के तौर पर कुल मिलाकर तीन साल पूरे कर लिए हैं। संयुक्त सचिव रोहन गौंस देसाई और प्रभतेज भाटिया भी अपने पद पर बने रहेंगे जिनका पदाधिकारी के रूप में यह पहला साल है।

आईपीएल अध्यक्ष पद के लिए मुंबई क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव संजय नाइक और वर्तमान बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला के नाम चर्चा में हैं, हालांकि अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। अगर कांग्रेस नेता शुक्ला एक बार फिर आईपीएल अध्यक्ष बनते हैं, तो बिहार क्रिकेट संघ के अध्यक्ष और राज्य के भाजपा नेता राकेश तिवारी बीसीसीआई उपाध्यक्ष पद के दावेदार बन सकते हैं। एजीएम सितंबर के आखिरी हफ्ते में होने की उम्मीद है। सिर्फ कुछ पद ही दाव पर होंगे और इस साल के चुनाव बीसीसीआई के अपने नियमों के अनुसार होंगे। राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम लागू होने में अभी कुछ समय लग सकता है जिससे बीसीसीआई इतना लंबा इंतजार नहीं करेगा। जुलाई में अपना 70वां जन्मदिन पूरा कर चुके रोजर बिन्नी दोबारा नहीं चुने जा सकते।

किसी बड़े भारतीय खिलाड़ी को चाहते हैं हितधारक

- बीसीसीआई अध्यक्ष के चुनाव पर सबकी नजर है। हितधारक बिन्नी की जगह किसी बड़े भारतीय खिलाड़ी को चाहते हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया महत्वपूर्ण हितधारकों के बीच यह धारणा है कि एक प्रतिष्ठित क्रिकेटर को हमेशा अध्यक्ष चुना जाना चाहिए। सौरव गांगुली एक सम्मानित भारतीय कप्तान थे और रोजर बिन्नी भारत के पहले विश्व कप विजेता नायक थे। हालांकि कितने प्रतिष्ठित क्रिकेटर इस शीर्ष पद काबिज होने में दिलचस्पी लेंगे, यह एक बड़ा सवाल है।

भारतीय मुक्केबाजों को करना होगा कड़ी चुनौती का सामना

लिवरपूल (इंग्लैंड), एजेंसी

- लिवरपूल में आज से शुरू हो रही है विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

भारतीय मुक्केबाज गुरुवार से यहां शुरू हो रही विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पिछली बार के प्रदर्शन में सुधार या उसकी बराबरी करने के उद्देश्य से रिंग पर उतरेंगे, लेकिन उनकी राह आसान नहीं होगी। क्योंकि उन्हें दुनिया के शीर्ष स्तर के मुक्केबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा।

पहली बार इस प्रतियोगिता का आयोजन विश्व मुक्केबाजी की नई शासी संस्था वर्ल्ड बॉक्सिंग के तत्वावधान में किया जाएगा और इसमें पुरुष और महिला दोनों वर्ग के मुकाबले एक साथ होंगे।

भारत ने 2023 में नई दिल्ली में आयोजित की गई महिला चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदक जीते थे। पुरुष टीम ने इसी साल ताशकंद में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक हासिल किए थे। इसके बाद हालांकि बड़ी प्रतियोगिताओं में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारतीय मुक्केबाज इस वर्ष के शुरू में विश्व मुक्केबाजी कप से अच्छा प्रदर्शन करके लौटे हैं, लेकिन विश्व चैंपियनशिप का स्तर काफी ऊंचा होता है जिसमें 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

इनमें पेरिस ओलंपिक के 17 पदक विजेता भी शामिल हैं। इस प्रतियोगिता से दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन और तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन एक साल के अंतराल के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वापसी करेंगी।

टीम

- **महिला** : मीनाक्षी हुडा, निकहत ज़रीन, साक्षी, जैस्मीन लेम्बोरिया, संजू खत्री, नीरज फोगट, सनामाचा चानू, लवलीना बोरगोहेन, पूजा रानी, नुपुर श्योराण। **पुरुष** : जदुमणि सिंह मंडेंगबाम, पवन बर्तवाल, सचिन सिवाच, अभिनाश जामवाल, हितेश गुलिया, सुमित कुंडू, लक्ष्य चाहर, जुगनू अहलावत, हर्ष चौधरी, नरेंद्र बेरवाल।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ट्रॉफी को टूर्नामेंट से पहले असम जातीय विद्यालय में प्रदर्शित किया गया। एजेंसी

अल्काराज और जोकोविच के बीच होगी सेमीफाइनल में टक्कर

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कार्लोस अल्काराज व नोवाक जोकोविच।

स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने जिरि लेहेका को 6- 4, 6-2, 6-4 से हराकर अमेरिकी ओपन पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। यहां उनका सामना 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच से होगा।

दो साल पहले यहां अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के बाद से अल्काराज हार्डकोर्ट पर पहली बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। जोकोविच ने उन्हें आस्ट्रेलियाई ओपन क्वार्टर फाइनल में हराया था। अगर अल्काराज अमेरिकी ओपन खिताब जीतते हैं तो एटीपी रैंकिंग में यानिक सिनेर को पछाड़कर शीर्ष पर काबिज हो जाएंगे। जोकोविच ने टूर्नामेंट में आखिरी अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को क्वार्टर फाइनल में हराया और जीतने के बाद फ्रिट्ज की हौसलाअफजाई कर रहे प्रशंसकों की ओर चुंबनों की बौछार कर दी। जोकोविच ने 6-3, 7-5, 3-6, 6-4 से जीत दर्ज की। पिछले साल के उपविजेता फ्रिट्ज के खिलाफ जोकोविच का जीत का रिकॉर्ड 11-0 का है। जोकोविच रिकॉर्ड 53वीं बार ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं जिसमें से फ्लशिंग मीडोज पर 14वीं बार उन्होंने अंतिम चार में जगह बनाई।

महिला वर्ग में जेसिका पेगुला ने बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-3 से हराकर अपने कैरियर के दूसरे ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में जगह बनाई। वह पिछले साल यहां फाइनल में एरिना सबालेंका से हार गई थी। इस बार सबालेंका से उनका सामना सेमीफाइनल में होगा क्योंकि मार्केटा वोंड्रूसोवा ने चोट के कारण सबालेंका को वॉकओवर दे दिया। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में, फ्रेंच ओपन के तीसरे और विंबलडन के पहले दौर से बाहर होने वाली पेगुला बिना कोई सेट गंवाये अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सेरेना विलियम्स के बाद पहली महिला खिलाड़ी हैं।

भांबरी पहली बार ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क : युकी भांबरी अपने कैरियर में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए, जिन्होंने माइकल वीनस के साथ अमेरिकी ओपन पुरुष युगल के अंतिम आठ में जगह बनाई।

भारत के भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने जर्मनी के केविन क्रावीत्ज और टिम पुएत्ज की जोड़ी को एक घंटे 23 मिनट तक चले मुकाबले में 6-4, 6-4 से हराया। अब उनका सामना क्रोएशिया के निकोला मेकटिच और अमेरिका के राजीव राम से होगा। 33 वर्ष के युकी कभी पहले दौर से आगे नहीं जा सके थे। युगल में वह इस साल फ्रेंच ओपन और विंबलडन के तीसरे दौर तक पहुंचे। इस बीच प्रतिभाशाली माया राजेश्वरन जूनियर वर्ग के दूसरे दौर में ब्रिटेन की हन्नाह क्लगमैन से से हारकर बाहर हो गई।

एशिया कप की तैयारी | कैप्टन कूल की छवि से प्रेरित हैं फातिमा सना

धोनी जैसा बनना चाहती हैं पाकिस्तानी कप्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

फातिमा सना। एजेंसी

आगामी आईसीसी वनडे विश्व कप में पाकिस्तान की कप्तानी करने जा रही फातिमा सना भारत के विश्व कप विजेता कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हैं और उन्हीं की तरह 'कैप्टन कूल' बनने की ख्वाहिश भी रखती हैं। अप्रैल में हुए क्वालीफायर्स में अपराजेय रहने वाली पाकिस्तानी टीम भारत और श्रीलंका में 30 सितंबर से दो नवंबर तक होने वाले वनडे विश्व कप में अपने अभियान का आगाज दो अक्टूबर को कोलंबो में बांग्लादेश के खिलाफ करेगी।

तेईस वर्ष की फातिमा ने लाहौर से भाषा को दिए इंटरव्यू में कहा विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में कप्तानी करने पर शुरू में थोड़ा नर्वस होना लाजमी है लेकिन मैं बतौर कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से प्रेरणा लेती हूं। उन्होंने कहा मैंने उनके भारत के कप्तान के तौर पर और आईपीएल मैच देखे हैं। वह जिस तरह मैदान पर फैसले लेते हैं, शांत रहते हैं और अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं, उससे काफी कुछ सीखने को मिलता है। जब मुझे कप्तानी मिली थी तभी मैंने सोचा था कि धोनी की तरह बनना है। उनके इंटरव्यू भी देखे तो काफी कुछ सीखने को मिला। धोनी ने 15 अगस्त 2020 को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से विदा ली जबकि फातिमा ने छह मई 2019 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था।

महिला वनडे विश्व कप में पाकिस्तान पांच बार (1997, 2009, 2013, 2017 और 2022 में) खेला है लेकिन 1997, 2013 और 2017 में एक भी मैच नहीं जीत सकी। पिछली बार 2022 में एकमात्र जीत हैमिल्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली लेकिन बाकी सारे मैच हारकर टीम आखिरी स्थान पर रही थी। पाकिस्तान के लिए 34 वनडे में 397 रन बनाने और 45 विकेट लेने वाली हरफनमौला फातिमा को यकीन है कि इस बार यह मिथक टूटेगा।

सेमीफाइनल तक पहुंचने का लक्ष्य

- फातिमा सना ने कहा इस बार यकीनन यह मिथक टूटेगा क्योंकि युवा खिलाड़ियों को पता है कि पाकिस्तान महिला क्रिकेट के लिए यह टूर्नामेंट कितना अहम है। हम अतीत के बारे में नहीं सोचेंगे। मेरा लक्ष्य टीम को सेमीफाइनल तक ले जाना है। उन्होंने कहा पाकिस्तान में लड़कियां अब स्कूलों में क्रिकेट खेलने लगी है और अंतर्राष्ट्रीय मैच लाइव दिखाये जा रहे हैं। आईसीसी ने भी महिला विश्व कप के लिये पुरस्कार राशि बढ़ाकर बहुत अच्छी पहल की है जिससे पाकिस्तान जैसे देश में महिला क्रिकेट को फायदा मिलेगा। लेकिन अभी भी एक बैरियर है जो हमें तोड़ना है।